Page 11
खेल
एशियाई खेलों में हिस्सा लेंगे भाला फेंक एथलीट नीरज, भारतीय एथलेटिक्स महासंघ ने की पुष्टि

जन-जन की वाणी...

हिन्दी दैनिक

सोन वर्षा वाणी

औरंगाबाद, पटना, आरा एवं दुमका से प्रकाशित

Page 09
देश
ब्राह्मण होने की वजह से पहली पंक्ति में बैठने से रोका गया, बीजेपी सांसद ने अपनी ही पार्टी के...

शुक्ल पक्ष, ज्येष्ठा, विक्रम संवत् 2083 • औरंगाबाद • रविवार • 28 जून 2026 • वर्ष 28 • अंक 206 • पृष्ठ 12

मूल्य ₹ 2.00

सोना चांदी

सोना	चांदी
10 ग्राम 22 कैरेट	1 किलो चांदी
₹ 1,31,950	₹ 2,40,000

आज का इतिहास

1838 : यूनाइटेड किंगडम की रानी विक्टोरिया का राज्याभिषेक। विक्टोरिया अपनी मृत्यु तक यूनाइटेड किंगडम ऑफ ग्रेट ब्रिटेन और आयरलैंड की रानी थीं। 1 मई 1876 से, उन्होंने भारत की महारानी के अतिरिक्त शीर्षक का उपयोग किया।

2012 : इराक में सिलसिलेवार बम धमाके में 14 लोग मारे गये और 50 घायल हो गये।

न्यूज बाइट्स

नीट-यूजी अभ्यर्थियों को फीस वापसी मौका, 30 जून तक कर सकेंगे आवेदन

नई दिल्ली (ए.)। नेशनल टेस्टिंग एजेंसी (एनटीए) ने नीट-यूजी अभ्यर्थियों को परीक्षा शुल्क वापसी के लिए एक और अवसर दिया है। 21 जून को दोबारा आयोजित नीट-यूजी परीक्षा के बाद एनटीए ने उन अभ्यर्थियों के लिए फीस रिफंड का पोर्टल फिर से खोल दिया है, जिन्होंने अब तक रिफंड के लिए आवेदन नहीं किया था, आवेदन प्रक्रिया पूरी नहीं कर पाए थे या पहले 'नो रिफंड' का विकल्प चुना था। ऐसे सभी अभ्यर्थी अब 30 जून तक नए सिरे से फीस वापसी के लिए आवेदन कर सकेंगे। एनटीए ने आवेदन के साथ सभी अभ्यर्थियों से अपने बैंक खाते का पूरा और सही विवरण उपलब्ध कराने को कहा है, ताकि रिफंड की राशि सीधे उनके खाते में भेजी जा सके। यह निर्णय छात्रों की ओर से फीस वापसी का पोर्टल दोबारा खोलने की लगातार उठ रही मांग के बाद लिया गया है।

रेलवे रैक से बालू-पत्थर कारोबार के लिए बनेगी नई व्यवस्था

नई दिल्ली (ए.)। पटना। बिहार सरकार रेलवे रैक के माध्यम से बालू, पत्थर सहित अन्य लघु खनिजों के कारोबार को अधिक पारदर्शी और व्यवस्थित बनाने की दिशा में नई व्यवस्था लागू करने जा रही है। इसके तहत रेलवे रैक से खनिजों का कारोबार करने वाले सभी भंडारण लाइसेंसधारियों के लिए एक समान कार्यप्रणाली तैयार की जाएगी। सरकार ने खान एवं भू-तत्व विभाग को कारोबार के संचालन के लिए स्पष्ट एवं एकरूप व्यवस्था विकसित करने का निर्देश दिया है। विभाग ने इस दिशा में कार्य भी प्रारंभ कर दिया है।

जल प्रबंधन प्रणाली होगी आधुनिक, किसानों और शहरी क्षेत्रों को मिलेगा सीधा लाभ

जल संकट दूर करने की तैयारी वाटर अथॉरिटी का होगा गठन

- बिहार में बनेगी नई वाटर पॉलिसी, नदियों की होगी डिजिटल निगरानी
- बिहार में जल प्रबंधन होगा स्मार्ट, डैमों में लगेंगे सेंसर और नहरों की होगी डिजिटल मॉनिटरिंग
- किसानों को मिलेगा पर्याप्त सिंचाई जल

निज संवाददाता | पटना

बिहार सरकार नदियों के पानी के बेहतर उपयोग और जल संसाधनों के प्रभावी प्रबंधन के लिए नई और आधुनिक जल नीति तैयार करने जा रही है। इस नई व्यवस्था के तहत आम लोगों की भागीदारी बढ़ाने के साथ-साथ जल प्रबंधन प्रणाली को पूरी तरह डिजिटल और तकनीक आधारित बनाया जाएगा। सरकार का उद्देश्य जल संसाधनों का वैज्ञानिक उपयोग सुनिश्चित करना, बाढ़ और सूखे जैसी प्राकृतिक आपदाओं का बेहतर प्रबंधन करना तथा जल संरक्षण को अधिक प्रभावी बनाना है। सरकार मौजूदा नदियों से संबंधित संस्थाओं की समीक्षा कर एक नई वाटर अथॉरिटी तथा अन्य आवश्यक संस्थानों के गठन पर भी विचार कर रही है। इसके लिए जल संसाधन, नदी विकास एवं गंगा संरक्षण विभाग द्वारा केंद्रीय जल शक्ति मंत्रालय के सहयोग से स्टेट वाटर रिसोर्स रिफॉर्म फ्रेमवर्क तैयार किया जा रहा है। इस फ्रेमवर्क के माध्यम से राज्य में जल संसाधनों के प्रबंधन को अधिक वैज्ञानिक, पारदर्शी और तकनीक आधारित बनाया जाएगा। नई नीति का मुख्य उद्देश्य नदियों के जलस्तर की निगरानी और रिपोर्टिंग प्रणाली को आधुनिक बनाना है। इसके माध्यम से बाढ़ और सूखे जैसी परिस्थितियों की समय पर सटीक जानकारी उपलब्ध हो सकेगी, जिससे जान-माल के नुकसान को कम करने में मदद मिलेगी।

सरकार का मानना है कि आधुनिक तकनीक के उपयोग से आपदा प्रबंधन को और अधिक प्रभावी बनाया जा सकेगा। इस नीति की रूपरेखा तैयार करने के लिए जल संसाधन विभाग के मुख्य अभियंता की अध्यक्षता में एक उच्चस्तरीय समिति गठित की गई है। समिति में योजना एवं मॉनीटरिंग अंचल-4 के अधीक्षण अभियंता को सदस्य सचिव बनाया गया है। इसके अलावा लघु जल संसाधन, कृषि, पर्यावरण, नगर विकास, लोक स्वास्थ्य अभियंत्रण विभाग (पीएचईडी) तथा ग्रामीण विकास विभाग के अधिकारियों को सदस्य के रूप में शामिल किया गया है।

बिहार में बनेगी नई जल नीति

नई जल नीति में गिरते भूजल स्तर में सुधार तथा नदी जल से संबंधित आंकड़ों को अधिक सटीक और उपयोगी बनाने पर विशेष जोर दिया जाएगा। साथ ही साक्ष्य आधारित नीति निर्माण को बढ़ावा देते हुए सभी जल परियोजनाओं की डिजिटल मॉनिटरिंग की जाएगी। सरकार पुराने जल कानूनों को भी वर्तमान जरूरतों के अनुरूप संशोधित करने की दिशा में कदम उठाएगी, ताकि जल संसाधनों का प्रबंधन अधिक प्रभावी ढंग से किया जा सके। सरकार के अनुसार इस नई व्यवस्था का सबसे बड़ा लाभ किसानों और शहरी क्षेत्रों को मिलेगा। नहरों के माध्यम से सिंचाई के लिए पानी का समुचित एवं संतुलित वितरण सुनिश्चित किया जाएगा, जिससे किसानों को सिंचाई संबंधी समस्याओं का सामना नहीं करना पड़े। साथ ही औद्योगिक इकाइयों और शहरों में भी जलापूर्ति का बेहतर प्रबंधन किया जाएगा। नई नीति के तहत डैमों में सेंसर आधारित मीटर लगाए जाएंगे तथा नहरों में होने वाले पानी के रिसाव और लीकेज को रोकने के लिए आधुनिक तकनीक का उपयोग किया जाएगा। सरकार का विश्वास है कि इस फ्रेमवर्क के लागू होने के बाद बिहार जल संसाधन प्रबंधन के क्षेत्र में अधिक आत्मनिर्भर, तकनीक-सक्षम और सुरक्षित राज्य के रूप में उभरेगा।

अत्यंत महत्वपूर्ण चिकेन नेक में बनेगा चौथा रेल कॉरिडोर, नई रेललाइन का सर्वे शुरू

24.40 किमी लंबी ब्रॉडगेज लाइन से बिहार और पश्चिम बंगाल के बीच बढ़ेगी रेल कनेक्टिविटी, राष्ट्रीय सुरक्षा को मिलेगी मजबूती

निज संवाददाता | किशनगंज

देश के सामरिक दृष्टि से अत्यंत महत्वपूर्ण चिकेन नेक (सिलीगुड़ी कॉरिडोर) क्षेत्र में रेल नेटवर्क को और सुदृढ़ बनाने की दिशा में भारतीय रेलवे ने बड़ा कदम उठाया है। रेलवे बोर्ड की स्वीकृति के बाद ठाकुरगंज-चतरहाट (रंगापानी-धूमडांगी) के बीच प्रस्तावित 24.40 किलोमीटर लंबी नई ब्रॉडगेज रेल परियोजना के लिए फाइनल लोकेशन सर्वे (एफएलएस) और मृदा परीक्षण (सॉयल इन्वेस्टिगेशन) का कार्य शुरू हो गया है। सर्वे पूरा होने के बाद विस्तृत परियोजना रिपोर्ट (डीपीआर) तैयार की जाएगी, जिसके आधार पर भूमि अधिग्रहण, प्रशासनिक स्वीकृतियां और निर्माण कार्य की प्रक्रिया आगे बढ़ेगी। रेलवे अधिकारियों के अनुसार यह परियोजना क्षेत्रीय रेल नेटवर्क को मजबूत करने के साथ-साथ राष्ट्रीय सुरक्षा और पूर्वोत्तर राज्यों की निर्बाध कनेक्टिविटी के लिए भी बेहद महत्वपूर्ण होगी। प्रस्तावित रेलमार्ग के विभिन्न हिस्सों में बोरहोल ड्रिलिंग कर मिट्टी के नमूने एकत्र किए जा रहे हैं। इन परीक्षणों के माध्यम से भूमि की भार वहन क्षमता, भू-वैज्ञानिक संरचना, भूजल स्तर तथा रेलवे ट्रैक, पुलों और अन्य संरचनाओं के निर्माण की उपयुक्तता का आकलन किया जाएगा। इसके अलावा प्रस्तावित पुलों के जलमार्ग, स्टेशन यार्ड की संभावनाओं, जल निकासी व्यवस्था, भूमि की आवश्यकता तथा यातायात घनत्व जैसे तकनीकी पहलुओं का भी विस्तृत अध्ययन किया जा रहा है, ताकि परियोजना का अंतिम स्वरूप वैज्ञानिक और सुरक्षित आधार पर तय किया जा सके।

नई रेल लाइन के निर्माण के साथ चिकेन नेक क्षेत्र में चौथा रेल कॉरिडोर विकसित होगा। वर्तमान में इस क्षेत्र में कटिहार-किशनगंज-अलुआबाड़ी रोड-चतरहाट-न्यू जलपाईगुड़ी, कटिहार-किशनगंज-अलुआबाड़ी रोड-ठाकुरगंज-सिलीगुड़ी तथा कटिहार-अररिया-ठाकुरगंज-गलगलिया-सिलीगुड़ी रेलमार्ग संचालित हैं। प्रस्तावित रेललाइन ठाकुरगंज को सीधे न्यू जलपाईगुड़ी मुख्य रेल मार्ग से जोड़ेगी, जिससे रेल परिचालन क्षमता बढ़ेगी, ट्रेनों को वैकल्पिक मार्ग मिलेगा और मौजूदा रेल लाइनों पर दबाव कम होगा। प्रारंभिक अलाइनमेंट के अनुसार नई रेललाइन ठाकुरगंज स्टेशन के उत्तर दिशा से निकलकर सियालडांगा और धर्मकांटा चौक के बीच राष्ट्रीय राजमार्ग-327ई को पार करेगी। इसके बाद यह रेलमार्ग बोड़ोबंगला, छैतनगुड़ी, योगी टोला, धापोडांगी, डुमरीडांगी, डोहाडांगी और पतीलाभाषा क्षेत्र से होकर गुजरेगा। पतीलाभाषा घाट के समीप चेंगा नदी पर नया रेलवे पुल बनाया जाएगा, जिसके माध्यम से रेललाइन पश्चिम बंगाल की सीमा में प्रवेश कर चतरहाट के निकट मुख्य रेल नेटवर्क से जुड़ेगी। हालांकि अंतिम अलाइनमेंट का निर्धारण तकनीकी सर्वेक्षण और विशेषज्ञों की रिपोर्ट के बाद किया जाएगा। चिकेन नेक, जिसे सिलीगुड़ी कॉरिडोर भी कहा जाता है, भारत के पूर्वोत्तर राज्यों को देश के अन्य हिस्सों से जोड़ने वाला सबसे महत्वपूर्ण स्थलीय संपर्क मार्ग है। लगभग 22 किलोमीटर चौड़ा यह गलियारा नेपाल, बांग्लादेश, भूटान और चीन (तिब्बत) की सीमाओं के निकट स्थित है। विशेषज्ञों का मानना है कि इस संवेदनशील क्षेत्र में अतिरिक्त और वैकल्पिक रेल कॉरिडोर बनने से राष्ट्रीय सुरक्षा, सैन्य आपूर्ति, आपदा प्रबंधन, माल परिवहन तथा पूर्वोत्तर भारत की निर्बाध कनेक्टिविटी को नई मजबूती मिलेगी।

स्वास्थ्य मंत्री ने पीएमसीएच प्रिंसिपल को हटाया तो नौकरी से दिया इस्तीफा

- निजी क्लीनिक में प्रैक्टिस के आरोप के बाद स्वास्थ्य विभाग की कार्रवाई, सरकार की कार्यशैली पर उठाए सवाल

निज संवाददाता | पटना

बिहार की स्वास्थ्य व्यवस्था से जुड़े एक महत्वपूर्ण घटनाक्रम में पटना मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल (पीएमसीएच) के प्रभारी प्राचार्य डॉ. नरेंद्र प्रताप सिंह को उनके पद से हटा दिया गया है। स्वास्थ्य विभाग की कार्रवाई के बाद डॉ. सिंह ने स्वैच्छिक सेवानिवृत्ति (भीआरएस) के लिए आवेदन कर दिया है और सरकार की कार्यशैली पर गंभीर सवाल उठाए हैं। इस घटनाक्रम के बाद स्वास्थ्य महकमे के साथ-साथ राजनीतिक गलियारों में भी चर्चाएं तेज हो गई हैं। जानकारी के अनुसार, 23 जून को डॉ. नरेंद्र प्रताप सिंह बिना किसी पूर्व सूचना के अपने कार्यालय और अस्पताल की ड्यूटी से अनुपस्थित पाए गए थे। इस दौरान स्वास्थ्य मंत्री निशांत कुमार ने उनसे संपर्क करने का प्रयास किया, लेकिन उनका फोन रिसीव नहीं हुआ।

इसके बाद स्वास्थ्य विभाग ने पूरे मामले की जांच कराई। जांच में यह बात सामने आई कि डॉ. सिंह उस समय अपनी निजी क्लीनिक में प्रैक्टिस कर रहे थे। विभागीय जांच रिपोर्ट के आधार पर स्वास्थ्य विभाग ने उन्हें प्रभारी प्राचार्य के पद से तत्काल प्रभाव से हटा दिया। पद से हटाए जाने के बाद डॉ. नरेंद्र प्रताप सिंह ने सरकार की कार्रवाई पर नाराजगी जताई।

दिल्ली और जम्मू-कश्मीर में भूकंप के तेज झटके लोगों में दहशत, रिक्टर स्केल पर 6.2 रही तीव्रता

- अफगानिस्तान में था भूकंप का केंद्र; किसी बड़े नुकसान की सूचना नहीं
- जम्मू-कश्मीर भूकंप की दृष्टि से संवेदनशील क्षेत्र माना जाता है

एजेंसी | श्रीनगर/नई दिल्ली

शनिवार को दिल्ली, जम्मू-कश्मीर और उत्तर भारत के कई हिस्सों में भूकंप के तेज झटके महसूस किए गए। रिक्टर स्केल पर भूकंप की तीव्रता 6.2 मापी गई। झटके महसूस होते ही लोग घबराकर घरों, दफ्तरों और अन्य इमारतों से बाहर निकल आए। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार भूकंप का केंद्र अफगानिस्तान में था। फिलहाल किसी बड़े नुकसान या जनहानि की सूचना नहीं मिली है। भूकंप के झटके कुछ सेकेंड तक महसूस किए गए, जिससे लोगों में दहशत फैल गई। कई स्थानों पर लोग एहतियात के तौर पर खुले स्थानों पर एकत्र हो गए। प्रशासन स्थिति पर नजर बनाए हुए है और किसी भी आपात स्थिति से निपटने के लिए संबंधित एजेंसियों को सतर्क रहने के निर्देश दिए गए हैं।

विशेषज्ञों के अनुसार जम्मू-कश्मीर और आसपास का क्षेत्र भूकंपीय दृष्टि से अत्यंत संवेदनशील माना जाता है। इस क्षेत्र में समय-समय पर हल्के से मध्यम और कभी-कभी तेज तीव्रता के भूकंप के झटके महसूस होते रहते हैं। अफगानिस्तान के हिंदूकुश क्षेत्र में आने वाले भूकंपों का प्रभाव अक्सर उत्तर भारत के कई राज्यों तक महसूस किया जाता है। हालांकि इस भूकंप से किसी प्रकार के बड़े नुकसान, भवन क्षति या जनहानि की आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है। प्रशासन और आपदा प्रबंधन एजेंसियां स्थिति पर लगातार नजर बनाए हुए हैं।

लंबित डिग्रियों के मुद्रण व वितरण के लिए मिशन मोड में अभियान चलाएं विश्वविद्यालय : राज्यपाल

नज संवाददाता | पटना

राज्यपाल-सह-कुलाधिपति लेफ्टिनेंट जनरल (सेवानिवृत्त) सय्यद अता हसनैन ने राज्य के सभी विश्वविद्यालयों को लंबित डिग्रियों के मुद्रण एवं वितरण को सर्वोच्च प्राथमिकता देने का निर्देश दिया है। उन्होंने कहा कि विद्यार्थियों को समय पर डिग्री उपलब्ध कराने के लिए सभी विश्वविद्यालय मिशन मोड में विशेष अभियान चलाकर लंबित मामलों का शीघ्र निष्पादन सुनिश्चित करें। राज्यपाल ने सभी विश्वविद्यालयों को निर्देश दिया है कि वे डिग्रियों के मुद्रण एवं वितरण की वर्तमान स्थिति का विस्तृत ब्यौरा निर्धारित प्रारूप में कुलाधिपति सचिवालय को उपलब्ध कराएं। इसमें वर्ष 2010 से 2024 तक स्नातक (यूजी) और स्नातकोत्तर (पीजी) पाठ्यक्रमों की लंबित एवं वितरित डिग्रियों की अलग-अलग जानकारी शामिल होगी।

डिग्रियों के मुद्रण एवं वितरण की नियमित निगरानी के लिए प्रत्येक विश्वविद्यालय में डिग्री मॉनिटरिंग सेल गठित करने का भी निर्देश दिया गया है। यह सेल एक नामित नोडल पदाधिकारी की देखरेख में कार्य करेगा, जो लंबित मामलों की नियमित समीक्षा कर समयबद्ध निष्पादन सुनिश्चित करेगा। विश्वविद्यालयों को नोडल पदाधिकारी का नाम एवं संपर्क विवरण भी कुलाधिपति सचिवालय को उपलब्ध कराना होगा। विश्वविद्यालयों में मानव संसाधन की कमी को देखते हुए राज्यपाल ने आवश्यकता पड़ने पर बेल्ट्रॉन के माध्यम से उपयुक्त कर्मियों की सेवाएं लेने का सुझाव भी दिया है, ताकि लंबित डिग्रियों के मुद्रण एवं वितरण का कार्य तेजी से पूरा किया जा सके।

पोस्टमार्टम रिपोर्ट में बड़ा खुलासा, भरत तिवारी को लगी थीं पांच गोलियां

- शरीर के निचले हिस्से में मिले सभी गोली के निशान, पिता और भाई का नाम एफआईआर से हटाया गया, न्यायिक जांच जारी

निज संवाददाता | आरा(भोजपुर)

भोजपुर जिले के बहुचर्चित भरत तिवारी एनकाउंटर मामले में पोस्टमार्टम रिपोर्ट सामने आने के बाद एक बार फिर मामले को लेकर चर्चाएं तेज हो गई हैं। रिपोर्ट के अनुसार भरत तिवारी को कुल पांच गोलियां लगी थीं और सभी गोलियां शरीर के निचले हिस्से में लगी थीं। इस बीच पुलिस ने उनके पिता काशीनाथ तिवारी और भाई चंदन तिवारी का नाम एफआईआर से हटा दिया है, जबकि पूरे मामले की न्यायिक जांच जारी है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट के मुताबिक पहली गोली बाईं जांघ के ऊपरी हिस्से में सामने से लगी थी। दूसरी गोली बाईं जांघ के मध्य भाग के अंदरूनी हिस्से में, तीसरी गोली दाईं जांघ के मध्य भाग के अंदर की ओर, चौथी गोली दाईं जांघ के बाहरी हिस्से में तथा पांचवीं गोली बाएं पैर के मध्य भाग में पीछे की ओर लगी थी। रिपोर्ट में स्पष्ट किया गया है कि सभी गोलियां शरीर के निचले हिस्से में लगी थीं।

इधर, भोजपुर पुलिस ने मामले में दर्ज एफआईआर की समीक्षा के बाद भरत तिवारी के पिता काशीनाथ तिवारी और भाई चंदन तिवारी को राहत देते हुए उनका नाम प्राथमिकी से हटा दिया है। दोनों पर पहले अवैध हथियार रखने तथा भरत तिवारी को संरक्षण देने के आरोप में मामला दर्ज किया गया था। मामले की न्यायिक जांच भी जारी है। गुरुवार को सेवानिवृत्त न्यायाधीश विनोद कुमार सिन्हा अपनी जांच टीम के साथ भरत तिवारी के गांव पहुंचे, जहां उन्होंने घटनास्थल का निरीक्षण किया और परिजनों से बातचीत की। इस दौरान भोजपुर के जिलाधिकारी, पुलिस अधीक्षक तथा शाहाबाद रेंज के डीआईजी भी मौजूद रहे। एनकाउंटर के आठवें दिन मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने पहली बार इस मामले पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा था कि यदि जांच में किसी प्रकार की अनियमितता या गड़बड़ी सामने आती है तो दोषियों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने बताया कि मामले की जांच के लिए उच्चस्तरीय आयोग गठित किया गया है और उसकी रिपोर्ट के आधार पर आगे की कार्रवाई होगी। उल्लेखनीय है कि 17 जून को भरत तिवारी फेसबुक लाइव के माध्यम से सामने आया था। उसने स्वयं को निर्दोष बताते हुए पुलिस के समक्ष आत्मसमर्पण करने की बात कही थी। पुलिस का दावा है कि सरेंडर के बाद उसने दोबारा हथियार उठाकर फायरिंग करने की कोशिश की, जिसके बाद जवाबी कार्रवाई में उसे गोली लगी।

BAYC Institute
स्थापित 1972

बिहार एक्युप्रेशर योग कॉलेज

गांधी सेतु लिंक पथ, बिस्कोमान कॉलोनी गोलम्बर के पूरब, पटना-7

नामांकन प्रारंभ | नियमित / पत्राचार कोर्स

भारत का पहला कॉलेज

डॉक्टर बनें — एक्युप्रेशर, योग, नेचुरोपैथी, इलेक्ट्रोपैथी, ट्रेडिशनल मेडिसिन

DIPLOMA COURSE
DAT Acupressure Therapy | DY Yoga | DAYS Acupressure Yoga | DHMS Herbal Medicine — अवधि: 1 वर्ष | योग्यता : 10th
DEMS Electrohomeopathy Medicine | DNYS Naturopathy Yoga — अवधि: 2 वर्ष | योग्यता : 10th

BACHELOR DEGREE COURSE
MBBA Acupressure & Magnet | BTMS Traditional Medicine | BAYS Acupressure Yoga | BAcu. Acupuncture — अवधि: 3 वर्ष | योग्यता : 10+2
BEMS Electrohomeopathy Medicine | MBAS Medicine in ALT Science — अवधि: 4½ वर्ष | योग्यता : 10+2

MASTER DEGREE COURSE
MD (Acu Yoga) | MD (TM) — अवधि: 1 वर्ष | योग्यता : मेडिकल ग्रेजएट
MD (EH) — अवधि: 2 वर्ष | योग्यता : BEMS

PROFESSIONAL COURSE
BLIS | MLIS | BBA | MBA

TRADITIONAL COURSE
MA (Yoga) | Yoga Teacher Course | BA | MA

100% रिजल्ट एवं रोजगार

Bihar State Govt. University & Central University UGC DEB MHRD Govt. of India Recognised

DIRECT ADMISSION | REGULAR CLASSES | ONLINE CLASSES | EXPERIENCED FACULTIES

एक्युप्रेशर चिकित्सा की उत्तम व्यवस्था यथा गर्दन, कंधा, कमर, घुटना दर्द, गठिया, डायबिटिज आदि।

कॉलेज से उत्तीर्ण हजारों विद्यार्थी सरकारी संस्थानों, गैर सरकारी संस्थानों एवं निजी संस्थान खोलकर सेवा दे रहे हैं।

डा. सर्वदेव प्रसाद गुप्त
अध्यक्ष

डा. अजय प्रकाश
सचिव

9572607696, 9304942855, 9334278279 Apply Online: www.bayc.in

Email: baycpatna@gmail.com | Website: www.indianacupressure.com

राजस्व विभाग ने लागू की नई दरें, आवेदन से भुगतान तक पूरी प्रक्रिया हुई ऑनलाइन

बिहार में जमीन नापी हुई महंगी, अब प्रति खेसरा 18 हजार रुपये तक देना होगा शुल्क

निज संवाददाता | पटना

पटना। बिहार में जमीन की नापी (मापी) कराने वालों को अब पहले से अधिक शुल्क चुकाना होगा। राजस्व एवं भूमि सुधार विभाग ने जमीन की मापी के लिए नई शुल्क दरें लागू कर दी हैं। विभाग की ओर से जारी अधिसूचना के अनुसार ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों के लिए अलग-अलग शुल्क तय किए गए हैं। नई व्यवस्था में कई मामलों में शुल्क पहले के मुकाबले लगभग दोगुना हो गया है। नई दरों के अनुसार ग्रामीण क्षेत्रों में रैयती भूमि की सामान्य नापी के लिए प्रति खेसरा 1,000 रुपये शुल्क देना होगा, जबकि अधिकतम शुल्क 4,000 रुपये निर्धारित किया गया है। पहले सामान्य नापी के लिए अधिकतम 1,000 रुपये ही शुल्क लिया जाता था। वहीं तत्काल नापी की सुविधा के लिए प्रति खेसरा 2,000 रुपये और अधिकतम 8,000 रुपये शुल्क देना होगा।

शहरी क्षेत्रों यानी नगर निगम, नगर परिषद और नगर पंचायत क्षेत्रों में सामान्य नापी के लिए प्रति खेसरा 2,000 रुपये तथा अधिकतम 8,000 रुपये शुल्क तय किया गया है। वहीं तत्काल नापी के लिए प्रति खेसरा 4,000 रुपये और अधिकतम 18,000 रुपये तक शुल्क देना होगा।

राजस्व एवं भूमि सुधार विभाग ने जमीन की नापी की प्रक्रिया को पूरी तरह डिजिटल कर दिया है। अब आवेदन करने से लेकर शुल्क भुगतान तक की पूरी प्रक्रिया ऑनलाइन होगी। विभाग का कहना है कि इससे लोगों को अंचल कार्यालयों के चक्कर नहीं लगाने पड़ेंगे और व्यवस्था अधिक पारदर्शी बनेगी। नई व्यवस्था के तहत संबंधित अमीन को आवेदन मिलने के बाद दो दिनों के भीतर जमीन की नापी की प्रक्रिया पूरी करनी होगी। इससे लंबित मामलों में तेजी आने और समयबद्ध सेवा मिलने की उम्मीद जताई जा रही है। सरकार का दावा है कि ऑनलाइन व्यवस्था लागू होने से न केवल भ्रष्टाचार और अनावश्यक देरी पर रोक लगेगी, बल्कि आम लोगों को घर बैठे आवेदन और भुगतान की सुविधा भी मिलेगी। हालांकि, शुल्क में हुई बढ़ोतरी के कारण जमीन की नापी कराने वाले लोगों पर अतिरिक्त आर्थिक बोझ जरूर बढ़ेगा।

बिहार समेत देश-दुनिया की ताजा-तरीन खबरों को जानने के लिए लॉगऑन करें :
www.sonvarshavani.com

संक्षिप्त समाचार

अंचलाधिकारी गुफरान मजहरी ने जनता दरबार में सुनीं फरियादें, नापी और भूमि विवाद के दो मामलों का मौके पर किया त्वरित निष्पादन

रजौली। शनिवार को आयोजित साप्ताहिक जनता दरबार में अंचलाधिकारी गुफरान मजहरी ने कुल दो महत्वपूर्ण भूमि विवादों का ऑन-द-स्पॉट निष्पादन कर ग्रामीणों के झगड़े को राहत दी है। इस दौरान अंचल कार्यालय रजौली में पहुंचे मामलों की गंभीरता से समीक्षा करते हुए अंचलाधिकारी ने दोनों पक्षों की दलीलें सुनीं और दस्तावेजों की गहन जांच के बाद न्यायसंगत फैसला सुनाया।निष्पादित किए गए मामलों की जानकारी देते हुए अंचलाधिकारी गुफरान मजहरी ने बताया कि टकुआटांड़ के राजीव कुमार बनाम मनोज कुमार यादव के बीच लंबे समय से चला आ रहा भूमि संबंधी गतिरोध जनता दरबार की पहल से पूरी तरह सुलझा लिया गया है,जिससे दोनों पक्षों के बीच का तनाव समाप्त हो गया है। इसके साथ ही एक अन्य संवेदनशील मामले में रामदासी गांव में सरफराज और दूसरे पक्ष के बीच जमीन की नापी व सीमांकन को लेकर उपजा पुराना विवाद को समाप्त किया गया। इस मामले में अंचलाधिकारी ने मौके पर ही नापी के विवाद को त्रुटिहीन तरीके से हल करने का निर्देश देते हुए दोनों पक्षों को शांतिपूर्ण ढंग से रहने की हिदायत दी। जनता दरबार में अंचलाधिकारी द्वारा महीनों से उलझे इन जमीनी विवादों का आपसी सहमति और कानूनी दायरे में रहकर बेहद सरल समाधान निकाल लिया गया, जिससे अंचल क्षेत्र में भूमि विवादों के कारण पैदा होने वाले आपसी मनमुटाव में कमी आएगी।

शराब पीकर सफर कर रहे पांच लोग जांच चौकी पर धराए, जुर्माना देकर हुए मुक्त

रजौली। उत्पाद विभाग की टीम ने समेकित जांच चौकी पर सघन वाहन चेकिंग अभियान के दौरान विभिन्न वाहनों से शराब के नशे में सफर कर रहे पांच लोगों को हिरासत में लिया है। मद्यनिषेध और उत्पाद विभाग द्वारा शराबबंदी कानून को पूरी तरह प्रभावी बनाने के उद्देश्य से यह कार्रवाई की गई है। जांच टीम का नेतृत्व कर रहे उत्पाद निरीक्षक अमृत कुमार ने मामले की जानकारी देते हुए बताया कि उत्पाद अधीक्षक अरुण कुमार मिश्र के कड़े निर्देशानुसार जिले में प्रत्येक दिन मुख्य मार्ग स्थित जांच चौकी पर वाहनों की सघन चेकिंग की जाती है,ताकि राज्य में शराब की तस्करी और इसके सेवन पर पूरी तरह लगाम लगाई जा सके।इसी नियमित जांच के क्रम में शनिवार को जांच चौकी पर अलग-अलग वाहनों की तलाशी के दौरान पांच यात्रियों को अत्यधिक नशे की हालत में पाया गया, जिसके बाद टीम ने त्वरित कार्रवाई करते हुए उन्हें हिरासत में ले लिया। हिरासत में लिए गए सभी अभियुक्तों को आवश्यक कागजी कार्रवाई पूरी करने के बाद संबंधित दंडाधिकारी के समक्ष प्रस्तुत किया गया, जहां शराबबंदी कानून के तहत उन पर नियमानुसार आर्थिक जुर्माना लगाया और जुर्माना राशि वसूल करने के बाद सभी को चेतावनी देकर मुक्त कर दिया। गौरतलब हो कि राज्य में पूर्ण शराबबंदी लागू होने के बाद से ही उत्पाद विभाग की टीम पूरी तरह मुस्तैद है और लगातार विभिन्न गुप्त सूचनाओं तथा नियमित चेकिंग के जरिए भारी मात्रा में शराब की खेप जब्त करने के साथ-साथ धंधेबाजों और पियक्कड़ों के खिलाफ कड़ी कानूनी कार्रवाई कर रही है।

अनुदानित दर पर मडुआ, अरहर और धान का बीज का किया जा रहा वितरण

नरहट (नवादा)। ई किसान भवन नरहट में किसानों के बीच अनुदानित दर पर मडुआ, अरहर और धान का बीज का वितरण किया जा रहा है। कृषि समन्वयक अमरेंद्र कुमार भारती ने बताया कि पहले आओ पहले पाओ के तर्ज पर किसानों के बीच बीज का वितरण किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि टारगेट के अनुसार 10 पंचायतों के लिए मडुआ 8 क्वींटल और हाईब्रिड धान 21 क्वींटल और अरहर 21 क्वींटल बीज का वितरण किया जाएगा। उन्होंने बताया कि अरहर 140 रुपये निर्धारित है जिसमें 60 रुपये अनुदान राशि काट कर किसानों को प्रति केजी 80 रुपया भुगतान करना होगा। मडुआ 73 रुपये 75 पैसे निर्धारित है जिसमें 30 रुपये अनुदान मिलेगा किसानों को प्रति केजी 43 रुपये 75 पैसे भुगतान करना होगा। हाइब्रिड धान बीज 420 रुपये निर्धारित है जिसमें 100 रुपये अनुदान मिलेगा, किसानों को प्रति केजी 320 रुपये भुगतान करना है। उन्होंने बताया कि कृषि विभाग में प्रमाणित बीज भी उपलब्ध है जो प्रति केजी 42 रुपये है और यह 12 केजी का पैकेट में उपलब्ध है। उन्होंने बताया कि अरहर 4 केजी, मडुआ 2 केजी और हाइब्रिड धान 3 केजी के पैकेट में उपलब्ध है। बीज का वितरण प्रखण्ड कृषि पदाधिकारी के मौजूदगी में किया जा रहा है। इस मौके पर कृषि समन्वयक एवं कृषि सलाहकार, कृषक मौजूद थे।

भीवी जी राम जी अधिनियम 2025 को लेकर पंचायतों में जागरूकता सह जनसुनवाई कार्यक्रम आयोजित

कौआकोल। आगामी 01 जुलाई 2026 से सभी राज्यों में लागू होने जा रहे भीवी जी राम जी अधिनियम 2025 के प्रभावी क्रियान्वयन को लेकर प्रखण्ड के चार पंचायतों में ग्राम सभा सह जन सुनवाई जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम में मनरेगा अंतर्गत कार्यरत पंचायत स्तरीय कर्मियों के साथ-साथ त्रिस्तरीय पंचायती राज प्रतिनिधियों ने भाग लिया। इसी क्रम में प्रखंड के देवनगढ़ पंचायत में मुखिया रूबी कुमारी,दरावां पंचायत में मुखिया हीरालाल शर्मा,छबैल पंचायत में मुखिया भोला प्रसाद गुप्ता एवं कौआकोल पंचायत में मुखिया नीभा कुमारी की अध्यक्षता में ग्राम सभा सह जनसुनवाई कार्यक्रम का आयोजन किया गया,जिसमें ग्रामीणों की समस्याएं सुनी गई और योजनाओं के बेहतर क्रियान्वयन पर चर्चा की गई। इस मौके पर मनरेगा कार्यक्रम पदाधिकारी मोहम्मद असलम हुसैन ने बताया कि भीवी जी राम जी अधिनियम 2025 ग्रामीण विकास योजनाओं में पारदर्शिता,जवाबदेही और जनभागीदारी को और अधिक मजबूत करेगा। इस अधिनियम के लागू होने के बाद पंचायत स्तर पर संचालित योजनाओं की निगरानी और कार्यान्वयन व्यवस्था अधिक प्रभावी बनेगी। उन्होंने कहा कि पंचायत प्रतिनिधियों, कर्मियों एवं आम ग्रामीणों को इसके प्रावधानों की जानकारी देना आवश्यक है ताकि योजनाओं का लाभ सही तरीके से अंतिम व्यक्ति तक पहुंच सके। उन्होंने यह भी कहा कि सरकार की मंशा है कि ग्रामीण विकास से जुड़ी योजनाओं में जनता की सीधी भागीदारी सुनिश्चित हो और जनसुनवाई के माध्यम से लोगों की समस्याओं का त्वरित समाधान किया जा सके। मौके पर पंचायत रोजगार सेवक समेत अन्य सम्बन्धित लोग मौजूद थे।

रजौली के सवैयाटांड़ में अवैध अभ्रक खनन का खूनी खेल, बारूद के साये में फल-फूल रहा माफियाओं का समानांतर साम्राज्य

सोन वर्षा वाणी । संवाददाता

रजौली। रजौली अनुमंडल अंतर्गत सवैयाटांड़ पंचायत में इन दिनों अवैध अभ्रक (माइका) का काला साम्राज्य अपने पूरे शबाब पर है। वन विभाग और स्थानीय प्रशासन की नाक के नीचे प्रतिदिन लाखों-करोड़ों रुपये के सरकारी राजस्व की चोरी की जा रही है। खनन माफियाओं ने इस पूरे वन क्षेत्र को अपनी जागीर बना लिया है, जहां सरकारी नियमों और पर्यावरण कानूनों को ताक पर रखकर दिन-रात पहाड़ियों का सीना चीरा जा रहा है। आश्चर्य की बात यह है कि इस महालूट को रोकने के लिए बनाए गए तमाम सुरक्षा तंत्र पूरी तरह से पंगु साबित हो रहे हैं और माफियाओं का दुस्साहस लगातार बढ़ता जा रहा है। सवैयाटांड़ पंचायत के चटकरी स्थित शारदा माइंस, कोरईया माइंस, जरलाही माइंस,कारी माइंस,ललकी माइंस, फगुनी माइंस, टिटहिंया माइंस,काली पहाड़ी, सेठवा के साथ साथ बसरौन के टोपा पहाड़ी समेत दर्जनों स्थानों पर अवैध रूप से अभ्रक खनन लगातार जारी है।

दिन के उजाले में धमाके और बारूद की गूंज :- सवैयाटांड़ पंचायत के जंगलों और प्रतिबंधित पहाड़ी इलाकों में सुरक्षा मानकों की धज्जियां उड़ाते हुए खुलेआम भारी मात्रा में विस्फोटकों का इस्तेमाल किया जा रहा है। खनन माफियाओं के गुर्गे किसी कानून के खौफ के बिना, दिन के उजाले में ही बेखौफ होकर जिलेटिन की छड़ें और डेटोनेटर लगाते हैं और शक्तिशाली ब्लास्ट करते हैं। इन अवैध धमाकों की गूंज से पूरा इलाका दहल उठता है। धमाके के बाद जैसे ही बारूद और धूल का गुबार शांत होता है, अत्यंत गरीब और लाचार स्थानीय मजदूरों को मौत के कुएं जैसी असुरक्षित खदानों के भीतर धकेल दिया जाता है। ये मजदूर अपनी जान हथेली पर रखकर मलबे से चमकीले अभ्रक को चुनते हैं और फिर उसे बेहद कम मजदूरी पर इन माफियाओं के हवाले कर देते हैं।

सरकारी राजस्व की खुली लूट और वन विभाग की नाकामी :- इस सुनियोजित अवैध कारोबार के कारण सरकार को हर दिन भारी मात्रा में राजस्व का नुकसान उठाना पड़ रहा है,

वन विभाग की कार्रवाई महज खानापूर्ति

शारदा माइंस पर खनन करते मजदूर

जबकि खनन माफिया सरकारी संपत्ति को लूटकर चांदी काट रहे हैं। इस पूरी व्यवस्था की निगरानी करने वाले वन विभाग की भूमिका पर भी अब गंभीर सवाल खड़े होने लगे हैं। स्थानीय लोगों का आरोप है कि विभाग की कार्रवाई केवल कागजी कोरम पूरा करने और वरिष्ठ अधिकारियों को दिखाने तक ही सीमित है। कभी-कभार किसी छोटी-मोटी गाड़ी या ट्रैक्टर को पकड़कर अपनी पीठ थपथपाने वाला वन विभाग बड़े सिंडिकेट और उनकी गाड़ियों पर हाथ डालने से साफ कतराता है। इलाके में माफियाओं की बेरोकटोक आवाजाही को रोकने के लिए बनाए गए वन विभाग के चेक नाके भी पूरी तरह नाकाम साबित हो रहे हैं, जिन्हें पार कर अवैध अभ्रक से लदे वाहन आसानी से गंतव्य की ओर निकल जाते हैं।

झारखंड के खरीदार हो रहे मालामाल, सीमाओं के पार फैला सिंडिकेट :- रजौली के सवैयाटांड़ की वादियों से निकलने वाले इस कीमती अभ्रक के तार पड़ोसी राज्य झारखंड से सीधे जुड़े हुए हैं। यहां से अवैध रूप से निकाला गया माइका कड़े पहरे और चेक नाकों को चकमा देकर चोरी-छिपे झारखंड के तिलैया और गिरिडीह क्षेत्रों में भेजा जाता है। तिलैया और गिरिडीह के बड़े अभ्रक खरीदार और अंतरराष्ट्रीय सिंडिकेट इस अवैध खेप को बेहद ऊंचे दामों पर खरीदते हैं, जिससे उन्हें बंपर मुनाफा होता है। इस अंतरराज्यीय रैकेट के कारण स्थानीय स्तर पर सक्रिय बिचौलिये और माफिया तो रातों-रात मालामाल हो रहे हैं, लेकिन बिहार के हिस्से केवल पर्यावरण का विनाश, जंगलों की बर्बादी और प्राकृतिक संसाधनों की बेरहम लूट आ रही है।

मौत की खदानें और माफियाओं का खौफनाक वर्चस्व :- इस पूरे अवैध धंधे का सबसे स्याह और भयावह पहलू यह है कि यहां काम करने वाले गरीब मजदूरों की जिंदगी की कोई कीमत नहीं है। वैज्ञानिक और सुरक्षित तरीकों को पूरी तरह दरकिनार कर बेतरतीब ढंग से की जाने वाली माइनिंग के कारण अक्सर खदानों की चाल यानि मिट्टी और पत्थरों की भारी छत धंस जाती है। इस मलबे में दबकर अब तक कई मासूम और लाचार मजदूरों की दर्दनाक मौत हो चुकी है। बावजूद इसके, इन हादसों को प्रशासनिक साठगांठ, पैसों की ताकत और रसूख के बल पर दबा दिया जाता है और पुलिस-प्रशासन तक मामले पहुंचने ही नहीं दिए जाते। किसी भी बड़ी, कठोर और निर्णायक कानूनी कार्रवाई के अभाव में खनन माफियाओं का दुस्साहस इस कदर बढ़ गया है कि पूरे रजौली के सवैयाटांड़ क्षेत्र में आज उनका एक खौफनाक समानांतर वर्चस्व कायम हो चुका है।

क्या कहते हैं पदाधिकारी :- इस संबंध में वनों के क्षेत्रीय पदाधिकारी नारायण लाल सेवक ने बताया कि वन क्षेत्र में खनन को लेकर लगातार कार्रवाई की जाती है।उन्होंने कहा कि विभाग में कम संसाधनों के कारण काफी कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है।बगैर हथियार के जवान व जंगली क्षेत्र में मोबाइल टाबर लोकेशन नहीं मिलने से परेशानी है,इन परेशानियों के बावजूद हमारी टीम लगातार कार्रवाई करती रहती है। गिरफ्तारी के साथ-साथ अभ्रक लदे वाहनों की जब्ती के साथ प्राथमिकी दर्ज की जाती रही है।

युवती से छेड़छाड़ को लेकर माता-पिता के साथ जमकर मारपीट

सिर में पड़े 8 टांके,पीड़ितों ने थाने से लगाओ न्याय की गुहार

सोन वर्षा वाणी । संवाददाता

अस्पताल परिसर में घायल दंपत्ति के साथ परिजन

रजौली। रजौली थाना क्षेत्र के धमनी पंचायत के सबलपुर चोरनु गांव में शनिवार की शाम लगभग 5:30 बजे युवती से छेड़छाड़ को लेकर हुई मारपीट में युवती के माता-पिता गम्भीर रूप से घायल हो गए। घायल लोगों को परिजनों के सहयोग से इलाज हेतु भर्ती कराया गया। अस्पताल ड्यूटी में रहे चिकित्सक डॉ. सतीश चंद्र सिन्हा ने बताया कि घायलों की पहचान सबलपुर चोरनु गांव निवासी रामस्वरूप राजवंशी के पुत्र रंजीत राजवंशी एवं रंजीत राजवंशी की पत्नी शानो देवी के रूप में हुई है। घायल रंजीत राजवंशी को लहूलुहान स्थिति में अस्पताल लाया गया था,जिसके सिर में 8 टांके पड़े हैं। वहीं शानो देवी के चेहरे एवं शरीर के अन्य हिस्सों में गम्भीर चोटें आई है। दोनों घायल दम्पतियों का इलाज अस्पताल में जारी है।

घर समझाने गए पति-पत्नी से मारपीट का आरोप :- घायल रंजीत राजवंशी ने बताया कि शनिवार को छुट्टी खत्म होने के बाद उनका 16 वर्षीय बेटा लवकुश कुमार बाइक से रजौली स्थित निजी स्कूल के हॉस्टल जा रहा था। इसी बीच पड़ोसी शंकर राजवंशी के पुत्र चंदन कुमार ने बांस के डंडे से मार दिया। इसको लेकर वे शंकर राजवंशी के घर समझाने गए थे कि मंगर राजवंशी के पुत्र राजो राजवंशी,शंकर राजवंशी के पुत्र चंदन कुमार व मिट्ठू राजवंशी,पुत्री निभा कुमारी,शिवा राजवंशी की पत्नी शोभा देवी,मुकेश राजवंशी की पत्नी शर्मिला देवी एवं सूरज राजवंशी की पत्नी नीलम देवी ने गाली गलौज करते हुए लाठी-डंडे एवं लोहे के रॉड से हमला कर दिया। अचानक हुए इस हमले में दोनों पति-पत्नी बुरी तरह घायल हो गए। पीड़ितों ने डायल 112 की टीम को भी सूचित करने का प्रयास किया,किंतु उनसे संपर्क नहीं हो पाया।

युवती से छेड़छाड़ के कारण चार बार हो चुका है मारपीट :- पीड़ित शानो देवी ने बताई कि उनकी दो बेटियां हैं,जिनपर पड़ोसियों की बुरी नजर है। बीते तीन माह पूर्व भी 12 भी रात में घर में घुसकर हमारी बेटी व दामाद के साथ मारपीट किया गया था। इसी विवाद को लेकर अबतक चार बार मारपीट किया जा चुका है। उन्होंने पुलिस पदाधिकारियों से इसकी शिकायत करने थाना भी पहुंचे थे, जहां से उन्हें इलाज कर लिखित आवेदन देने की बात कही गई है।

क्या कहते हैं थानाध्यक्ष :- इस संबंध में थानाध्यक्ष इंस्पेक्टर रणजीत कुमार ने बताया कि पीड़ित द्वारा लिखित आवेदन मिलने पर अग्रतर कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी।

बीपीएससी से चयनित एसडीएम प्रीति कुमारी का भव्य नागरिक अभिनंदन

सोन वर्षा वाणी । संवाददाता

नवादा। बिहार लोक सेवा आयोग (बीपीएससी) की 70वीं संयुक्त प्रतियोगिता परीक्षा में एसडीएम पद पर चयनित प्रीति कुमारी का शनिवार को नवादा में कुशवाहा सेवा समिति के तत्वावधान में भव्य नागरिक अभिनंदन किया गया। इस अवसर पर समाज के लोगों ने उन्हें सम्मानित करते हुए उनकी उपलब्धि को पूरे जिले और समाज के लिए गौरव का क्षण बताया। कार्यक्रम की शुरुआत मिर्जापुर स्थित दो नंबर रेलवे गुमटी से निकाली गई विशाल बाइक रैली के साथ हुई। 50 से अधिक बाइकों के काफिले के साथ समाज के युवाओं ने प्रीति कुमारी की अगवानी की। स्वागत यात्रा शहर के विभिन्न मार्गों से गुजरते हुए कुशवाहा छात्रावास परिसर पहुंची, जहां पहले से मौजूद सैकड़ों लोगों ने पुष्पवर्षा, तालियों की गड़गड़ाहट और जयघोष के बीच उनका गर्मजोशी से स्वागत किया।

समारोह की अध्यक्षता श्रीमती ललिता कुमारी ने की, जबकि मंच संचालन समिति के सचिव रामचंद्र कुमार सोनी ने किया। इस दौरान कुशवाहा सेवा समिति की स्थापना, उसके सामाजिक उद्देश्यों तथा समाजहित में किए जा रहे विभिन्न कार्यों की जानकारी दी गयी बता दें की प्रीति कुमारी मूल रूप से नवादा जिले के कौआकोल प्रखंड अंतर्गत भोरमबाग गांव की निवासी हैं। उनके पिता नंदकिशोर प्रसाद कोडरमा स्थित जवाहर नवोदय विद्यालय में कार्यरत हैं, जबकि उनका ससुराल मुजफ्फरपुर में है। वक्ताओं ने कहा कि प्रीति कुमारी ने अपनी मेहनत और प्रतिभा के बल पर न केवल अपने परिवार बल्कि पूरे समाज का सम्मान बढ़ाया है और वे युवाओं के लिए प्रेरणास्रोत हैं।

इस अवसर पर समिति की ओर से प्रीति कुमारी को अंगवस्त्र, पुष्पगुच्छ एवं स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया गया। साथ ही उनके पति सनोज कुमार तथा माता-पिता को भी विशेष रूप से सम्मानित किया गया। उपस्थित लोगों ने मिठाई खिलाकर उनकी सफलता पर प्रसन्नता व्यक्त की और उज्ज्वल प्रशासनिक जीवन की शुभकामनाएं दीं। सम्मान से अभिभूत प्रीति कुमारी ने सभी के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि समाज से मिला यह सम्मान उनके लिए प्रेरणा का स्रोत है। उन्होंने कहा कि वे छात्रावास और समाज के विकास में हरसंभव सहयोग करेंगी। साथ ही उन्होंने विद्यार्थियों को आश्वस्त किया कि भविष्य में जब भी करियर काउंसलिंग या प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी के संबंध में मार्गदर्शन की आवश्यकता होगी, वे समय निकालकर बच्चों के बीच अवश्य आएंगी। समारोह में संरक्षक अर्जुन प्रसाद, बैद्यनाथ प्रसाद, भोला प्रसाद, शंभू शरण प्रसाद, राजेंद्र भारती, सियाशरण प्रसाद, महेश्वर प्रसाद, डॉ. मनोज कुमार, उमेश कुमार निर्मल, सुधांशु कुमार, डॉ. वसंत प्रसाद, अशोक कुमार, अरुणजय मेहता, विजय कुमार, विक्की कुशवाहा, गौतम कुमार, संजय कुमार, यदुनंदन प्रसाद, मथुरा प्रसाद, दिनेश कुमार, दीपक कुमार, कमलेश कुशवाहा, दयानंद प्रसाद, डॉ. श्रवण कुमार, संतोष कुमार वर्मा, डॉ. विजय कुमार, अंजू लता कुमारी, रेणु कुमारी, संजू रानी, राजेश कुमार, रविकांत कुमार वर्मा, वासुदेव प्रसाद, अनुसूया कुमारी, चितरंजन कुमार, राधे प्रसाद, अमित कुमार, राकेश कुमार, सिद्धार्थ शंकर, सनोज कुमार, अखिलेश कुमार, अभिनंदन कुमार, कुंदन कुमार सहित समाज के सैकड़ों गणमान्य नागरिक उपस्थित थे।

उद्योगपति डॉ. अरविंद कुमार शाही एवं फिल्म अभिनेता शहवाज खान ने बांटे राष्ट्रीय सम्मान पुरस्कार

सोन वर्षा वाणी । संवाददाता

पकरीबरावां (नवादा)। बिहार के प्रसिद्ध उद्योगपति एवं समाजसेवी डॉ. अरविंद कुमार शाही को नई दिल्ली में आयोजित विश्व संस्कृति एवं पर्यावरण संरक्षण आयोग, भारत के भव्य अवार्ड वितरण एवं सम्मान समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में आमंत्रित किया गया। इस अवसर पर उन्होंने बॉलीवुड अभिनेता शहवाज खान के साथ विभिन्न राज्यों से आए सामाजिक कार्यकर्ताओं, शिक्षाविदों, पर्यावरण प्रेमियों एवं प्रतिभाशाली व्यक्तियों को सम्मानित किया।

डॉ. अरविंद कुमार शाही नवादा जिले के पकरीबरावां प्रखंड अंतर्गत डुमरामा पंचायत के खपुरा गांव के निवासी हैं। साधारण ग्रामीण परिवेश से निकलकर उन्होंने अपने परिश्रम और संघर्ष के बल पर उद्योग जगत में विशेष पहचान बनाई है। वर्तमान में वे कई प्रतिष्ठित कंपनियों के मैनेजिंग डायरेक्टर हैं तथा समाज सेवा के क्षेत्र में भी लगातार सक्रिय भूमिका निभा रहे हैं।

समारोह में दिल्ली सरकार के परिवहन मंत्री पंकज कुमार सिंह, दिल्ली की मेयर सुनीता कांगरा, न्यायमूर्ति कमल कांत जैन, प्रसिद्ध फिल्म अभिनेता शहवाज खान तथा चर्चित फिल्म लेखक इकबाल दुर्रानी सहित अनेक गणमान्य अतिथि मौजूद रहे। कार्यक्रम के दौरान फिल्म लेखक इकबाल दुर्रानी ने डॉ. अरविंद कुमार शाही को अपने द्वारा लिखित 'हिंदू वेद सामवेद' पुस्तक भेंट कर सम्मानित किया और उनके सामाजिक एवं औद्योगिक योगदान की सराहना की। इकबाल दुर्रानी हिंदी फिल्म जगत के चर्चित लेखक हैं और उन्होंने कई फिल्मों की पटकथा लिखी है। डॉ. शाही ने अपने संबोधन में शिक्षा, समाज सेवा और पर्यावरण संरक्षण को राष्ट्र निर्माण का आधार बताते हुए युवाओं से समाज के प्रति अपनी जिम्मेदारियों का निर्वहन करने का आह्वान किया।

राष्ट्रीय स्तर के इस प्रतिष्ठित समारोह में डॉ. अरविंद कुमार शाही को मुख्य अतिथि के रूप में सम्मान मिलना नवादा जिले, विशेषकर खपुरा गांव के लिए गर्व की बात है। उनके संघर्ष, सफलता और समाजसेवा के कार्य आज युवाओं के लिए प्रेरणा का स्रोत बन रहे हैं।

सिपाही भर्ती परीक्षा को लेकर प्रशासन मुस्तैद, डीएम-एसपी ने जारी किया आदेश

सोन वर्षा वाणी । संवाददाता

नवादा। केन्द्रीय चयन पर्षद (सिपाही भर्ती) के तहत बिहार ''पुलिस दूरसंचार (वितंतु) एवं तकनीकि अराजपत्रित संवर्ग'' में सिपाही (प्रचालक) के पद पर चयन के लिए अभ्यर्थियों की लिखित परीक्षा दिनांक 28 जून 2026 (रविवार) को नवादा जिला में एकल पाली में 12:00 बजे मध्या0 से 02:01 बजे अप0 तक होगी। परीक्षा स्वच्छ, निष्पक्ष एवं कदाचारमुक्त वातावरण में सम्पन्न कराने के उद्देश्य से आज समाहरणालय सभाकक्ष में जिला पदाधिकारी, नवादा श्री रवि प्रकाश एवं पुलिस अधीक्षक, नवादा श्री अभिनव धीमान द्वारा संयुक्त आदेश जारी की गई है। जिलाधिकारी ने केन्द्राधीक्षकों को परीक्षार्थियों को परीक्षा केन्द्र के मुख्य प्रवेश द्वार पर सघन तलाशी के उपरान्त अंदर जाने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि परीक्षा कक्ष में प्रवेश 10:00 बजे पूर्वा0 से प्रारंभ होगा एवं 11:00 बजे पूर्वा0 तक सभी अभ्यर्थी अपना स्थान ग्रहण कर लेंगे। इसके बाद प्रवेश एवं परीक्षा में भाग लेने की अनुमति नहीं दी जायेगी। एडमिड कार्ड के अलावे कोई परीक्षार्थी अपने साथ अवांछित पेपर लेकर नहीं जायेंगे। उन्होंने कहा कि प्रत्येक अभ्यर्थी की भौतिक रूप से जॉच कराते हुए यह सुनिश्चित कर लेंगे कि अभ्यर्थियों के पास किसी भी प्रकार की लिखित सामग्री, प्रवेश पत्र पर कोई लेख, सादा कागज, क्लिपबोर्ड, स्लाइड रूल, कैलकुलेटर, मोबाइल फोन, ब्लूटूथ उपकरण, डिजिटल डायरी, पामटॉप, पीडीए या कोई अन्य इलेक्ट्रॉनिक उपकरण नहीं है। किसी भी परीक्षार्थी को बिना फोटो पहचान पत्र के किसी भी परिस्थिति में परीक्षा केन्द्र में प्रवेश नहीं दिया जाए। इसका दृढ़ता से अनुपालन सुनिश्चित करने का निर्देश दिया गया। उन्होंने केन्द्राधीक्षकों को निर्देश दिये कि कदाचारमुक्त परीक्षा का संचालन करना सुनिश्चित करेंगे। कदाचार में लिप्त पाये जाने पर विधि-सम्मत कार्रवाई की जायेगी।

जिलाधिकारी ने सभी परीक्षार्थियों को ससमय केन्द्र पर पहुंचने की अपील की है। सभी परीक्षा केन्द्रों के बाहर एवं परीक्षा कक्ष में सीसीटीवी कैमरा लगायेंगे। सीसीटीवी कैमरा का अधिष्ठापन का कार्य एक दिन पहले ही कर लेंगे। परीक्षा केन्द्र पर जाने वाले दंडाधिकारी और अन्य पदाधिकारी अपना पहचान पत्र साथ रखना सुनिश्चित करें। उन्होंने कहा कि सभी प्रतिनियुक्त दंडाधिकारी एवं पुलिस पदाधिकारी ससमय अपने प्रतिनियुक्त स्थल पर पहुंचना सुनिश्चित करेंगे। जिले में कुल 18 परीक्षा केन्द्र बनाये गए हैं। परीक्षा के सफल संचालन हेतु सभी परीक्षा केन्द्रों पर सशस्त्र लाठी बल के साथ स्टैटिक दंडाधिकारी एवं पुलिस पदाधिकारी की प्रतिनियुक्ति की गई है साथ ही जोनल दंडाधिकारी-सह-गश्ती दल दंडाधिकारियों एवं पुलिस पदाधिकारियों की भी प्रतिनियुक्ति की गयी है। उड़नदस्ता दल में सशस्त्र लाठी बल के साथ दंडाधिकारी एवं पुलिस पदाधिकारी की प्रतिनियुक्ति की गई है।

सिपाही (प्रचालक) के पद पर चयन के लिए अभ्यर्थियों के लिए लिखित परीक्षा स्वच्छ एवं कदाचारमुक्त वातावरण में सफल संचालन हेतु समाहरणालय, नवादा में नियंत्रण कक्ष की स्थापना की गई है, जिसका दूरभाष नम्बर-06324-212261 है। नियंत्रण कक्ष में दंडाधिकारी एवं पुलिस पदाधिकारी की प्रतिनियुक्ति की गई है साथ ही नियंत्रण कक्ष में पदाधिकारियों को सुरक्षित दण्डाधिकारी एवं कर्मी के रूप में प्रतिनियुक्ति की गई है। जिला नियंत्रण कक्ष के वरीय प्रभार में श्रीमती निरूपमा शंकर, जिला कार्यक्रम पदाधिकारी, आईसीडीएस एवं पु0नि0 राकेश कुमार सिंहा, प्रभारी ई0आर0एस0, नवादा रहेंगे। नियंत्रण कक्ष में पल-पल की गतिविधियों पर नजर रखी जायेगी साथ ही अग्निशाम, चिकित्सा व्यवस्था, बज्रवाहन/वाटर कैनन, अश्रु गैस आदि की भी व्यवस्था की गयी है।

जिला शिक्षा पदाधिकारी को निर्देश दिया गया कि अपने दायित्वों का निर्वहन करेंगे। प्रत्येक परीक्षा केन्द्र पर केन्द्राधीक्षक के द्वारा वीडियोग्राफी की व्यवस्था रहेगी। सभी परीक्षा केन्द्रों पर सीसीटीवी, मोबाईल जैमर की व्यवस्था, फोटोग्राफी, पुलिस पदाधिकारी एवं पुलिस बल की व्यवस्था, वाहन की व्यवस्था रहेगी। संभावित भीड़ को देखते हुए ट्रैफिक व्यवस्था का सुचारू संचालन पुलिस उपाधीक्षक यातायात नवादा द्वारा किया जायेगा। कार्यपालक अभियंता विद्युत को सिपाही भर्ती परीक्षा में निर्बाध विद्युत आपूर्ति करने का निर्देश दिया गया।

अनुमंडल पदाधिकारी नवादा सदर एवं अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी नवादा सदर-1/सदर-2 को परीक्षा अवधि में सतत् गश्ती करते हुए विधि-व्यवस्था का संधारण करने का निर्देश दिया गया। अनुमंडल पदाधिकारी नवादा सदर द्वारा प्रत्येक परीक्षा केन्द्रों के 500 मीटर की परिधि में शांति-व्यवस्था बनाये रखने तथा विधि-व्यवस्था संधारण हेतु BNSS की धारा-163 के तहत निषेधाज्ञा लागू रहेगी साथ ही परीक्षा केन्द्रों वाले क्षेत्रों में स्थित फोटो स्टेट दुकान, साईबर कैफे एवं इंटरनेट सुविधा देने वाले केन्द्रों को परीक्षा की तिथि के दिन 08:00 बजे पूर्वा0 से 03:00 बजे अप0 तक बंद कराने का निर्देश दिया गया। परीक्षा के दिन विधि-व्यवस्था के सम्पूर्ण प्रभार में डॉ0 अनिल कुमार तिवारी, अपर समाहर्त्ता-सह-अपर जिला दंडाधिकारी, नवादा एवं श्री निशु मल्लिक पुलिस उपाधीक्षक (मु0), नवादा रहेंगे। आज की इस बैठक में अपर समाहर्त्ता नवादा, जिला लोक शिकायत निवारण पदाधिकारी, गोपनीय प्रभारी, अनुमंडल पदाधिकारी नवादा सदर, जिला शिक्षा पदाधिकारी, डीसीएलआर नवादा सदर/रजौली, डीएसपी नवादा सदर के साथ-साथ केन्द्राधीक्षक एवं पुलिस पदाधिकारी उपस्थित थे।

बिहार समेत देश-दुनिया की ताजा-तरीन खबरों को जानने के लिए लॉगऑन करें :
www.sonvarshavani.com

संक्षिप्त समाचार

नालंदा सांसद कौशलेंद्र कुमार ने घायलों की मदद की, जख्मी को पहुंचाया हॉस्पिटल

लोगों को दिया संदेश- तमाशबीन नहीं बनें

नालन्दा। नालंदा के सांसद कौशलेंद्र कुमार ने मानवता की एक मिसाल पेश की है। नूरसराय जा रहे सांसद ने सड़क पर दर्द से कराह रहे दो घायल युवकों को न केवल देखा, बल्कि अपनी गाड़ी में बैठाकर तुरंत बिहार शरीफ सदर अस्पताल पहुंचाया, जिससे समय रहते उनका उपचार शुरू हो सका। शनिवार को नालंदा सांसद कौशलेंद्र कुमार एक शादी समारोह में शामिल होने के लिए नूरसराय की ओर जा रहे थे। इसी दौरान ककड़िया मोड़ के पास उन्हें सड़क किनारे भारी भीड़ दिखाई दी। पास जाने पर पता चला कि दो युवक दुर्घटनाग्रस्त होकर गंभीर हालत में सड़क पर पड़े हैं। सांसद ने बताया कि वहां मौजूद लोग सिर्फ भीड़ लगाकर खड़े थे और 112 नंबर पर फोन करने की बात कह रहे थे। स्थिति की गंभीरता को देखते हुए सांसद ने तुरंत अपनी प्राथमिकता तय की और घायलों की जान बचाने के लिए उन्हें अपनी गाड़ी में लाद लिया। उन्होंने अपने अंगरक्षकों की मदद से घायलों को अस्पताल पहुंचाया और उनकी क्षतिग्रस्त बाइक को भी सुरक्षित किनारे पर लगवा दिया। दुर्घटना का शिकार हुए दोनों युवक दीपनगर थाना क्षेत्र के देवीसराय मोहल्ला निवासी आकाश कुमार और ज्योति कुमार बताए जा रहे हैं। आकाश अपने दोस्त ज्योति के साथ बाइक पर सवार होकर 17 नंबर मोड़ की ओर तगादा करने जा रहा था, तभी रास्ते में अनियंत्रित होकर उनकी बाइक दुर्घटनाग्रस्त हो गई। जख्मी फल का कारोबार करते हैं। घटना की सूचना मिलते ही नालंदा के सिविल सर्जन और अस्पताल प्रबंधक एवं अन्य अधिकारी भी तुरंत सक्रिय हो गए और इमरजेंसी वार्ड पहुंचे। फिलहाल, दोनों घायलों का सदर अस्पताल में इलाज चल रहा है। इस घटना के बाद सांसद कौशलेंद्र कुमार ने आम लोगों को एक महत्वपूर्ण संदेश दिया है। उन्होंने कहा कि दुर्घटना होने पर लोगों को तमाशबीन नहीं बनना चाहिए। घायलों की मदद करना हमारा पहला कर्तव्य है। मरीज की हालत चाहे जैसी भी हो, बिना देर किए उन्हें अस्पताल पहुंचाना चाहिए ताकि समय रहते उनकी जान बचाई जा सके। सांसद के इस मानवीय कार्य की चर्चा पूरे इलाके में है और लोग उनके इस जज्बे की सराहना कर रहे हैं।

8 माह का बच्चा गायब, चाची बोली- मां के साथ सोया था, नींद खुली तो बेड पर नहीं था, अपहरण का केस दर्ज

नालंदा। नालंदा में गुरुवार रात से 8 माह का बच्चा गायब है। रात में अचानक जब परिजन की नींद खुली तो, बेड पर बच्चा नहीं था। जिसके बाद घर में कोहराम मच गया। मासूम की पहचान महेश मांझी के बेटे जनस्वराज के रूप में हुई है। जो अपने चार भाई-बहनों में सबसे छोटा है। घटना छबीलापुर थाना क्षेत्र के कंचनपुर गांव की है। बच्चे की चाची मंती देवी ने बताया कि पूरा परिवार खाना-पीना खाकर रात में घर के बाहर बरामदे में सोया हुआ था। करीब 12 बजे तक बच्चा सुरक्षित अपने माता-पिता के पास था, लेकिन जब 1 बजे के आसपास नींद खुली तो बच्चा अपनी जगह से गायब था। रात भर टॉर्च और लाठियों के साथ पूरे गांव में सघन खोजबीन की गई, लेकिन मासूम का कोई सुराग नहीं मिला। सुबह होते ही बारिश शुरू हो गई, बावजूद इसके परिजन और ग्रामीण तलाश करते रहे। परिजन खुद भी अपने स्तर से कोकोलाबाद, कतारी, बथानी समेत आसपास के इलाकों में बच्चे की तलाश कर रहे हैं। मामले की गंभीरता को देखते हुए छबीलापुर थाने में अपहरण की प्राथमिकी दर्ज कर ली गई है। इस घटना से ग्रामीणों में भी दहशत का माहौल है। पुलिस से जल्द से जल्द बच्चे की बरामदगी की गुहार लगाई है। थानाध्यक्ष अरुण कुमार ने बताया कि मामले का खुलासा करने के लिए पुलिस हर संभव प्रयास कर रही है। टीम ने घटनास्थल का जायजा लेने के बाद डॉग स्क्वॉड और फॉरेंसिक (एफएसएल) टीम की मदद ली है, ताकि अपराधियों तक पहुंचा जा सके। साथ ही आसपास के सीसीटीवी फुटेज को भी बारीकी से खंगाला जा रहा है। रही है। फिलहाल, पुलिस की टीमें संदिग्धों की पहचान करने और बच्चे की सकुशल बरामदगी के लिए हर स्तर पर जांच में जुटी हुई हैं।

नालंदा प्रशासन फायर सेफ्टी को लेकर सख्त, कोचिंग-लाइब्रेरी संचालकों पर गिरेगी गाज

नालंदा। नालंदा के शैक्षणिक संस्थानों में छात्रों की सुरक्षा को ताक पर रखकर चलाए जा रहे कोचिंग और लाइब्रेरी संचालकों की अब खैर नहीं है। अग्निशमन विभाग ने इन संस्थानों के खिलाफ कड़ा रुख अपनाते हुए फायर ऑडिट (अग्नि अंकेक्षण) का विशेष अभियान शुरू कर दिया है। लखनऊ की हालिया घटना से सबक लेते हुए विभाग ने स्पष्ट कर दिया है कि सुरक्षा मानकों के साथ किसी भी प्रकार का समझौता बर्दाश्त नहीं किया जाएगा और नियम की अनदेखी करने वाले संस्थानों को सील कर दिया जाएगा। बिहारशरीफ के अनुमंडल अग्निशमन पदाधिकारी कृष्ण मुरारी प्रसाद ने बताया कि जिले में चल रहे सभी कोचिंग और लाइब्रेरी के लिए फायर एनओसी (NOC) लेना अनिवार्य कर दिया गया है। विभाग ने इसके लिए विशेष टीमों का गठन किया है, जो जमीनी स्तर पर संस्थानों की जांच कर रही हैं। निरीक्षण के दौरान सुरक्षा में कमी पाए जाने पर संचालकों को नोटिस थमाया जा रहा है। उन्हें चेतावनी दी गई है कि यदि निर्धारित समय-सीमा के भीतर फायर सेफ्टी के पुख्ता इंतजाम नहीं किए गए, तो संबंधित संस्थान को प्रशासनिक कार्रवाई का सामना करना पड़ेगा और उसे सील कर दिया जाएगा। जांच अभियान के दौरान विभाग की ओर से शैक्षणिक संस्थानों की बारीकी से पड़ताल की जा रही है। ऑडिट में भवन की ऊंचाई, कमरों की संख्या, सीढ़ियों की चौड़ाई, प्रवेश और निकासी के रास्तों की स्थिति, पार्किंग की व्यवस्था, एयर कंडीशनिंग सिस्टम की सुरक्षा और आपात स्थिति में भवन खाली करने के प्रोटोकॉल जैसे अहम आंकड़े जुटाए जा रहे हैं। इसके साथ ही, संस्थानों में हर फ्लोर पर फायर अलार्म और स्मोक डिटेक्टर लगाने के निर्देश दिए गए हैं। विभाग की टीम जांच के साथ-साथ संचालकों और वहां कार्यरत कर्मियों को आग लगने की स्थिति में बचाव और सुरक्षित निकासी के तरीकों का प्रशिक्षण भी दे रही है। जिले में ढाई हजार से अधिक कोचिंग और लाइब्रेरी संचालित हो रही हैं, जिनसे संचालक मोटी कमाई तो कर रहे हैं, लेकिन सुरक्षा के नाम पर स्थिति बेहद चिंताजनक है। विडंबना यह है कि इन संस्थानों में से एक के पास भी फायर एनओसी उपलब्ध नहीं है। चाहे जिला मुख्यालय बिहारशरीफ हो या प्रखंडों के सुदूर इलाके, अधिकांश संस्थानों में आपदा के समय बचाव के इंतजाम नगण्य हैं। विभाग की इस सख्ती के बाद अब देखना यह है कि क्या संचालक समय रहते सुरक्षा मानकों को अपनाते हैं या फिर विभाग की कार्रवाई की चपेट में आते हैं।

फर्जी दस्तावेजों से 3.80 करोड़ के वाहन ऋण घोटाले का खुलासा कोटक महिंद्रा बैंक के दो अधिकारियों समेत 28 पर एफआईआर

इंटरनल ऑडिट में सामने आई अनियमितता, इंजन-चेसिस नंबर से लेकर स्वामित्व संबंधी दस्तावेजों में मिली भारी गड़बड़ी

सोन वर्षा वाणी | संवाददाता

गया। गया शहर स्थित जीबी रोड के जिला स्कूल पूर्वी गेट के समीप संचालित कोटक महिंद्रा बैंक शाखा में फर्जी दस्तावेजों के आधार पर करोड़ों रुपये के वाहन ऋण स्वीकृत किए जाने का बड़ा मामला सामने आया है। बैंक के इंटरनल ऑडिट में हुए खुलासे के बाद करीब 3 करोड़ 80 लाख रुपये की वित्तीय अनियमितता का मामला प्रकाश में आया है। इस संबंध में बैंक के सहायक प्रबंधक कुमार दीपेश की शिकायत पर सिविल लाइंस थाना में बैंक के दो अधिकारियों सहित कुल 28 लोगों के विरुद्ध नामजद प्राथमिकी दर्ज की गई है। सहायक प्रबंधक ने अपनी शिकायत में आरोप लगाया है कि यह कोई साधारण लापरवाही नहीं, बल्कि सुनियोजित तरीके से बैंक को आर्थिक नुकसान पहुंचाने की साजिश थी। आरोपियों ने वाहन ऋण प्राप्त करने के लिए गाड़ियों से संबंधित फर्जी, संपादित एवं मनगढ़ंत दस्तावेज प्रस्तुत किए, जिनके आधार पर करोड़ों रुपये के ऋण स्वीकृत कर दिए गए।

इंटरनल ऑडिट में खुली परतें: मामले का खुलासा उस समय हुआ जब बैंक की केंद्रीय ऑडिट टीम ने कुछ संदिग्ध ऋण खातों की जांच शुरू की। जांच के दौरान ऋण फाइलों में दर्ज वाहन के इंजन नंबर, चेसिस नंबर, स्वामित्व संबंधी विवरण और फाइनेंसर से जुड़े दस्तावेजों में गंभीर विसंगतियां पाई गईं। कई मामलों में जिन वाहनों के नाम पर ऋण जारी किया गया था, उनका वास्तविक रिकॉर्ड उपलब्ध नहीं मिला।

दो बैंक अधिकारी भी जांच के घेरे में: पुलिस ने बैंक के आरएएसए सेल्स डिवीजन के रिलेशनशिप मैनेजर वारिस आजम और टीम सेल्स मैनेजर रोहित राज को भी इस मामले में मुख्य आरोपियों के रूप में नामजद किया है। शिकायत के अनुसार ऋण स्वीकृति एवं दस्तावेजों के सत्यापन की प्रक्रिया में इन दोनों अधिकारियों की भूमिका संदिग्ध रही है। जांच एजेंसियां यह पता लगाने में जुटी हैं कि क्या इन अधिकारियों ने कथित रूप से कमीशन के लालच में बैंक के नियमों की अनदेखी करते हुए ऋण स्वीकृत किए या वे पूरे फर्जीवाड़े के संचालन में प्रत्यक्ष रूप से शामिल थे।

28 लोगों के खिलाफ दर्ज हुई प्राथमिकी: पुलिस ने बैंक के दोनों अधिकारियों के अलावा गया, आसपास के क्षेत्रों तथा पटना के कुल 26 अन्य लोगों के विरुद्ध भी प्राथमिकी दर्ज की है। इनमें डेल्हा-परैया रोड निवासी रजनीकांत, गंगेश्वर पासवान, विजय कुमार यादव, एयरपोर्ट रोड निवासी ईशादुल हक, न्यू करीमगंज निवासी एमडी अरशद तथा जहादा खातून सहित कई लोगों के नाम शामिल हैं।

बैंक खातों और लेन-देन की होगी गहन जांच: सिविल लाइंस थाना पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच तेज कर दी है। पुलिस परिवहन विभाग के सहयोग से ऋण पर लिए गए वाहनों के इंजन और चेसिस नंबरों का सत्यापन कर रही है। साथ ही सभी नामजद आरोपियों के बैंक खातों, वित्तीय लेन-देन और धन के प्रवाह की भी विस्तृत जांच की जाएगी, ताकि पूरे नेटवर्क का खुलासा हो सके। सिटी एसपी अभिनव ने बताया कि मामला अभी जांच के प्रारंभिक चरण में है। उन्होंने कहा कि प्राथमिकी दर्ज कर ली गई है, लेकिन इसके कई पहलुओं की गहन जांच की जा रही है। सभी तथ्यों और साक्ष्यों की पड़ताल के बाद ही आगे की कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

निकला मोहर्रम का जुलूस, हजारों की तादाद में लोग शामिल हुए, जंजीरों के साथ मनाया मातम

सोन वर्षा वाणी | संवाददाता

गयाजी। गयाजी में मोहर्रम के मौके पर शिया समुदाय की ओर से से बेहद रिवायती अंदाज़ में जंजीरी मातम का जुलूस निकाला गया। अकीदत से सराबोर यह जुलूस शहर के रंगबहादुर रोड पर स्थित शिया मस्जिद में हुआ। इस मातमी जुलूस में हजारों की तादाद में अकीदतमंद शामिल हुए। सभी कर्बला के शहीदों की याद में गमगीन नजर आ रहे थे। मातमी जुलूस रंगबहादुर रोड से शुरू होकर चंद्रशेखर जनता कॉलेज, गंगा महल, तुतबाड़ी, ताज कॉलोनी और पंचायती अखाड़ा जैसे रफ्ता-रफ्ता रास्तों से गुजरता हुआ कर्बला पहुंचा।

लोगों ने हाथों में लिए थे जंजीरें: लोग अपने हाथों में लोहे की जंजीरें थामे हुए थे और या हुसैन की सदाओं के बीच अपनी पीठ और सीने पर जंजीरों से मातम कर रहे थे।

इस शदीद मातम और प्रहार से कई अकीदतमंद लहूलुहान भी हुए। इस पाक मौके पर शहर में सांप्रदायिक सौहार्द और इंसानियत की उम्दा मिसाल देखने को मिली। जुलूस के मुकर्रर रास्तों पर जगह-जगह सोगवारों और राहगीरों के लिए पानी, शर्बत और गुलाब जल के स्टॉल लगाए गए थे।

पीस कमेटी' के सचिव इकबाल हुसैन ने इस मौके पर मुसाफिरों और अकीदतमंदों के बीच बंद डिब्बों में शीतल पेय पदार्थ और रिवायती शर्बत वितरित किए। इकबाल हुसैन ने इस मौके पर पैगाम देते हुए कहा कि इमाम हुसैन का रास्ता इंसानियत, हक और इंसाफ का रास्ता है।और आज के दिन हम सब मिलकर आपसी भाईचारे को मजबूत करने का संकल्प लेते हैं। इस मौके पर राष्ट्रीय जनता दल के नेता व बेलागंज विधानसभा के प्रत्याशी रहे डॉ विश्वनाथ सिंह जायरीनों के साथ कदम से कदम मिलाकर चलते हुए नजर आए। उन्होंने कहा कि यह पर्व बताता है कि सत्य के लिए कोई भी कुर्बानी कम है। यह पर्व सत्य के मार्ग पर चलते हुए दूसरों के हित मे काम करना सिखाता है।

इसके अलावा सदादत हसन उर्फ प्रिंस ने भी अपने सहयोगियों के साथ मिलकर राहगीरों को ठंडा पानी और शीतल पेय पिलाकर मानव सेवा किया। जुलूस को शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न कराने के लिए इंतजामिया और पुलिस महकमे की तरफ से हिफाजत के बेहद कड़े बंदोबस्त किए ग। शरारती तत्वों पर पैनी नजर रखने के लिए पुलिस ने ड्रोन कैमरों, सीसीटीवी और वीडियोग्राफर्स की बड़े पैमाने पर मदद ली है। शहर की ट्रैफिक व्यवस्था में भी फेरबदल किया गया है।

नालंदा के बिंद में मेगा विधिक जागरूकता शिविर

सोन वर्षा वाणी | संवाददाता

नालन्दा। नालंदा जिले के बिंद प्रखंड स्थित उच्चतर माध्यमिक विद्यालय परिसर में शनिवार को मेगा विधिक जागरूकता शिविर का आयोजन किया गया। इसका मुख्य उद्देश्य राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण (नालंदा) बिहार राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण और राज्य सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी आम लोगों तक पहुंचाना और मुफ्त कानूनी सहायता मुहैया कराना था। शिविर में प्री-लिटिगेशन एवं न्यायालय में लंबित 11 वादों का मौके पर ही सुलह के आधार पर निपटारा किया गया।

अलग-अलग विभागों के लगे स्टॉल: जिला विधिक सेवा प्राधिकार के सचिव सह जज राजेश कुमार गौरव ने बताया कि शिविर में स्वास्थ्य, श्रम, शिक्षा, परिवहन, दिव्यांगजन सशक्तिकरण और सामाजिक कल्याण सहित अन्य विभागों की ओर से विशेष स्टॉल लगाए गए। प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश के हाथों विभिन्न योजनाओं के लाभार्थियों के बीच चेक का वितरण किया गया।

आधिकारिक आंकड़ों के अनुसार, मौके पर श्रम विभाग की ओर से 6, परिवहन विभाग से 3, बिजली विभाग 4 और नगर विकास (UADD) से 5 लाभुकों को लाभान्वित किया गया। साथ ही 6 आयुष्मान कार्ड और आधार कार्ड का भी वितरण किया गया।

जीविका दीदियों और शिक्षा विभाग की प्रदर्शनी: शिविर में जीविका दीदियों ने स्टॉल लगाकर अपने उत्पादों और हुनर का प्रदर्शन किया। वहीं, शिक्षा विभाग के स्टॉल पर नए अनुसंधानों व शैक्षणिक आयामों से जुड़ी प्रदर्शनी भी लगाई गई। इसके जरिए लोगों को सरकार की नई पहलों के प्रति जागरूक किया गया।

नालंदा एसपी भी रहे मौजूद: मेगा शिविर में पटना हाईकोर्ट के न्यायाधीश, प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश(अध्यक्ष, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण), एडीजी (ऑपरेशंस) कुंदन कृष्णन, परिवार न्यायालय के प्रधान न्यायाधीश, जिला एवं अपर सत्र न्यायाधीश दशम प्रवीण कुमार, अवर मुख्य न्यायिक दंडाधिकारी प्रथम योगेन्द्र कुमार शुक्ल, सीजेएम प्रमोद कुमार शर्मा, जिला विधिक सेवा प्राधिकार के सचिव राजेश कुमार गौरव, नालंदा एसपी कुंदन कुमार और अस्थावां विधायक डॉ. जितेंद्र कुमार शामिल हुए।

इसके अलावा उप विकास आयुक्त (डीडीसी), सिविल सर्जन, जिला परिवहन पदाधिकारी (डीटीओ), अंचलाधिकारी, प्रखंड कल्याण पदाधिकारी, श्रम पदाधिकारी, थानाध्यक्ष और स्थानीय मुखिया उमेश रावत समेत कई विभागों के अधिकारी मौजूद रहे।

विश्व बैंक टीम ने बोधगया विकास परियोजनाओं का किया निरीक्षण

सोन वर्षा वाणी | संवाददाता

गयाजी। विश्व बैंक की एक उच्चस्तरीय प्रतिनिधिमंडल ने बिहार अर्बन ट्रांसफॉर्मेशन प्रोग्राम (BUTP) के तहत गयाजी और बोधगया में अलग-अलग शहरी विकास और आधारभूत संरचना परियोजनाओं का स्थलीय निरीक्षण किया। इस दौरान 5,000 करोड़ रुपये के निवेश प्रस्ताव पर भी विचार-विमर्श किया गया। प्रतिनिधिमंडल का स्वागत नगर आयुक्त-सह-अपर समाहर्ता आदित्य कुमार पीयूष ने किया। एक प्रस्तुतीकरण सत्र में प्रतिनिधिमंडल को शहर में चल रही शहरी विकास योजनाओं की स्थिति की जानकारी दी गई। इसमें शहर के सौंदर्यीकरण, स्वच्छता प्रबंधन, भूमिगत जल निकासी, सीवरेज नेटवर्क विस्तार, नागरिक सुविधाओं के सुदृढ़ीकरण और प्रमुख बाजार क्षेत्रों को पैदल यात्री अनुकूल बनाने की योजनाओं की विस्तृत जानकारी दी गई।

इंदिरा गांधी इंडोर स्टेडियम का भी निरीक्षण किया: टीम ने इंदिरा गांधी इंडोर स्टेडियम का भी निरीक्षण किया, जहां इसे आधुनिक खेल परिसर के रूप में विकसित करने की संभावनाओं पर चर्चा हुई। इसके बाद, नव-निर्मित विरासत स्तंभ और मिर्जा गालिब गोलंबर के पास प्रस्तावित वेंडिंग ज़ोन परियोजना को भी देखा गया, जिसकी निविदा प्रक्रिया पूरी हो चुकी है।

इसके बाद, प्रतिनिधिमंडल ने विष्णुपद मंदिर परिसर का भ्रमण किया और विष्णुपद कॉरिडोर विकास परियोजना की प्रगति की समीक्षा की। टीम ने मंदिर परिसर और उससे जुड़े घाट क्षेत्रों का स्थलीय निरीक्षण किया। इस दौरान क्षेत्र में संरचनाओं के संभावित पुनर्स्थापन, नागरिक सुविधाओं के पुनर्निर्माण, पहुंच मार्गों के उन्नयन, बहुस्तरीय वाहन पार्किंग के निर्माण और भगवान विष्णु की भव्य प्रतिमा स्थापना जैसे विभिन्न पहलुओं पर विस्तृत चर्चा की।

रिवरफ्रंट डेवलपमेंट मार्ग से होते हुए प्रतिनिधिमंडल बोधगया पहुंचा। बोधगया में टीम ने स्थानीय बाजारों और आवासीय क्षेत्रों का भ्रमण कर स्थानीय अर्थव्यवस्था, आजीविका गतिविधियों और नगरीय स्वरूप को देखा। अंत में, प्रतिनिधिमंडल ने गया और बोधगया के बीच प्रस्तावित 'मगध सैटेलाइट टाउनशिप' परियोजना स्थल का भी निरीक्षण किया। इस दौरान परियोजना की अवस्थिति, भूमि उपलब्धता, संपर्कता और भावी विकास की संभावनाओं का मूल्यांकन किया गया।

रोजगार के क्षेत्र में होगा फायदा: अवगत कराया गया कि प्रस्तावित टाउनशिप अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे से लगभग 3.5 किलोमीटर की दूरी पर है और इसे एयरोसिटी (Aerocity) मॉडल के अनुरूप विकसित करने का प्रस्ताव है, जिससे क्षेत्रीय आर्थिक गतिविधियों को बढ़ावा मिलने के साथ-साथ रोजगार सृजन और समग्र विकास को नई गति प्राप्त होगी। विश्व बैंक की ओर से बिहार अर्बन ट्रांसफॉर्मेशन प्रोग्राम के अंतर्गत राज्य में आने वाले 5 साल के दौरान शहरी और आधारभूत संरचना विकास के लिए लगभग 5,000 करोड़ के निवेश का प्रस्ताव है। कार्यक्रम के प्रथम चरण में पटना, गया और मुजफ्फरपुर को सम्मिलित करते हुए राज्य के प्रथम अर्बन एक्सियल नोड (Urban Axial Node) के विकास पर विशेष बल दिया जा रहा है। आर्थिक विकास की संभावनाओं पर हुई बात भ्रमण के दौरान प्रतिनिधिमंडल और राज्य/स्थानीय प्रशासन के अधिकारियों के बीच अलग-अलग शहरी अवसंरचना परियोजनाओं, दीर्घकालिक नगरीय नियोजन, आर्थिक विकास की संभावनाओं और शहरों के भावी विस्तार संबंधी विषयों पर व्यापक विचार-विमर्श किया गया।

बिहारशरीफ सदर अस्पताल में डॉक्टर गायब मिले, मुहर्रम के दिन 48 में से 21 डॉक्टर नदारद, डीएम नाराज, कहा- कार्रवाई होगी

सोन वर्षा वाणी | संवाददाता

नालन्दा। नालंदा के सदर अस्पताल, बिहारशरीफ में मुहर्रम के अवसर पर जिलाधिकारी उदिता सिंह के सख्त निर्देशों को ताक पर रखते हुए बड़ी संख्या में डॉक्टर और पारा-मेडिकल कर्मी ड्यूटी से नदारद पाए गए। औचक निरीक्षण के दौरान अस्पताल में फैली अव्यवस्था और लापरवाही ने सरकारी स्वास्थ्य सेवाओं की पोल खोल दी है।

निरीक्षण में खुली लापरवाही की पोल: अपर समाहर्त्ता राजीव रंजन कुमार सिन्हा और उप विकास आयुक्त रंजन कुमार चौधरी ने संयुक्त रूप से 26 जून की रात अस्पताल का औचक निरीक्षण किया। उपस्थिति पंजी के चौंकाने वाले आंकड़ों के अनुसार, उस दिन अस्पताल में कुल 48 डॉक्टर पदस्थापित थे, जिनमें से 21 चिकित्सक बिना किसी सूचना के ड्यूटी से गायब थे। इतना ही नहीं, ऑपरेशन थिएटर (OT) में ड्यूटी पर तैनात डॉक्टर भी गायब मिले।

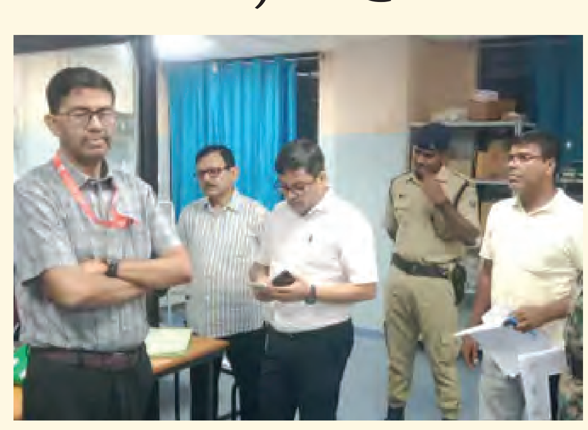

घायल को नहीं मिला सर्जन, करना पड़ा रेफर: निरीक्षण के दौरान सबसे गंभीर मामला तब सामने आया जब पता चला कि गोली से घायल एक मरीज, त्रिभुवन पंडित को इलाज के लिए सदर अस्पताल लाया गया था। अस्पताल में सर्जन मौजूद नहीं थे, जिसके कारण उसे तुरंत रेफर कर दिया गया। अस्पताल के रिकॉर्ड में भी इस मरीज की एंट्री नहीं की गई थी, जो बड़ी प्रशासनिक लापरवाही को दर्शाता है।

रोस्टर में भी खेल, प्रबंधन पर उठे सवाल: निरीक्षण में रोस्टर प्रबंधन की बड़ी गड़बड़ियां सामने आईं। अस्पताल के मैनेजर द्वारा उपलब्ध कराए गए रोस्टर और उपस्थिति पंजी में कोई तालमेल नहीं था। अस्पताल में दो अलग-अलग रोस्टर होने की बात सामने आई, जो संदेहास्पद है। मुहर्रम के दौरान उपाधीक्षक के निर्देशानुसार सभी कर्मियों को 'रेडी मोड' में रहने का आदेश था, लेकिन डॉक्टरों ने इसे पूरी तरह नजरअंदाज किया।

मरीजों का दर्द- खाना नदारद, सफाई का बुरा हाल: अस्पताल के जनरल और प्रसूति वार्ड में भर्ती मरीजों ने खाने की कमी की शिकायत की। प्रसूति वार्ड में एक मरीज ने बताया कि डिस्चार्ज मिलने के बाद भी दवा नहीं मिलने से वह रुकने को मजबूर है। वहीं, ANC वार्ड की एक मरीज को उल्टी की समस्या थी, लेकिन उसके लिए कोई उचित साधन उपलब्ध नहीं थे। अस्पताल के बेड गंदे पाए गए और एम्बुलेंस परिचालन का कोई व्यवस्थित रिकॉर्ड (पंजी) संधारित नहीं पाया गया।

जिलाधिकारी सख्त- कार्रवाई के संकेत: इस मामले को लेकर जिलाधिकारी ने नाराजगी जाहिर की है। उन्होंने सिविल सर्जन और अस्पताल प्रबंधक को कड़ी फटकार लगाते हुए प्रतिदिन अस्पताल का अनुश्रवण करने का निर्देश दिया है। जिला प्रशासन ने साफ संकेत दिए हैं कि अनुपस्थित पाए गए डॉक्टरों और लापरवाह कर्मियों के खिलाफ सख्त अनुशासनिक कार्रवाई की जाएगी। साथ ही, अस्पताल में साफ-सफाई और सांप काटने के इलाज के लिए दवाओं की उपलब्धता सुनिश्चित करने का निर्देश दिया गया है।

संक्षिप्त समाचार

कटिहारः जिला स्तरीय सतर्कता एवं अनुश्रवण समिति की बैठक आयोजित

कटिहार। समाहरणालय के सभागार में डीएम आशुतोष द्विवेदी की अध्यक्षता में अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति (अत्याचार निवारण) अधिनियम, 1989 के तहत जिला स्तरीय सतर्कता एवं अनुश्रवण समिति की बैठक आयोजित की गई। जिले को एससी-एसटी अत्याचार निवारण अधिनियम के तहत कुल 62 लाख रुपये मुआवजा राशि प्राप्त हुई थी। जिसमें से 61 लाख 61 हजार 134 रुपये पीड़ितों को भुगतान किए जा चुके हैं। जबकि 38 हजार 866 रुपये शेष हैं। 2026 में अब तक कुल 68 मामले दर्ज हुए हैं। इनमें 27 मामलों में मुआवजा भुगतान किया जा चुका है तथा 25 मामलों में भुगतान की प्रक्रिया जारी है। अधिकारियों ने बताया कि एक मामले में वादी एवं अभियुक्त दोनों के अनुसूचित जाति से संबंधित होने के कारण विभागीय स्वीकृति की प्रक्रिया चल रही है, जबकि 15 मामले स्वीकृति हेतु प्रक्रियाधीन हैं। हत्या से जुड़े मामलों में 21 आश्रितों को अप्रैल 2026 तक पेंशन राशि का भुगतान किया गया है। बैठक में अधिनियम के तहत न्यायालय में आरोप पत्र समर्पण हेतु कुल 129 मामले लंबित हैं। आरोप गठन के बाद दो आश्रितों को नियुक्ति दी जा चुकी है तथा एक मामले में नियुक्ति प्रक्रिया जारी है। जिला पदाधिकारी ने संबंधित अधिकारियों को लंबित मामलों में तेजी लाने, समय पर आरोप पत्र उपलब्ध कराने तथा गवाहों को यात्रा भत्ता उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। डीएम आशुतोष द्विवेदी की अध्यक्षता में मैनुअल स्कैवेंजर्स रोजगार निषेध एवं पुनर्वास अधिनियम, 2013 के तहत जिला स्तरीय सतर्कता एवं सर्वेक्षण समिति की बैठक भी आयोजित की गई। बैठक में नगर परिषद एवं नगर पंचायतों द्वारा सफाई कार्य आउटसोर्सिंग एजेंसियों के माध्यम से कराए जाने की जानकारी दी गई।

आज मद्यनिषेध एवं नशामुक्ति को लेकर व्यापक जनजागरूकता अभियान चलाया जाएगाः डीएम

कटिहार। राज्य सरकार के निर्देशों के अनुपालन में जिले के सभी पंचायतों में आयोजित होने वाले पंचायत विकास दिवस एवं सहयोग शिविर के दौरान मद्यनिषेध एवं नशामुक्ति को लेकर व्यापक जनजागरूकता अभियान चलाया जाएगा। यह अभियान प्रत्येक माह के अंतिम रविवार को आयोजित पंचायत विकास दिवस तथा प्रथम एवं तृतीय मंगलवार को आयोजित सहयोग शिविर में संचालित होगा। ग्राम पंचायत ग्रामीणों के सामाजिक, आर्थिक एवं सांस्कृतिक विकास का सशक्त मंच है। इसी मंच के माध्यम से आम नागरिकों को शराब एवं अन्य नशों के दुष्परिणामों से अवगत कराया जाएगा। पंचायत स्तर पर विभिन्न विभागों के समन्वय से विशेष जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। डीएम आशुतोष द्विवेदी के निर्देशानुसार अभियान के तहत प्रभात फेरी,जीविका एवं आंगनबाड़ी केंद्रों के माध्यम से जनसहभागिता, अनुसूचित जाति एवं जनजाति बस्तियों में विशेष जागरूकता अभियान, नुक्कड़ नाटक, सांस्कृतिक कार्यक्रम, वाद-विवाद प्रतियोगिता, चित्रकला प्रतियोगिता तथा भित्ति चित्र एवं स्लोगन निर्माण जैसे कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। जिला पदाधिकारी ने अधीक्षक मद्यनिषेध को प्रभात फेरी के आयोजन हेतु समन्वय स्थापित करने का निर्देश दिया गया है। जिला परियोजना प्रबंधक, जीविका को सामुदायिक समन्वयकों के माध्यम से ग्रामीणों को शिविरों में भाग लेने तथा नशे के कुप्रभावों पर चर्चा के लिए प्रेरित करने को कहा गया है। आईसीडीएस के जिला प्रोग्राम पदाधिकारी को आंगनबाड़ी केंद्रों के माध्यम से शराब, तंबाकू एवं गुटखा के दुष्प्रभावों पर चित्रकला प्रदर्शनी एवं प्रचार-प्रसार सुनिश्चित करने का निर्देश दिया गया है। जिला कल्याण पदाधिकारी अनुसूचित जाति एवं जनजाति टोलों में विशेष जागरूकता अभियान चलाएंगे। इसके अलावा जिला कला एवं संस्कृति पदाधिकारी सभी पंचायतों में नुक्कड़ नाटक एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित करेंगे। जिला शिक्षा पदाधिकारी एवं जीविका के सहयोग से वाद-विवाद प्रतियोगिताएं तथा संगीत शिक्षकों द्वारा मद्यनिषेध विषयक गीत प्रस्तुत किए जाएंगे। टोला सेवकों के माध्यम से सार्वजनिक स्थलों पर चित्र एवं स्लोगन भी बनाए जाएंगे। जिला प्रशासन ने सभी संबंधित विभागों को आपसी समन्वय के साथ अधिक-से-अधिक ग्रामीणों की भागीदारी सुनिश्चित करते हुए नशामुक्ति का संदेश जन-जन तक पहुंचाने का निर्देश दिया है।

प्राथमिक विद्यालय दीधा पार के बच्चें पेड़ के नीचे जमीन पर बैठकर पढ़ने को है विवश

कटिहार। प्राणपुर प्रखंड अंतर्गत केहूंनियां पंचायत के दीघा पार संथाली टोला में सरकारी विद्यालय भवन विहीन रहने के कारण छात्र-छात्राओं को पठन-पाठन में काफी कठिनाई का सामना करना पड़ रहा है। आज भी इस विद्यालय के छात्र-छात्राएं पेड़ के नीचे जमीन पर बैठकर हर मौसम में पठन-पाठन करने को विवश हैं। इस विद्यालय में अब तक आधारभूत संरचना की घोर कमी है। विद्यालय के प्रधानाध्यापक अनुरुद्ध कुमार राय एवं शिक्षिका रीता कुमारी ने बताया कि बिहार सरकार के द्वारा 2007 से प्राथमिक विद्यालय दीघा पार का अधिसूचना जारी किया है।अधिसूचना जारी होने के पश्चात विद्यालय संचालन के लिए शिक्षकों की नियुक्ति भी किया गया है। लेकिन दुर्भाग्य की बात यह है कि आज तक विद्यालय को अपना भवन नसीब नहीं हुआ है।प्रधानाध्यापक अनुरुद्ध कुमार राय एवं शिक्षिका रीता कुमारी ने बताया कि 2007 से 2015 तक गांव के एक चबूतरे पर विद्यालय का संचालन किया गया। 2016 से गांव के पटवारी मुर्मू के दरवाजे पर बांस के झाड़ी के नीचे आज तक विद्यालय का संचालन हो रहा है। जो हर मौसम में छात्र-छात्राओं को भीषण कठिनाई का सामना करना पड़ रहा है। स्वर्गीय पटवारी मुर्मू की पत्नी जज्जी मुर्मू ने दरवाजे पर विद्यालय संचालन करने का सहमति से आज तक विद्यालय का संचालन हो रहा है।जज्जी मुर्मू के रसोई घर में बच्चे का मध्यान भोजन पकता है। जज्जी मुर्मू के ही चापाकल का पानी का उपयोग बच्चे करते हैं।जज्जी मुर्मू के शौचालय का उपयोग बच्चे एवं शिक्षक- शिक्षिकाएं करते हैं। विद्यालय के नाम पर मात्र चार-पांच कुर्सी तथा एक बेंच के सहारे बांस के झाड़ी के नीचे विद्यालय का संचालन 2016 से अब तक किया जा रहा है। इस विद्यालय में शिक्षक भानु प्रताप सिंह, लीलावती कुमारी, नीतू कुमारी, राधिका कुमारी नियुक्त है। प्रधानाध्यापक अनुरुद्ध कुमार राय एवं शिक्षिका रीता कुमारी ने बताया कि विद्यालय में 106 छात्राओं का नामांकन है। विद्यालय के सभी छात्र-छात्राओं को नियमित रूप से प्रधानमंत्री पोषण योजना के तहत भोजन कराया जाता है। लेकिन सबसे बड़ी दुर्भाग्य की बात यह है कि इस विद्यालय को अपना भवन अब तक नसीब नहीं हो पाया है। पिछले दिनों इस विद्यालय का हाल-चाल जानने के लिए राज्य अनुसूचित जनजाति आयोग के सदस्य तल्लु वासकी की पहुंचे थे। आयोग के सदस्य तल्लू बासकी ने विद्यालय का निरीक्षण किया। आयोग के सदस्य श्री बासकी ने निरीक्षण के क्रम में पाया कि दीघा पार गांव स्थित सरकारी विद्यालय गांव के में एक पेड़ के नीचे कई वर्षों से संचालित हो रहा है। आज तक इस विद्यालय को भवन नसीब नहीं हुआ है। इन्होंने आश्चर्य प्रकट करते हुए कहा की आजादी के बाद आज तक इस गांव में जहां अनुसूचित जनजाति बाहुल्य क्षेत्र रहने के बावजूद भी शिक्षा विभाग के द्वारा आज तक विद्यालय को विद्यालय का रूप नहीं दे सका। इस बात को लेकर काफी अचंभित हुए। आयोग के सदस्य तल्लू बासकी ने एक भेंट में बताया कि इस मामले का संज्ञान लेते हुए जिला शिक्षा पदाधिकारी से विद्यालय में अब तक भवन नहीं बने के कारण की जानकारी के लिए तलब किया गया है कि आखिर किस परिस्थिति में विद्यालय में अब तक आधारभूत संरचना की व्यवस्था नहीं की गई है।

डीएम की अध्यक्षता में विधि-व्यवस्था संधारण हेतु मरकजी मोहर्रम कमिटी, अनुज्ञप्तिधारी एवं नगर पूजा समिति के साथ बैठक

♦ बैठक में रोहतास पुलिस अधीक्षक रौशन कुमार सहित वरीय पदाधिकारी भी रहे उपस्थित

सोन वर्षा वाणी | संवाददाता

सासाराम (रोहतास)। जिला पदाधिकारी, रोहतास दीपक कुमार मिश्रा की अध्यक्षता में मोहर्रम पर्व-2026 के अवसर पर दिनांक 27.06.2026 को विधि-व्यवस्था संधारण हेतु मरकजी मोहरर्म कमिटी, अनुज्ञप्तिधारी (ताजिया अखाड़ा) एवं नगर पूजा समिति के साथ एक आवश्यक बैठक की गयी। बैठक में पुलिस अधीक्षक, रोहतास रौशन कुमार सहित वरीय पदाधिकारी भी उपस्थित रहे। बैठक की शुरुआत पुलिस अधीक्षक रौशन कुमार द्वारा सभी मरकजी मोहर्रम कमिटी, अनुज्ञप्तिधारी (ताजिया अखाड़ा) के खलीफाओं एवं नगर पूजा समिति के सदस्यों का स्वागत करते हुए की गई। उन्होंने उन सभी अनुज्ञप्तिधारी खलीफाओं की सराहना की, जिन्होंने प्रशासन द्वारा निर्धारित समय एवं अनुज्ञप्ति की शर्तों का पालन करते हुए समय पर ताजिया का पहलाम किया। वहीं जिन अनुज्ञप्तिधारियों द्वारा निर्धारित समय-सीमा एवं शर्तों का पूर्ण अनुपालन नहीं किया गया, उनके संबंध में विस्तार से समीक्षा की गई तथा भविष्य में ऐसी स्थिति से बचने हेतु आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए।

बैठक को संबोधित करते हुए जिला पदाधिकारी दीपक कुमार मिश्रा ने कहा कि मोहर्रम आस्था, अनुशासन एवं सामाजिक सौहार्द का पर्व है। इसके सफल आयोजन में प्रशासन के साथ-साथ मरकजी मोहर्रम कमिटी, ताजिया अखाड़ों के खलीफाओं एवं आम नागरिकों की महत्वपूर्ण भूमिका है। उन्होंने समय पर पहलाम करने वाले सभी खलीफाओं की प्रशंसा करते हुए अपेक्षा जताई कि आगे भी सभी लोग प्रशासन के साथ समन्वय स्थापित कर निर्धारित नियमों एवं समय-सीमा का अक्षरशः पालन करेंगे।

बैठक में मुफ्फसिल थाना क्षेत्र के मुरादाबाद के अनुज्ञप्तिधारियों एवं खलीफाओं को निर्देशित किया गया कि वे अपने-अपने ताजिये को निर्धारित समय पर शहर के तकिया मुहल्ला के ताजिये के साथ समन्वय स्थापित करते हुए पहलाम करें, ताकि जुलूस का संचालन व्यवस्थित एवं सुचारू रूप से हो सके और किसी प्रकार की अव्यवस्था उत्पन्न न हो। सभी मरकजी मोहर्रम कमिटी, अनुज्ञप्तिधारी(ताजिया अखाड़ा) के खलीफाओं को निर्देश दिया गया कि जुलूस के दौरान किसी भी परिस्थिति में अनावश्यक रूप से रास्ते में नहीं रुकेंगे तथा लगातार आगे बढ़ते हुए अनुज्ञप्ति में निर्धारित मार्ग एवं समय-सीमा का पालन करते हुए ताजिये का पहलाम सुनिश्चित करेंगे। बैठक में यह भी स्पष्ट किया गया कि शाम 6:00 बजे से रात्रि 12:00 बजे तक निर्धारित अवधि के भीतर यदि किसी अनुज्ञप्तिधारी द्वारा लाइसेंस की शर्तों एवं प्रशासनिक निर्देशों का पालन नहीं किया जाता है तथा उसके कारण कोई अप्रिय घटना घटती है, तो उसकी संपूर्ण जिम्मेदारी संबंधित अनुज्ञप्तिधारी खलीफा की होगी।

पुलिस अधीक्षक, रोहतास ने बैठक में कहा कि जिले के सभी संवेदनशील स्थलों, प्रमुख चौक-चौराहों एवं भीड़-भाड़ वाले क्षेत्रों में पर्याप्त संख्या में पुलिस बल, दंडाधिकारी एवं पुलिस पदाधिकारियों की प्रतिनियुक्ति की गई है। जुलूस मार्गों पर लगातार निगरानी रखी जाएगी तथा किसी भी प्रकार की अफवाह, अराजकता अथवा कानून-व्यवस्था को प्रभावित करने वाले तत्वों के विरुद्ध तत्काल एवं कड़ी कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने सभी कमेटियों से प्रशासन के साथ सतत समन्वय बनाए रखने एवं किसी भी समस्या की तत्काल सूचना संबंधित अधिकारियों को देने की अपील की।

बैठक के दौरान जिला पदाधिकारी ने कार्यपालक अभियंता, विद्युत विभाग को निर्देश दिया कि जिन क्षेत्रों से ताजिया जुलूस नहीं गुजरता है, वहां अनावश्यक रूप से बिजली आपूर्ति बाधित नहीं की जाए। वहीं जिन क्षेत्रों से ताजिया जुलूस गुजर चुका हो, वहां आवश्यक जांच एवं स्थानीय प्रशासन के साथ समन्वय स्थापित कर यथाशीघ्र विद्युत आपूर्ति बहाल की जाए, ताकि आम नागरिकों को किसी प्रकार की असुविधा का सामना न करना पड़े। बैठक के अंत में जिला पदाधिकारी एवं पुलिस अधीक्षक ने सभी मरकजी मोहर्रम कमिटी, ताजिया अखाड़ों के खलीफाओं, नगर पूजा समिति के प्रतिनिधियों एवं जिलेवासियों से आपसी भाईचारा, शांति एवं सामाजिक सौहार्द बनाए रखने की अपील की। उन्होंने कहा कि प्रशासन पूरी तरह सतर्क एवं प्रतिबद्ध है तथा सभी के सहयोग से मोहर्रम पर्व को शांतिपूर्ण, सुरक्षित एवं गरिमामय वातावरण में संपन्न कराया जाएगा।

आकाशीय बिजली की चपेट में आया बद्री विशालेश्वर महादेव मंदिर, गुंबद क्षतिग्रस्त

पटवाडीह गांव में देर रात हुई घटना, मंदिर में मौजूद तीन श्रद्धालु सुरक्षित

सोन वर्षा वाणी | संवाददाता

करगहर। करगहर प्रखंड के पटवाडीह गांव स्थित प्राचीन श्री बद्री विशालेश्वर महादेव मंदिर पर शुक्रवार की देर रात आकाशीय बिजली गिरने से मंदिर के गुंबद को नुकसान पहुंचा। घटना के समय मंदिर परिसर में मौजूद अरुण कुमार पाण्डेय सहित तीन श्रद्धालु बाल-बाल बच गए। इस हादसे में किसी प्रकार की जनहानि नहीं हुई। बताया जाता है कि देर रात अचानक मौसम खराब होने के दौरान तेज गर्जना के साथ मंदिर पर आकाशीय बिजली गिरी। बिजली गिरते ही मंदिर के गुंबद का एक हिस्सा क्षतिग्रस्त हो गया। तेज धमाके की आवाज सुनकर आसपास के ग्रामीण मौके पर पहुंच गए और स्थिति का जायजा लिया। शनिवार सुबह घटना की सूचना फैलते ही मंदिर परिसर में श्रद्धालुओं की भीड़ जुट गई। ग्रामीणों ने इसे भगवान भोलेनाथ की कृपा बताते हुए कहा कि इतनी बड़ी प्राकृतिक आपदा के बावजूद सभी लोग सुरक्षित रहे, जिससे एक बड़ा हादसा टल गया। ग्रामीणों ने प्रशासन से मंदिर को हुई क्षति का सर्वे कर शीघ्र मरम्मत कराने और आवश्यक सहायता उपलब्ध कराने की मांग की है। प्राचीन धार्मिक महत्व वाले इस मंदिर में प्रतिदिन बड़ी संख्या में श्रद्धालु पूजा-अर्चना के लिए पहुंचते हैं।

करगहर में निश्चय मित्र योजना के तहत टीबी मरीजों को मिली पोषण सहायता

चार मरीजों को गोद लेकर फूड पैकेट वितरित, नियमित इलाज व पौष्टिक आहार अपनाने की दी गई सलाह

सोन वर्षा वाणी | संवाददाता

करगहर (रोहतास)। सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र करगहर में शनिवार को राष्ट्रीय क्षय उन्मूलन कार्यक्रम के अंतर्गत निश्चय मित्र योजना के तहत चार टीबी मरीजों को गोद लेकर उन्हें पोषण सहायता के रूप में फूड पैकेट वितरित किए गए। कार्यक्रम की अध्यक्षता चिकित्सा पदाधिकारी डॉ. नूतन कुमार ने की।

कार्यक्रम में प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी डॉ. रविकांत केसरी, ब्लॉक हेल्थ मैनेजर रितेश कुमार, ब्लॉक अकाउंट मैनेजर उमेश कुमार तथा प्रखंड सामुदायिक उत्प्रेरक मानसी सिंह ने मरीजों को गोद लेकर पोषण किट सौंपी। इस दौरान उन्होंने कहा कि टीबी का समय पर इलाज, नियमित दवा और पौष्टिक आहार बीमारी से उबरने में सबसे महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। समाज की भागीदारी से टीबी उन्मूलन अभियान को और अधिक प्रभावी बनाया जा सकता है। इस मौके पर सीनियर टीबी लैब सुपरवाइजर ज्ञानेंद्र कुमार, सीनियर ट्रीटमेंट सुपरवाइजर ममता कुमारी, लैब टेक्नीशियन सनोज कुमार, एएनएम मधुबाला कुमारी, रेखा कुमारी, मंजू कुमारी, सुनीता कुमारी, दिव्या कुमारी, फैमिली प्लानिंग काउंसलर प्रीति कुमारी, ईसीजी टेक्नीशियन पूजा शर्मा, डाटा एंट्री ऑपरेटर रिशु कुमार सहित स्वास्थ्य विभाग के कई अधिकारी एवं कर्मी मौजूद रहे। कार्यक्रम के अंत में सभी ने टीबी मुक्त भारत अभियान को सफल बनाने के लिए जनसहभागिता बढ़ाने तथा मरीजों को हरसंभव सहयोग देने का संकल्प लिया।

महंगाई, भ्रष्टाचार और पेपर लीक के विरोध में कांग्रेस का प्रदर्शन, प्रधानमंत्री का पुतला दहन

सोन वर्षा वाणी | संवाददाता

करगहर, (रोहतास)। महंगाई, भ्रष्टाचार, किसानों को खाद नहीं मिलने तथा लगातार हो रहे पेपर लीक के विरोध में शनिवार को प्रखंड कांग्रेस कमेटी के बैनर तले कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने करगहर में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का पुतला दहन कर केंद्र सरकार के खिलाफ प्रदर्शन किया। प्रदर्शन का नेतृत्व प्रखंड कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष धन्नजय पांडेय ने किया। प्रदर्शन के दौरान कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने केंद्र सरकार के खिलाफ नारेबाजी करते हुए महंगाई पर नियंत्रण, किसानों को समय पर खाद उपलब्ध कराने, भ्रष्टाचार पर अंकुश लगाने और पेपर लीक की घटनाओं पर सख्त कार्रवाई की मांग की। इस अवसर पर धन्नजय पांडेय ने कहा कि बढ़ती महंगाई से आम जनता त्रस्त है, किसान खाद के लिए परेशान हैं और लगातार हो रहे पेपर लीक से युवाओं का भविष्य अंधकारमय होता जा रहा है। उन्होंने आरोप लगाया कि केंद्र सरकार इन जनसमस्याओं के समाधान में विफल रही है।

उन्होंने कहा कि कांग्रेस जनता की आवाज बनकर सड़क से सदन तक संघर्ष करती रहेगी। यदि सरकार ने जनहित के मुद्दों पर शीघ्र ठोस कदम नहीं उठाए तो आंदोलन को और व्यापक किया जाएगा। प्रदर्शन में महादलित प्रकोष्ठ के प्रखंड अध्यक्ष कन्हैया उपाध्याय, मनोज राम, विनोद उपाध्याय, विजय पांडे, रामायण राम, राधिका रमण सिंह, लड्डू उपाध्याय, राकेश उपाध्याय, अरुण पांडे, विशाल राम, प्रवेश राम, मुन्ना पटेल, अनुपम कुमार, दीक्षित पांडे, सुजीत तिवारी, प्रिंस उपाध्याय, मुनीलाल राम, पंकज राम, धीरज कुमार सिंह, वशिष्ठ राम, विकास तिवारी, लोकेश कुमार, राजू राम, मोहन पहलवान, शैलेंद्र पांडे, रामबचन तिवारी, रमाकांत पांडे, रवि रंजन पांडे सहित बड़ी संख्या में कांग्रेस कार्यकर्ता मौजूद रहे।

सासाराम में पंडित गिरीश नारायण मिश्र की 19वीं पुण्यतिथि मनाई गई

सोन वर्षा वाणी | संवाददाता

सासाराम। रोहतास।में शनिवार को शाहाबाद कांग्रेस कमेटी के पूर्व जिलाध्यक्ष, बिहार सरकार के पूर्व मंत्री एवं वरिष्ठ कांग्रेस नेता पंडित गिरीश नारायण मिश्र (बाबा) की 19वीं पुण्यतिथि श्रद्धापूर्वक मनाई गई।

कार्यक्रम की अध्यक्षता कांग्रेस के वरिष्ठ सदस्य राधा प्रसाद सिंह ने की। इस दौरान कांग्रेस कार्यकर्ताओं एवं सामाजिक संगठनों के प्रतिनिधियों ने उनके चित्र पर पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि दी तथा उनके व्यक्तित्व और जनसेवा को याद किया। वक्ताओं ने जिले की राजनीति में उनकी अनुपस्थिति को अपूरणीय क्षति बताया।

कार्यक्रम में दीपक शुक्ला, राजेश्वर कुशवाहा, विनोद राय, बीडी शुक्ला, लोकेश तिवारी, ललित ठाकुर, डीडी यादव, डॉक्टर जावेद अख्तर, उमा शंकर कुशवाहा, शैलेंद्र कुमार चिंटू, प्रिंस कुमार, अविनाश कुमार, रमेश कुमार पाण्डेय, हर्ष कुमार, सरोज तिवारी इत्यादि लोग उपस्थित रहे।

मुहर्रम पर जदयू कार्यकर्ताओं ने लोगों को पिलाया शरबत, खाने का भी इंतजाम

सोन वर्षा वाणी | संवाददाता

गयाजी। गयाजी में मुहर्रम के मौके पर आपसी भाईचारे और गंगा-जमुनी तहज़ीब का एक खूबसूरत नजारा देखने को मिला। बंगाली आश्रम मोड़ से गुजरने वाले भव्य ताजिया जुलूस का जनता दल यूनाइटेड परिवार की ओर से दिल खोल कर स्वागत किया गया। इस खास मौके पर जदयू के जिला अध्यक्ष इंजीनियर अजय कुशवाहा व वरिष्ठ नेता धनंजय शर्मा समेत पार्टी के कई बड़े चेहरे मौजूद रहे।

मुस्लिम भाइयों को दिए ठंडे पदार्थः पूरे कार्यक्रम की कमान जदयू नेता और जाने-माने समाजसेवी डॉ शंकर कुमार चौधरी के हाथों में थी। उनके नेतृत्व में जुलूस में शामिल अकीदतमंदों और मुस्लिम भाइयों के लिए ठंडे पेय पदार्थ, शुद्ध पेयजल और बिस्किट का इंतजाम किया गया था, जिसे कार्यकर्ताओं ने बड़े ही चाव से सबके बीच बांटा। कार्यक्रम के दौरान जदयू के जिलाध्यक्ष इंजीनियर अजय कुशवाहा ने कहा कि गयाजी हमेशा से ही आपसी सौहार्द की धरती रही है और मुहर्रम का यह त्योहार हमें समाज में मिलकर रहने की प्रेरणा देता है। यह वजह है कि जदयू परिवार जुलूस में शामिल लोगों की आपसी भाईचारे व सौहार्द के तहत सेवा की।

आगे भी इसे ऐसे ही जारी रखेंगेः वहीं, आयोजनकर्ता डॉ. शंकर कुमार चौधरी ने कहा कि हमारे समाज में सामाजिक सद्भाव, भाईचारा और गंगा-जमुनी तहज़ीब को मजबूत करना सबसे जरूरी है। इसी मकसद से हम हर साल यह आयोजन करते हैं और आगे भी इसे ऐसे ही जारी रखेंगे। मुहर्रम हमें त्याग, बलिदान और इंसानियत का रास्ता दिखाता है, और समाज में आपसी प्रेम बनाए रखना हम सबकी जिम्मेदारी है। जुलूस में शामिल मुस्लिम श्रद्धालु मुर्शीद आलम उर्फ निजाम भाई ने जदयू परिवार के इस कदम की खूब तारीफ की। उन्होंने कहा कि जब हिंदू भाई आगे बढ़ कर हमारा स्वागत करते हैं और पानी-शरबत पिलाते हैं, तो दिल खुश हो जाता है। यही हमारे देश की असली खूबसूरती है।

खैरा भुतहा गांव में खेत से एक व्यक्ति का शव बरामद होने के बाद इलाके में सनसनी

सोन वर्षा वाणी | संवाददाता

संझौली/ रोहतास। स्थानीय थाना क्षेत्र के खैरा भुतहा गांव में खेत से एक व्यक्ति का शव बरामद होने के बाद इलाके में सनसनी फैल गई। मृतक की पहचान महेंद्र नट के रूप में हुई है। परिजनों ने भूमि विवाद में हत्या किए जाने का आरोप लगाया है। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल, सासाराम भेज दिया है और मामले की गहन जांच शुरू कर दी है। घटना के बाद गांव में पहले यह चर्चा हुई कि रात में ठनका गिरने से महेंद्र नट की मौत हुई है। लेकिन पुलिस जब मौके पर पहुंची और शव का निरीक्षण किया तो शरीर पर वज्रपात से झुलसने का कोई निशान नहीं मिला। इसके बाद पुलिस ने हत्या की आशंका सहित सभी पहलुओं को जांच के दायरे में शामिल कर लिया।सूचना मिलते ही बिक्रमगंज के एसडीपीओ सिंधु शेखर सिंह घटनास्थल पर पहुंचे और मौके का निरीक्षण कर परिजनों व ग्रामीणों से पूछताछ की। मृतक की पुत्री खुशबू कुमारी ने आरोप लगाया कि पड़ोस के प्रमोद यादव समेत कुछ लोगों से उनके पिता का लंबे समय से जमीन को लेकर विवाद चल रहा था। इसी विवाद में उनके पिता की हत्या की गई है। उन्होंने बताया कि इस जमीन को लेकर पहले भी कई बार विवाद हो चुका था और इसकी जानकारी पुलिस को दी गई थी। एसडीपीओ सिंधु शेखर सिंह ने बताया कि पुलिस सभी बिंदुओं पर गंभीरता से जांच कर रही है। परिजनों के बयान के आधार पर प्राथमिकी दर्ज की जाएगी तथा जांच में जो भी तथ्य सामने आएंगे, उनके आधार पर संबंधित लोगों के विरुद्ध विधिसम्मत कार्रवाई की जाएगी। थानाध्यक्ष पूनम कुमारी ने बताया कि शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद मौत के कारणों की स्पष्ट जानकारी मिलेगी। पुलिस वैज्ञानिक एवं तकनीकी साक्ष्यों के आधार पर मामले की निष्पक्ष जांच में जुटी है।

संक्षिप्त समाचार

अंबेडकर प्रतिमा, संविधान को साक्षी मानकर शादी

बांका। बांका में शादी समारोह के दौरान दूल्हा-दुल्हन ने बाबा साहब डॉ. भीमराव अंबेडकर की मूर्ति और भारतीय संविधान को साक्षी मानकर एक-दूसरे का जीवनसाथी बनने की शपथ ली। मामला अमरपुर थाना क्षेत्र के खेमीचक स्थित अंबेडकर भवन का है। शुक्रवार रात को यहां इंटर कास्ट मैरेज हुआ। जिसमें सामाजिक सौहार्द और समानता का संदेश देते हुए शादी संपन्न हुई। इस अनूठे विवाह को देखने के लिए बड़ी संख्या में लोग अंबेडकर भवन पहुंचे और नवदंपति को शुभकामनाएं दीं। जानकारी के अनुसार, छोटी सीढ़ी गांव निवासी पिंटू दास का बेटा एमपी राज (25) और संदूर गांव निवासी चंदन मंडल की बेटी सोनी कुमारी (23) पिछले करीब 2 सालों से एक-दूसरे से प्रेम करते थे। दोनों के बीच प्रेम प्रसंग की शुरुआत फोन पर बातचीत से हुई थी, जो समय के साथ गहरे रिश्ते में बदल गया। जब दोनों ने विवाह करने का निर्णय लिया तो इसकी जानकारी अपने-अपने परिवारों को दी।

सात जन्म तक साथ निभाने का संकल्प: दोनों परिवारों ने आपसी सहमति और रजामंदी के बाद खेमीचक स्थित अंबेडकर भवन में सामाजिक रीति-रिवाज और विधि-विधान के साथ विवाह संपन्न कराया। विवाह के दौरान बाबा साहब की प्रतिमा के समक्ष संविधान और सामाजिक समानता के संदेश के बीच दोनों ने सात जन्म तक साथ निभाने का संकल्प लिया। समारोह में मौजूद लोगों ने इस पहल की सराहना करते हुए इसे सामाजिक समरसता और जातीय भेदभाव से ऊपर उठकर रिश्तों को स्वीकार करने का उदाहरण बताया।

इलाके में शादी की चर्चा: लड़की के पिता चंदन मंडल ने बताया कि उनकी बेटी और एमपी राज के बीच काफी समय से प्रेम संबंध था तथा दोनों शादी करना चाहते थे। दोनों परिवारों की सहमति के बाद यह विवाह संपन्न कराया गया। वहीं दूल्हे के पिता पिंटू दास ने कहा कि परिवारों की रजामंदी से डॉ. भीमराव अंबेडकर भवन में धूमधाम से शादी कराई गई। विवाह के बाद दूल्हा अपनी पत्नी को अपने घर लेकर चला गया। क्षेत्र में यह अनोखा विवाह चर्चा का विषय बना हुआ है।

स्कूल से डीवीआर सहित अन्य सामान ले गए चोर

भागलपुर। जवारीपुर हवाई अड्डा के पास स्थित एक जूनियर स्कूल में चोरों ने चोरी की वारदात को अंजाम दिया। बदमाश स्कूल की बिजली की वायरिंग काटकर कॉपर तार, बैटरी, इन्वर्टर, एम्पलीफायर, पर्दे और सीसीटीवी का डीवीआर लेकर फरार हो गए। स्कूल प्रबंधन ने तिलकामांझी थाने में अज्ञात चोरों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कराई है। स्कूल के प्राचार्य संजय पासवान ने बताया कि घटना 24 जून रात की है। 25 जून की सुबह स्कूल पहुंचने पर चोरी की जानकारी मिली। चोर स्कूल के अंदर घुसकर बिजली के तार सहित अन्य सामान चुरा ले गए। उन्होंने बताया कि वर्षों से स्कूल संचालित है, लेकिन इससे पहले कभी इस तरह की घटना नहीं हुई। स्थानीय लोगों के अनुसार, घटना वाली रात हवाई अड्डा मार्ग पर कुछ संदिग्ध लोगों को कंधे पर सामान ले जाते देखा गया था। हालांकि किसी स्थानीय व्यक्ति की संलिप्तता की पुष्टि नहीं हुई है। पुलिस मामले की जांच कर रही है। कॉपर वायर निशाने पर, कंप्यूटर को नहीं लगाया हाथ स्कूल में हुई चोरी से स्पष्ट है कि बदमाशों का मुख्य निशाना कॉपर वायर था। उन्होंने लगभग सभी कमरों की वायरिंग काट दी और एक यूपीएस को तोड़कर उसमें से केवल तार निकाल लिया। वहीं स्कूल में रखे कंप्यूटर और अन्य इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों को हाथ तक नहीं लगाया। स्थानीय लोगों का कहना है कि जवारीपुर और सच्चिदानंद नगर इलाके में बिजली के कॉपर तार की चोरी की घटनाएं लगातार हो रही हैं। घरों के बाहर लगे एसी के कॉपर पाइप और तार काट लेना भी आम बात हो गई है।

विक्रमशिला सेतु हादसा दूध विक्रेता की मौत पर मंत्री गंभीर, जांच के आदेश

भागलपुर। विक्रमशिला सेतु के क्षतिग्रस्त भाग को चालू रखने के लिए बनाए गए अस्थायी बेली ब्रिज के पास हुए हादसे में एक व्यक्ति की मौत के मामले में पथ निर्माण मंत्री ई. कुमार शैलेन्द्र ने संज्ञान लिया है। उन्होंने विभाग के सचिव को पत्र लिखकर इस पूरे मामले की उच्चस्तरीय तकनीकी जांच कराने, दोषी कारकों पर कार्रवाई करने का निर्देश दिया है। उन्होंने कहा है, ऐसी लापरवाही दोबारा बर्दाश्त नहीं होगी। पुल पर वाहनों के सुगम, नियंत्रित आवागमन को बनाए रखने के लिए विभाग ने एक शेड का निर्माण कराया था। बीते 23 जून को दिन में आई तेज आंधी और तूफान के कारण यह भारी-भरकम शेड अचानक उखड़कर हवा में उड़ गया। दुर्भाग्यवश, उसी समय पुल से गुजर रहे यात्री विनय ईश्वर इस उड़ते शेड की चपेट में आ गए। इस भयानक दुर्घटना में उनकी मौके पर ही असामयिक मौत हो गई। वह बिहपुर विधानसभा क्षेत्र के बिहपुर प्रखंड (दक्षिणी पंचायत) के सोनवर्षा गांव के रहने वाले थे। वह पेशे से दूध विक्रेता थे।

सुड्डू साईं जदयू राज्य परिषद सदस्य मनोनीत

भागलपुर। जदयू नेता सुड्डू साईं को पार्टी का राज्य परिषद सदस्य मनोनीत किया गया है। जिला प्रवक्ता शैलेन्द्र तोमर ने उनके आवास जाकर बधाई दी और कहा कि इससे कार्यकर्ताओं का मनोबल बढ़ेगा। साईं ने निष्ठापूर्वक जिम्मेदारी निभाने और नीतीश कुमार के विकास कार्यों को जन-जन तक पहुँचाने का संकल्प लिया।

साइकिल सवार को बचाने में अनियंत्रित होकर बाइक पलटी, एक युवक की मौत

भागलपुर। साइकिल सवार को बचाने के प्रयास में एक तेज रफ्तार बाइक पलट गई। बाइक सवार दोनों युवक गंभीर रूप से घायल हो गए। एक युवक ने मौके पर ही दम तोड़ दिया। दूसरे युवक की हालत गंभीर बनी हुई है। मृतक अमर कुमार (21) बांका के रजौन स्थित नयाडीह निवासी गोपाल सिंह का बेटा था। घायल कुंदन ममलखा का रहने वाला है। घटना शुक्रवार सुबह साढ़े सात बजे सबौर स्थित इंग्लिश फरका की है। घटना की जानकारी मिलते ही सबसे पहले सबौर थाना की टीम पहुंची। दोनों घायलों को मायागंज अस्पताल पहुंचाया गया। अस्पताल में जांच के बाद अमर को मृत घोषित कर दिया गया। घायल कुंदन की स्थिति भी ठीक नहीं बताई जा रही है। अमर की मौत के बाद बरारी पुलिस कैंप की ओर से शव का पोस्टमार्टम कराने के लिए कहा गया। अमर के परिजन बिना पोस्टमार्टम ही शव ले जाने की जिद करने लगे। बाद में परिजनों की ओर से बरारी पुलिस को लिखित आवेदन दिया गया। अमर के भाई शिवम ने आवेदन में लिखा कि इस घटना में किसी का कोई दोष नहीं है। हम लोग बिना पोस्टमार्टम के ही शव लेकर जाना चाहते हैं। भविष्य में किसी भी तरह का आरोप नहीं लगाएंगे। शिवम ने बताया कि भाई अपने दोस्त के साथ कपड़ा खरीदने जा रहा था। भाई के दोस्त की शादी होने वाली थी। इसी दौरान एक साइकिल सवार को बचाने में हादसा हुआ। हम लोगों को पुलिस की ओर से जानकारी मिली। सड़क दुर्घटना में मौत के मामलों में पोस्टमार्टम रिपोर्ट सबसे महत्वपूर्ण कानूनी दस्तावेजों में से एक मानी जाती है। इससे मृत्यु का सटीक कारण और चोटों की प्रकृति स्पष्ट होती है। पोस्टमार्टम नहीं होने पर मृतक के परिजनों को मोटर दुर्घटना दावा अधिकरण (एमएसीटी) में मुआवजा, बीमा क्लेम, अन्य कानूनी प्रक्रियाओं में कठिनाई आ सकती है। हादसे में चालक की लापरवाही का मामला हो, तो जांच में पोस्टमार्टम रिपोर्ट अहम भूमिका निभाती है। अदालत में यह साक्ष्य के रूप में भी काम आती है। अंतिम निर्णय मामले की परिस्थितियों और पुलिस जांच पर निर्भर करता है।

कॉलेजिएट मैदान में पार्क निर्माण पर दो गुट आमने-सामने

भागलपुर। टीएनबी कॉलेजिएट इंटर स्कूल मैदान में केंद्र प्रायोजित अमृत 2.0 योजना के तहत प्रस्तावित पार्क निर्माण को लेकर विवाद गहरा गया है। शिलान्यास के बाद निर्माण की प्रक्रिया शुरू होते ही इसके समर्थन और विरोध में दो गुट आमने-सामने आ गए हैं। 15 जून को प्रभारी मंत्री नीतीश मिश्रा, पथ निर्माण मंत्री इंजीनियर शैलेंद्र, महापौर डॉ. बसुंधरा लाल, नगर विधायक रोहित पांडेय और स्थायी समिति सदस्य डॉ. प्रीति शेखर ने संयुक्त रूप से परियोजना का शिलान्यास किया था। इस दौरान मंत्री ने शहरी क्षेत्रों में पर्यावरण संरक्षण और नागरिक सुविधाओं के विस्तार की बात कही थी। वहीं डॉ. प्रीति शेखर ने इसे क्षेत्र की जनता, खिलाड़ियों, महिलाओं और बुजुर्गों से किया गया वर्षों पुराना वादा बताया। उन्होंने कहा कि 2017 से इस मैदान में पार्क बनाने का प्रयास चल रहा था, जिसे पहले स्मार्ट सिटी योजना में भी शामिल किया गया था, लेकिन बजट के अभाव में कार्य शुरू नहीं हो सका।

पेयजल संकट की परेशानी को लेकर भड़के ग्रामीण

सोन वर्षा वाणी । संवाददाता

भागलपुर। भागलपुर में पेयजल संकट से परेशान ग्रामीणों का गुस्सा शनिवार को फूट पड़ा। सुबह करीब 9 बजे ग्रामीणों ने एनएच-80 मुख्य मार्ग पर डिब्बा और बर्तन रखकर सड़क जाम कर दिया। लगभग डेढ़ घंटे तक चले इस जाम के कारण सड़क के दोनों ओर छोटे-बड़े गाड़ी, हाइवा और ट्रकों की लंबी कतार लग गई। मामला सुल्तानगंज प्रखंड क्षेत्र की कमरगंज पंचायत अंतर्गत जहांगीरा गांव के वार्ड संख्या-8 का है। उमस भरी गर्मी और चिलचिलाती धूप में राहगीरों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ा। कई लोग अपने गंतव्य तक पैदल जाने को मजबूर दिखे। आक्रोशित ग्रामीण काजल कुमारी और बबलू कुमार ने बताया कि एनएच-80 का निर्माण हुए दो साल बीत चुके हैं, लेकिन आज भी गांव में पेयजल की गंभीर समस्या बनी हुई है। घरों में नल तो लगाए गए हैं, लेकिन पानी की आपूर्ति नहीं हो रही है।

दूर से पीने का पानी लाना पड़ता: मजबूरन लोगों को सड़क पार कर दूर से पीने का पानी लाना पड़ता है। वहीं जल निकासी की समुचित व्यवस्था नहीं होने से बारिश के दिनों में घरों के सामने जलजमाव हो जाता है, जिससे लोगों को काफी कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है। सड़क जाम की सूचना मिलते ही सुल्तानगंज थाना के एसआई विष्णुदेव कुमार और प्रखंड विकास पदाधिकारी संजीव कुमार दल-बल के साथ मौके पर पहुंचे और ग्रामीणों को समझाकर करीब डेढ़ घंटे से लगे जाम को समाप्त कराया।

बीडीओ ने पंप संचालक से ली जानकारी: मौके पर बीडीओ ने पंप संचालक विपिन यादव को बुलाकर समस्या की जानकारी ली। पंप संचालक ने बताया कि कई घरों में अवैध रूप से मोटर लगाए जाने के कारण सभी घरों तक जलापूर्ति नहीं हो पा रही है। इसके बाद बीडीओ ने तत्काल जांच कराई, जिसमें कुछ घरों में मोटर लगे पाए गए। उन्होंने मोटर हटवाते हुए भविष्य में अवैध मोटर लगाने वालों पर सख्त कार्रवाई की चेतावनी दी। साथ ही पंचायत सचिव और पीएचईडी विभाग के जेई को संबंधित घरों को चिन्हित कर नोटिस जारी करने और आवश्यक कार्रवाई का निर्देश दिया।

जोकीहाट सड़क हादसे में घायल महिला की मौत

सोन वर्षा वाणी । संवाददाता

अररिया। अररिया के जोकीहाट प्रखंड क्षेत्र में 21 जून को हुए सड़क हादसे में गंभीर रूप से घायल एक महिला की नेपाल के एक निजी अस्पताल में इलाज के दौरान शनिवार को मौत हो गई। महिला का शव पोस्टमार्टम के लिए अररिया सदर अस्पताल लाया गया है, जहां पुलिस ने कानूनी प्रक्रिया शुरू कर दी है। मृतका की पहचान पलासी थाना क्षेत्र के काशीबाड़ी पंचायत के बरकुमा वार्ड संख्या-10 निवासी असहाब की 40 वर्षीय पत्नी रहमती के रूप में हुई है। परिजनों के अनुसार, रहमती अपने पति के साथ जोकीहाट बाजार से बकरी खरीदने के बाद बाइक से घर लौट रही थीं। इसी दौरान रानी पुल के समीप दो बाइकों की आमने-सामने जोरदार टक्कर हो गई।हादसे में रहमती गंभीर रूप से घायल हो गईं, जबकि अन्य लोग भी चोटिल हुए थे। प्राथमिक उपचार के बाद उनकी गंभीर स्थिति को देखते हुए उन्हें नेपाल के एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया था। कई दिनों तक चले उपचार के बाद शनिवार को उन्होंने दम तोड़ दिया।

दो बहन की नदी में डूबने से मौत

सोन वर्षा वाणी । संवाददाता

भागलपुर। भागलपुर के घोघा थाना क्षेत्र के आमपुर गांव वार्ड संख्या-15 में शनिवार को खोखा नाला नदी में हादसा हुआ। यहां स्नान करने गई दो सगी बहनों की डूबने से मौत हो गई। मृतक बच्चियों की पहचान अनिल मंडल की 11 साल की बेटी प्रिया कुमारी और दो साल की पूजा कुमारी के रूप में हुई है। शनिवार को दोनों बहन घर के पास बहने वाली खोखा नाला नदी में स्नान करने गई थीं। स्नान के दौरान खेलते-खेलते दोनों गहरे पानी की ओर चली गईं। पानी अधिक होने के कारण वे संतुलन खो बैठीं और डूबने लगीं। आसपास मौजूद लोगों की नजर जब बच्चियों पर पड़ी, तो उन्हें बचाने के लिए तत्काल नदी में छलांग लगाई गई। काफी मशक्कत के बाद दोनों को बाहर निकाला गया, लेकिन तब तक काफी देर हो चुकी थी। स्थानीय लोगों ने तुरंत चिकित्सकीय सहायता की कोशिश की, परंतु दोनों बच्चियों को डॉक्टर ने मृत घोषित कर दिया गया।

पुलिस ने शवों को कब्जे में लिया: घटना की सूचना मिलते ही घोघा थाना पुलिस मौके पर पहुंची और पूरे मामले की जांच शुरू कर दी। पुलिस ने दोनों शवों को अपने कब्जे में लेकर आवश्यक कानूनी प्रक्रिया पूरी की। इसके बाद मृत्यु समीक्षा रिपोर्ट और अन्य आवश्यक कागजात तैयार कर महाल चौकीदार और परिजनों की मौजूदगी में पोस्टमार्टम के लिए शव को भेज दिया गया। घोघा थाना अध्यक्ष आशुतोष कुमार ने बताया कि प्रारंभिक जांच में मामला नदी में डूबने से हुई मौत का लग रहा है। उन्होंने कहा कि परिजनों से आवेदन हासिल होने के बाद नियमानुसार आगे की कानूनी कार्रवाई की जाएगी। पुलिस पूरे मामले की जांच कर रही है। घटना के बाद मृतक बच्चियों के घर पर मातम पसरा हुआ है।

खेलो बखरी प्रतियोगिता के दूसरे दिन दौड़

सोन वर्षा वाणी । संवाददाता

बेगूसराय। बेगूसराय के बखरी में खेलो बखरी प्रतियोगिता चल रही है। इसके दूसरे दिन शनिवार को जूनियर वर्ग के छात्र-छात्राओं के बीच 100 मीटर दौड़ प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इस दौरान सैकड़ों स्कूली बच्चों ने दौड़ लगा कर अपनी प्रतिभा दिखाई। प्रतियोगिता की शुरुआत अतिथियों से हाथ मिलाकर किया। इस अवसर पर पूर्व नगर अध्यक्ष राजेश अग्रवाल ने कहा कि अभाविप छात्रों के बौद्धिक और शारीरिक विकास के लिए लगातार कार्यक्रम आयोजित करते रहती है। खेलो बखरी प्रतियोगिता युवाओं को फिजिकल रूप फिट और डिफेंस लाइन के लिए तैयारी के लिए एक मंच देती है। उन्होंने युवाओं से अपील करते हुए कहा कि हम सभी को खेल–कूद व्यायाम को अपनी दिनचर्या का हिस्सा बनाए। जिला संयोजक अनुभव आनंद और नगर उपाध्यक्ष अनमोल कृष्णा ने कहा कि विद्यार्थी जीवन में इंटरनेट के बढ़ते लत और उसके दुष्प्रभाव को खेल के माध्यम से दूर किया जा सकता है।

खेल गतिविधियों से जोड़ने का काम होगा: आने वाले समय में विद्यार्थी परिषद का आयाम कार्य खेलो भारत के माध्यम से देश भर में स्क्रीन टाइम टू एक्टिविटी टाइम अभियान चलेगी। इस अभियान के माध्यम से युवाओ को खेल गतिविधियों से जोड़ने का काम किया जाएगा। खेलो बखरी प्रतियोगिता उसी अभियान का एक हिस्सा है। कार्यक्रम संयोजक दिलखुश कुमार ने बताया कि सौ मीटर की मैराथन दौड़ में ग्रुप-ए से निभा, सरिता, स्वाति, अर्चना, सृष्टि, सोनम, सपना, पल्लवी, ज्योति, चंदा, रोशनी, निशिका, लक्ष्मी, दिव्यांशु, सुधांशु, आकाश, चंदन, प्रियांशु, दीपांशु, मिंटू-रौशन और ग्रुप-बी से आरती, मौसम, सोनम, मुकेश, आशुतोष, सुधांशु ने अगले राउंड के लिए क्वालीफाई किया। उन्होंने बताया चार सौ और सौ मीटर की दौड़ प्रतियोगिता में अगले राउंड के लिए सफल प्रतिभागियों का फाइनल राउंड की दौड़ प्रतियोगिता 29 जून को आयोजित होगी।

हर महीने पंचायत विकास दिवस, अंतिम रविवार को सभी पंचायतों में होगी ग्राम सभा

सोन वर्षा वाणी । संवाददाता

अररिया। अररिया जिले की सभी ग्राम पंचायतों में हर महीने के अंतिम रविवार को 'पंचायत विकास दिवस' मनाया जाएगा। इसका उद्देश्य ग्रामीण विकास को जनभागीदारी से गति देना और पंचायतों को अधिक सशक्त, समावेशी व जवाबदेह बनाना है। पहला 'पंचायत विकास दिवस' 28 जून को सुबह 10 बजे से 12 बजे तक आयोजित होगा, जिसमें ग्राम सभाएं पंचायत सरकार भवन, पंचायत भवन या अन्य उपयुक्त सार्वजनिक स्थलों पर होंगी।

सफल आयोजन के लिए आवश्यक दिशा-निर्देश दिए: जिलाधिकारी अररिया विनोद दूहन ने सभी संबंधित अधिकारियों को इसके सफल आयोजन के लिए आवश्यक दिशा-निर्देश दिए हैं। उन्होंने प्रखंड विकास पदाधिकारी, प्रखंड पंचायत राज पदाधिकारी और विभिन्न विभागों के जिला व प्रखंड स्तरीय अधिकारियों से पूर्ण समन्वय और प्रभावी अंतर-विभागीय सहयोग सुनिश्चित करने को कहा है। ग्राम सभा में पंचायत राज विभाग के साथ-साथ शिक्षा, स्वास्थ्य, आईसीडीएस, जीविका, कृषि, पशुपालन, मनरेगा, लोक स्वास्थ्य अभियंत्रण, राजस्व, सामाजिक सुरक्षा, ग्रामीण विकास, विद्युत और सहकारिता सहित कई विभागों की सक्रिय भागीदारी रहेगी।

समस्याओं का होगा समाधान : 'पंचायत विकास दिवस' के माध्यम से ग्रामीणों को विभिन्न सरकारी योजनाओं की जानकारी दी जाएगी, उनकी समस्याओं का समाधान होगा और विकास कार्यों की समीक्षा की जाएगी। इस बार 'पंचायत विकास दिवस' की थीम 'महिला हितैषी पंचायत' निर्धारित की गई है। कार्यक्रम में महिलाओं के सामाजिक-आर्थिक सशक्तिकरण, स्वास्थ्य, पोषण, सुरक्षा, स्वरोजगार और आजीविका संवर्द्धन जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर विशेष चर्चा होगी।

विकास योजनाओं और पंचायत की प्रगति की समीक्षा होगी: जिला प्रशासन ने जीविका दीदियों और आशा कार्यकर्ताओं की सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं, ताकि महिला केंद्रित योजनाओं का व्यापक प्रचार-प्रसार और प्रभावी क्रियान्वयन हो सके। पंचायत विकास दिवस पर आयोजित ग्राम सभा की बैठक में विकास योजनाओं और पंचायत की प्रगति की समीक्षा की जाएगी। इसमें पंचायत की वित्तीय स्थिति, पंचायत एडवांसमेंट इंडेक्स, सतत विकास लक्ष्यों, पंचायत की आय बढ़ाने के उपायों और पिछले माह लिए गए निर्णयों के अनुपालन की समीक्षा शामिल है।

संचालित कल्याणकारी कार्यक्रमों पर भी चर्चा की जाएगी: साथ ही आगामी विकास योजनाओं और पंचायत संचालित कल्याणकारी कार्यक्रमों पर भी चर्चा की जाएगी। जिलाधिकारी ने जिले के सभी जनप्रतिनिधियों, पंचायत प्रतिनिधियों, पंचायत सचिवों, विभागीय अधिकारियों, जीविका समूहों, आशा कार्यकर्ताओं एवं आम ग्रामीणों से पंचायत विकास दिवस में सक्रिय भागीदारी की अपील की है।

मुहर्रम पर तलवारें लेकर स्टेशन में घुसे लोग

सोन वर्षा वाणी । संवाददाता

भागलपुर। भागलपुर में मुहर्रम के दौरान 100 से ज्यादा लोग तलवारें लेकर रेलवे स्टेशन में घुस गए। करीब 10 मिनट तक सीढ़ी और प्लेटफॉर्म पर ये लोग नारेबाजी करते रहे। इस दौरान स्टेशन पर मौजूद यात्री डरे सहमे नजर आए। सोशल मीडिया पर यूजर्स ने वीडियो शेयर कर लिख रहे हैं कि 'अगर बिहार सरकार को निहत्थे लोगों के एनकाउंटर से फुर्सत मिल जाए तो ऐसे खुलेआम हो रहे शस्त्र प्रदर्शन पर भी कार्रवाई करनी चाहिए।' मामले को लेकर स्टेशन मास्टर अजय ने बताया था, 'हम लोग वीडियो की जांच करेंगे।' अब रेल पुलिस ने FIR दर्ज कर ली है। मालदा रेल मंडल की जनसंपर्क पदाधिकारी रूपा मंडल ने बताया कि वायरल वीडियो की जानकारी मिलने पर रेलवे सुरक्षा बल (आरपीएफ) से विस्तृत रिपोर्ट मांगी गई थी। जांच के बाद रेलवे अधिनियम की धारा 147, 145 के तहत मामला दर्ज किया गया है। वीडियो में दिख रहे लोगों की पहचान की जा रही है और दोषियों के खिलाफ नियमानुसार सख्त कार्रवाई की जाएगी।

मुहर्रम में दिखी भरत तिवारी की झांकी: मोतिहारी में मुहर्रम के जुलूस में भरत तिवारी की झांकी निकाली गई। इसमें भरत को भगत सिंह के रूप में दिखाया गया। मुजफ्फरपुर में मुहर्रम जुलूस के दौरान हथौड़ी, औराई, पीयर और कांटी थाना क्षेत्रों में अलग-अलग स्थानों पर मारपीट हुई। पीयर थाना क्षेत्र के बरियारपुर चौक पर ताजिया मिलन के दौरान लोगों के बीच विवाद हो गया। देखते ही देखते कहासुनी हिंसक झड़प में बदल गई और दोनों ओर से लाठी-डंडे चलने लगे। कांटी थाना क्षेत्र के दामोदरपुर स्थित सेंट्रल बैंक के समीप ताजिया जुलूस में करतब दिखाने और रास्ता देने को लेकर दो पक्षों के बीच विवाद हो गया। देखते ही देखते मारपीट की नौबत आ गई।

मुजफ्फरपुर में ASI ने वर्दी में की तलवारबाजी: मुजफ्फरपुर में मुहर्रम के दौरान वर्दी में एक पुलिसकर्मी द्वारा तलवार से करतब दिखाने का वीडियो भी सामने आया है। बताया जा रहा है कि वीडियो कांटी थाने में तैनात एएसआई मुस्तकिम खान का है। मामला सामने आने के बाद पुलिस ने इसकी जांच शुरू कर दी है। बताया गया कि उनकी ड्यूटी मुहर्रम जुलूस में लगी थी और उसी दौरान किसी ने वीडियो बनाकर सोशल मीडिया पर वायरल कर दिया।

1400 एकड़ भूमि परियोजना के लिए चिह्नित

सोन वर्षा वाणी । संवाददाता

बांका। बांका के बेलहर प्रखंड की रघुनाथपुर पंचायत के कटाहरा गांव में प्रस्तावित न्यूक्लियर पावर प्लांट के विरोध में ग्रामीणों ने एक बैठक की। इस बैठक में परियोजना के खिलाफ आंदोलन को तेज करने और इसे गांव-गांव तक पहुंचाने का निर्णय लिया गया। ग्रामीणों ने कहा कि जल, जंगल और जमीन पर स्थानीय लोगों का पहला अधिकार है और उनकी सहमति के बिना किसी भी परियोजना को स्वीकार नहीं किया जाएगा। बैठक की अध्यक्षता और संचालन जल-जंगल-जमीन बचाओ संघर्ष मोर्चा के सियाराम यादव ने किया। इसमें राजद के पूर्व प्रत्याशी चाणक्य प्रकाश रंजन, जिला अध्यक्ष अर्जुन ठाकुर,राजहंस पंडित,भीम आर्मी के दीपक दास व सूरज दास,भाकपा माले के रणवीर कुशवाहा,एसयूसीआई के कविंद्र पंडित, ऑल इंडिया किसान महासभा के शिव नारायण राय और मुखिया सुफल हेंब्रम सहित इंडिया गठबंधन के विभिन्न दलों के नेता तथा बड़ी संख्या में ग्रामीण उपस्थित थे। बैठक को संबोधित करते हुए चाणक्य प्रकाश रंजन ने दावा किया कि प्रस्तावित परमाणु संयंत्र से आसपास के गांवों पर नकारात्मक प्रभाव पड़ सकता है। उन्होंने आशंका जताई कि इससे लोगों को उपजाऊ जमीन से विस्थापित होना पड़ सकता है और स्वास्थ्य संबंधी समस्याएं भी हो सकती हैं। ग्रामीणों ने अपनी पुश्तैनी जमीन न छोड़ने और आंदोलन को और मजबूत करने का संकल्प लिया। ग्रामीणों के अनुसार, सरकार ने कटाहरा मौजा सहित छह मौजा की लगभग 1400 एकड़ भूमि इस परियोजना के लिए चिह्नित की है। इसमें करीब 800 एकड़ वन विभाग की, 300 एकड़ सरकारी और 200 एकड़ रैयती भूमि शामिल बताई जा रही है। दूसरी ओर, प्रशासनिक अधिकारियों ने ग्रामीणों की आशंकाओं को दूर करने का प्रयास किया। उन्होंने बताया कि परियोजना अभी प्रारंभिक चरण में है और फिलहाल केवल सरकारी भूमि पर मिट्टी जांच का प्रस्ताव है। अधिकारियों के अनुसार, रैयती जमीन पर अभी किसी प्रकार के निर्माण या हस्तक्षेप की कोई योजना नहीं है। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि लोगों से संवाद और विस्तृत प्रक्रिया के बाद ही आगे का निर्णय लिया जाएगा। अधिकारियों ने यह भी जानकारी दी कि परमाणु ऊर्जा परियोजनाओं में बहुस्तरीय सुरक्षा व्यवस्था अपनाई जाती है और आसपास के क्षेत्रों में शिक्षा, स्वास्थ्य तथा आधारभूत सुविधाओं का विकास किया जाता है। हालांकि ग्रामीण इन दलीलों से संतुष्ट नहीं दिखे। उल्लेखनीय है कि इससे पहले मिट्टी जांच के लिए पहुंची इंजीनियरों की टीम और अधिकारियों का भी ग्रामीणों ने विरोध किया था।

भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान खड़गपुर
INDIAN INSTITUTE OF TECHNOLOGY KHARAGPUR
विज्ञापन संख्या : R/05/2026 दिनांक 10 जून 2026
संस्थान निम्नलिखित पदों के लिए भारतीय नागरिकों से ऑनलाइन आवेदन आमंत्रित करता है।
(i) **पेशेवर प्रशिक्षु (वित्त एवं लेखा)** – 10 पद
शैक्षिक योग्यता, आयु एवं अद्यतन जानकारी के लिए http://www.iitkgp.ac.in/non-teaching-positions पर जाएं।
कुलसचिव / Registrar
cbc21255/11/0003/2627

संक्षिप्त समाचार

ट्रेन से गिरने से एक व्यक्ति की मौत

आरा। दानापुर दीनदयाल उपाध्याय रेलखंड पर आरा रेलवे स्टेशन से 10 किलोमीटर पूरब कुलहड़िया स्टेशन के बगल में किसी चलती ट्रेन से गिरकर एक 40 वर्षीय व्यक्ति की मौत हो गई। मृतक चांदी थाना क्षेत्र के ताप जलपुरा गांव के निवासी राम आशीष महतो के पुत्र पिंटू महतो था। जीआरपी थाना की पुलिस ने घटनास्थल पर पहुंचकर शव को लेकर पोस्टमार्टम करने के लिए सदर अस्पताल भेज दिया। वहीं मृतक पिंटू महतो के पॉकेट में मिले पहचान पत्र के आधार पर परिजनों को भी सूचना दिया। सदर अस्पताल पहुंचे और शव का पोस्टमार्टम करा कर शव को गांव ले गए। जीआरपी थाना के थानाध्यक्ष रणधीर कुमार ने बताया कि यात्रियों द्वारा सूचना मिली कि कुलहड़िया स्टेशन के पास एक व्यक्ति किसी चलती ट्रेन से गिर गया है, जिसके कारण उसकी मौत हो गई है।

चांदी व गड़हनी फीडर में रातभर बिजली रही गुल

गड़हनी। गड़हनी पावर सब स्टेशन से जुड़े चांदी एवं गड़हनी फीडर की बिजली आपूर्ति बीती रात करीब 11 बजे ठप हो गई। लगभग छह घंटे तक बिजली आपूर्ति बाधित रहने के बाद सुबह करीब 5 बजे आपूर्ति बहाल की गई। भीषण गर्मी और उमस के बीच पूरी रात बिजली नहीं रहने से उपभोक्ताओं को भारी परेशानी का सामना करना पड़ा। बिजली गुल रहने के कारण लोग रातभर सो नहीं सके। छोटे बच्चों, बुजुर्गों और मरीजों को सबसे अधिक दिक्कत हुई। रातभर लोग गर्मी से परेशान होकर घरों की छतों और आंगनों में समय बिताने को मजबूर रहे। बिजली आपूर्ति आज सुबह बहाल होने के बाद लोगों ने राहत की सांस ली, लेकिन विभाग की कार्यप्रणाली को लेकर उपभोक्ताओं में काफी नाराजगी देखी गई।

5 एकड़ जमीन के मानक पर फंसे वीकेएसयू के चार नए कॉलेज, जिलाधिकारी करेंगे जांच

आरा। दक्षिण इकौना स्थित वास्तु बिहार सोसाइटी के गली नंबर-2 स्थित जयंती-21 फ्लैट में बंद पड़े मकान से नकदी और जेवरात चोरी होने का मामला सामने आया है। घटना 24 जून की रात की बताई जा रही है। जानकारी के अनुसार मकान मालिक विजय सिंह परिवार के साथ हाजीपुर में रहते हैं। वे एक पारिवारिक कार्यक्रम में शामिल होने के लिए अपने जयंती-21 स्थित आवास पर पहुंचे। सुबह करीब 8 बजे घर का दरवाजा खोलने के बाद घटना की जानकारी हुई। घर का ताला टूटा हुआ था और अलमारी व दीवान का सामान बिखरा पड़ा था। विजय सिंह की पत्नी ने बताया कि अलमारी में रखे 20 हजार रुपये नकद, कान की बालियां, छागल, बिछिया सहित अन्य जेवरात चोरी हो गए हैं। हालांकि घर के अन्य सामान सुरक्षित मिले। घटना की सूचना मिलते ही उदवंतनगर थाना अध्यक्ष जयंत प्रकाश पुलिस टीम के साथ मौके पर पहुंचे। पुलिस ने घटनास्थल का निरीक्षण किया और पीड़ित परिवार से पूछताछ की। इसके बाद श्री सिंह ने थाना पहुंचकर लिखित आवेदन दिया, जिस पर प्राथमिकी दर्ज कर ली गई। थाना अध्यक्ष ने मामले की निष्पक्ष जांच कर जल्द खुलासा करने का आश्वासन दिया है। एजुकेशन रिपोर्टर|आरा वीर कुंवर सिंह विश्वविद्यालय (वीकेएसयू) के अंतर्गत नए डिग्री कॉलेजों को मान्यता दिलाने की कोशिशों को बड़ा झटका लगा है। विश्वविद्यालय द्वारा भेजे गए एक दर्जन नए डिग्री कॉलेजों के संबंधन (एफिलिएशन) प्रस्तावों पर उच्च शिक्षा विभाग ने कड़ा रुख अपना लिया है। विभाग द्वारा की जा रही भूमि दस्तावेजों की स्क्रूटनी में कई गंभीर विसंगतियां सामने आई हैं, जिसके बाद विभाग ने सख्त कदम उठाते हुए गड़बड़ी वाले कॉलेजों की जांच सीधे संबंधित जिले के डीएम को सौंपने का निर्णय लिया है। इस संबंध में विश्वविद्यालय की संबंधन शाखा को विभाग की ओर से आपत्ति पत्र भी प्राप्त हो चुका है। शिक्षा विभाग के कड़े नियमों के मुताबिक ग्रामीण (देहाती) क्षेत्रों में नया डिग्री कॉलेज खोलने के लिए कम से कम पांच एकड़ जमीन होना अनिवार्य है। इसके साथ ही नियम यह भी है कि यह पूरी जमीन अधिकतम दो खंडों (प्लॉट) में ही होनी चाहिए। लेकिन भोजपुर, बक्सर, कैमूर और रोहतास जिले के जिन चार कॉलेजों के प्रस्तावों पर विभाग ने आपत्ति जताई है, वे इस मानक को पूरा करने में पूरी तरह विफल साबित हुए हैं। जांच में पाया गया कि इन कॉलेजों की भूमि दो से अधिक खंडों में बिखरी हुई है और सबसे बड़ी बात यह कि एक दस्तावेज (कागजात) के आधार पर पांच एकड़ की निर्धारित जमीन भी पूरी नहीं हो रही है। इसी तकनीकी विसंगति के कारण विभाग ने इन प्रस्तावों को होल्ड पर डाल दिया है।उच्च शिक्षा विभाग ने अब साफ कर दिया है कि जब तक संबंधित जिलों के डीएम इन कॉलेजों के भूमि अभिलेखों का भौतिक और कानूनी सत्यापन करके अपनी क्लिन चिट रिपोर्ट नहीं सौंप देते, तब तक संबंधन की प्रक्रिया आगे नहीं बढ़ेगी। विभाग इस बार कॉलेजों द्वारा उपलब्ध कराई गई भूमि की वैधता और मानकों की गहनता से जांच कर रहा है, यही वजह है कि अब तक किसी भी नए कॉलेज के संबंधन प्रस्ताव को हरी झंडी नहीं मिल सकी है। इस प्रशासनिक कड़ाई के बाद अब गेंद विश्वविद्यालय प्रशासन और संबंधित कॉलेज प्रबंधनों के पाले में है, जिन्हें अब डीएम स्तर पर अपनी भूमि के सही होने का प्रमाण देना होगा। सोसाइट की सुरक्षा व्यवस्था पर उठे गंभीर सवाल इस घटना के बाद वास्तु विहार सोसाइटी की सुरक्षा व्यवस्था पर एक बार फिर सवाल खड़े हो गए हैं। स्थानीय लोगों का कहना है कि पिछले कई वर्षों से सोसाइटी में चोरी की घटनाएं होती रही हैं, जिससे निवासी भय के माहौल में रहने को मजबूर हैं। उनका आरोप है कि सोसाइटी की चारदीवारी होने के बावजूद पर्याप्त सुरक्षा व्यवस्था नहीं है। निवासियों के अनुसार, कई स्थानों पर लगे सीसीटीवी कैमरे खराब पड़े हैं, गेट पर सुरक्षा जांच प्रभावी नहीं है और बाहरी लोगों का प्रवेश बिना उचित पहचान के हो जाता है। फेरीवाले, सब्जी विक्रेता तथा अन्य लोग बिना पंजीकरण और सत्यापन के परिसर में प्रवेश कर लेते हैं, जिससे चोरी जैसी घटनाओं की आशंका बनी रहती है।

पिकअप से 12 लाख की शराब जब्त, दो गिरफ्तार

बक्सर। उत्पाद पुलिस ने शुक्रवार को 117 पेटी शराब जब्त की। इस मामले में दो लोगों को गिरफ्तार भी किया गया है। उत्पाद अधीक्षक अशरफ जमाल ने बताया कि दोपहर करीब 3 बजे वीर कुंवर सिंह चेकपोस्ट के ऊपरी पुल पर वाहन जांच के दौरान पिकअप की तलाशी ली गई। पिकअप में सड़े हुए लकड़ी के फर्नीचर की आड़ में छिपाकर ले जाई जा रही भारी मात्रा में विदेशी शराब जब्त की गई। मध्य निषेध चेक पोस्ट प्रभारी कुंदन कुमार के नेतृत्व में कार्रवाई की गई। वाहन से कुल 117 पेटी विदेशी शराब जब्त हुई। इसकी कुल मात्रा 1010.88 लीटर बताई गई है। शराब की अनुमानित बाजार कीमत करीब 12.13 लाख रुपये आंकी गई है। पुलिस ने पिकअप वाहन को जब्त कर लिया। उसपर सवार दो तस्करों को गिरफ्तार किया गया है। गिरफ्तार लोगों में नवीन कुमार, ग्राम चोपईरामपुरवा, थाना द्वारकागंज चौकी, जिला सुल्तानपुर (उत्तर प्रदेश) तथा केशव, ग्राम रोहिणी सेक्टर-20, थाना अमन बिहार, जिला सापरी (राजस्थान) है। पूछताछ में पता चला है कि शराब की यह खेप दिल्ली से मुजफ्फरपुर भेजी जा रही थी। तस्करों ने पुलिस और जांच एजेंसियों की नजर से बचने के लिए शराब को सड़े हुए लकड़ी के फर्नीचर के बीच छिपाकर रखा था।

करंट लगने से छात्र की मौत

आरा। भोजपुर में करंट लगने से छात्र की मौत हो गई। हाईवोल्टेज तार की चपेट में आने से हादसा हुआ है। मृतक की पहचान बरीसवन निवासी अजय कुमार तिवारी के पुत्र आयुष कुमार(16) के तौर पर हुई है। घटना शाहपुर थाना क्षेत्र की है। मृतक के चाचा रामाकांत तिवारी ने बताया कि रोज की तरह गांव में घूमने निकला था। रास्ते में कदम का पेड़ है, जहां विद्युत प्रवाहित तार में उसका हाथ सट गया। झटका लगते ही जमीन पर गिर पड़ा। सूचना मिलने पर परिवार के लोग मौके पर पहुंचे। आनन-फानन में रेफरल अस्पताल लेकर गए। जहां डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया।

मां का रो-रोकर बुरा हाल: सदर अस्पताल में पोस्टमार्टम के बाद पुलिस ने परिजन को शव सौंप दिया। मृतक घर में सबसे छोटा था। परिवार में मां रिंकी देवी और भाई प्रिंस तिवारी है। पिता दिव्यांग हैं। मौत के बाद मां और परिवार के सभी सदस्यों का रो-रोकर बुरा हाल है।

एनकाउंटर-परिजन से मिले उत्तर प्रदेश कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष

सोन वर्षा वाणी | संवाददाता

आरा। भोजपुर में 17 जून को भरत तिवारी के एनकाउंटर के बाद से लगातार राजनीतिक और सामाजिक विरोध जारी है। इसी क्रम में शनिवार को उत्तर प्रदेश कांग्रेस कमेटी के प्रदेश अध्यक्ष अजय राय और हरियाणा के कांग्रेस विधायक कुलदीप वत्स बिलौटी गांव पहुंचे। दोनों नेताओं ने भरत भूषण तिवारी के माता-पिता और परिजनों से मुलाकात की और उन्हें न्याय दिलाने का भरोसा दिया। अजय राय ने भरत की मां आशा देवी के पैर छूकर प्रणाम किया और कहा, "आपका बेटा वीर था।" वहीं, कुलदीप वत्स ने परिजनों को गले लगाकर संवेदना व्यक्त की। अजय राय ने आरोप लगाया कि भरत तिवारी का पुलिस एनकाउंटर नहीं, बल्कि हत्या की गई है। उन्होंने राज्य और केंद्र सरकार से इस मामले की CBI जांच कराने की मांग करते हुए कहा कि दोषी पुलिसकर्मियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई होनी चाहिए।

दोषियों पर कार्रवाई नहीं हुई तो सड़क से सदन तक होगा आंदोलन: अजय राय ने पुलिस कार्रवाई पर सवाल उठाते हुए कहा, "पुलिस ने पहले तीन गोलियां लगने की बात कही थी, जबकि पोस्टमार्टम रिपोर्ट में पांच गोलियां लगने की पुष्टि हुई है। उन्होंने मांग की कि घटना में शामिल सभी पुलिसकर्मियों के खिलाफ हत्या का मुकदमा दर्ज कर उन्हें तत्काल गिरफ्तार किया जाए। साथ ही फास्ट ट्रैक कोर्ट में सुनवाई कर दोषियों को कड़ी सजा दिलाई जाए।" उन्होंने कहा, "यदि दोषी पुलिसकर्मियों के खिलाफ कार्रवाई नहीं की गई, तो कांग्रेस पार्टी सड़क से लेकर सदन तक आंदोलन करेगी। राहुल गांधी का एक-एक सिपाही इस परिवार के साथ खड़ा है। न्याय नहीं मिला तो कांग्रेस चुप नहीं बैठेगी।" अजय राय ने आरोप लगाया कि पीड़ित परिवार को अब भी प्रशासन की ओर से धमकाया जा रहा है। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि परिवार के किसी भी सदस्य को किसी प्रकार का नुकसान पहुंचा, तो कांग्रेस पूरे देश में आंदोलन करेगी। उन्होंने कहा कि भाजपा शासित राज्यों में जंगलराज जैसी स्थिति है। उन्होंने कहा कि भरत भूषण तिवारी का सपना व्यवस्था परिवर्तन का था और कांग्रेस उसी लड़ाई को आगे बढ़ा रही है। उनके अनुसार, आज देश की व्यवस्था कुछ बड़े उद्योगपतियों के प्रभाव में चल रही है और इसमें बदलाव की जरूरत है। अजय राय ने यह भी आरोप लगाया कि भाजपा शासित राज्यों में ब्राह्मणों को निशाना बनाया जा रहा है। उन्होंने गोरखपुर के विनोद उपाध्याय और बिहार के भरत भूषण तिवारी की घटनाओं का उल्लेख करते हुए कहा कि भरत भूषण तिवारी की सुनियोजित तरीके से हत्या की गई, क्योंकि वह व्यवस्था के खिलाफ आवाज उठा रहे थे और उनका किसी से कोई व्यक्तिगत विवाद नहीं था।

'भरत तिवारी गरीबों और शोषितों की आवाज था': हरियाणा के कांग्रेस विधायक कुलदीप वत्स ने भरत भूषण तिवारी को "आज का शहीद" बताते हुए मामले की CBI जांच की मांग की।

चाइल्ड हेल्पलाइन 1098 के प्रति लोगों को किया जागरूक

सोन वर्षा वाणी | संवाददाता

आरा। समाज कल्याण विभाग, बिहार के निर्देशा पर जिला बाल संरक्षण इकाई भोजपुर एवं जिला प्रशासन की ओर से जन-जागरूकता नुक्कड़ नाटक मुस्कान का मंचन किया गया। नाटक का उद्देश्य लोगों को चाइल्ड हेल्पलाइन 1098, बाल विवाह निषेध तथा परित्यक्त एवं असहाय बच्चों के कानूनी संरक्षण के प्रति जागरूक करना था। नुक्कड़ नाटक के माध्यम से बाल अधिकारों की सुरक्षा, बाल विवाह के दुष्परिणाम, चाइल्ड हेल्पलाइन 1098 की उपयोगिता तथा परित्यक्त बच्चों को मिलने वाले कानूनी संरक्षण एवं सरकारी सहायता की जानकारी प्रभावी ढंग से दी गई। कलाकारों ने अपने सशक्त अभिनय के जरिए सामाजिक कुरीतियों के खिलाफ जागरूकता का संदेश दिया। जिला बाल संरक्षण इकाई, भोजपुर के सहायक निदेशक आलोक कुमार गौतम ने कहा कि बच्चों की सुरक्षा और उनके अधिकारों की रक्षा समाज की सामूहिक जिम्मेदारी है। यदि किसी बच्चे के साथ शोषण, उपेक्षा, बाल श्रम, बाल विवाह या अन्य किसी प्रकार की समस्या की जानकारी मिले तो तत्काल चाइल्ड हेल्पलाइन 1098 पर सूचना दें, ताकि समय पर आवश्यक सहायता उपलब्ध कराई जा सके। विद्या कला उत्थान फाउंडेशन के संस्थापक मुकेश कुमार ने कहा कि नुक्कड़ नाटक जन-जागरूकता का प्रभावी माध्यम है।

एक जुलाई से श्रमिकों को 125 दिन मिलेगा काम

सोन वर्षा वाणी | संवाददाता

बक्सर। जिले में ग्रामीण श्रमिकों को अधिक रोजगार उपलब्ध कराने और गांवों में टिकाऊ विकास कार्यों को बढ़ावा देने के उद्देश्य से एक जुलाई से विकसित भारत गारंटी फॉर रोजगार एवं आजीविका मिशन (वीबी-जी राम-जी 2025) लागू किया जाएगा। इस नई व्यवस्था के तहत प्रत्येक वित्तीय वर्ष में ग्रामीण श्रमिकों को साल में 125 दिनों के रोजगार की गारंटी दी जाएगी। योजना के अंतर्गत जल संरक्षण एवं जल सुरक्षा, ग्रामीण आधारभूत संरचना का विकास, आजीविका संवर्धन, जलवायु परिवर्तन के प्रभावों को कम करने वाले कार्य, रोजगार सृजन पर विशेष जोर दिया जाएगा। साथ ही पंचायतों को चक्रीय अर्थव्यवस्था में योगदान देने के लिए सक्षम बनाया जाएगा। राज्य सरकार बुआई और कटाई के चरम मौसम को ध्यान में रखते हुए प्रत्येक वर्ष 60 दिनों की अवधि के लिए अधिसूचना जारी करेगी। इस अवधि में योजना के तहत कार्य नहीं कराया जाएगा। योजना के वित्तीय प्रावधान के अनुसार, केंद्र प्रायोजित इस योजना में 60 प्रतिशत राशि केंद्र सरकार तथा 40 प्रतिशत राशि राज्य सरकार वहन करेगी। योजना के क्रियान्वयन में पारदर्शिता और जवाबदेही सुनिश्चित करने के लिए बायोमेट्रिक प्रमाणीकरण, स्पेशियल टेक्नोलॉजी आधारित योजना निर्माण, डिजिटल मॉनिटरिंग, साप्ताहिक सार्वजनिक खुलासा, मजबूत सोशल ऑडिट जैसी आधुनिक व्यवस्थाएं लागू की जाएंगी। भ्रष्टाचार पर लगाम और पारदर्शिता ▪ बिचौलियों का खेल खत्मः ये तकनीकें लाएंगी पारदर्शिता योजना को पूरी तरह पारदर्शी बनाने के लिए सरकार ने आधुनिक तकनीक का सहारा लिया है: ▪ बायोमेट्रिक प्रमाणीकरण: फर्जी हाजिरी और फर्जी भुगतान पर पूरी तरह रोक लगेगी। ▪ स्पेशियल टेक्नोलॉजी: सैटेलाइट और मैपिंग आधारित योजना निर्माण होगा, जिससे केवल जरूरी और वास्तविक काम ही जमीन पर होंगे। ▪ साप्ताहिक सार्वजनिक खुलासा: हर हफ्ते काम और भुगतान का ब्योरा सार्वजनिक किया जाएगा ताकि कोई गड़बड़ी न हो सके। 15 दिनों में रोजगार नहीं मिलने पर भत्ता योजना के तहत यदि कोई श्रमिक काम की मांग करता है और 15 दिनों के भीतर उसे रोजगार उपलब्ध नहीं कराया जाता, तो बेरोजगारी भत्ता देना अनिवार्य होगा। यह नया कानून ग्रामीण रोजगार को विकसित भारत 2027 के दीर्घकालिक विकास लक्ष्यों से जोड़ने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है। साथ ही, जब तक केंद्र सरकार नई मजदूरी दर निर्धारित नहीं करती, तब तक श्रमिकों को मनरेगा के तहत मजदूरी का ही भुगतान किया जाएगा।

शहीद सुनील सिंह को मिला राष्ट्रीय सम्मान

सोन वर्षा वाणी | संवाददाता

बक्सर। बक्सर के चौसा गांव निवासी भारतीय सेना के हवलदार सुनील सिंह को आखिरकार आधिकारिक राष्ट्रीय सम्मान मिल गया है। ऑपरेशन सिंदूर के दौरान सर्वोच्च बलिदान देने वाले हवलदार सुनील सिंह का नाम नई दिल्ली स्थित नेशनल वॉर मेमोरियल के रोल ऑफ ऑनर में शामिल किया गया है। उनके नाम को नेशनल वॉर मेमोरियल की वेबसाइट के रोल ऑफ ऑनर में दर्ज किया गया है। साथ ही, राष्ट्रीय युद्ध स्मारक की 3डी वॉल पर वर्ष 2025 के खंड में भी उनका नाम अंकित कर दिया गया है।

त्याग चक्र पर नाम हुआ दर्ज: नेशनल वॉर मेमोरियल के त्याग चक्र में बनी 16 गोलाकार ग्रेनाइट दीवारों पर आजादी के बाद देश के लिए सर्वोच्च बलिदान देने वाले सभी सैनिकों के नाम अंकित हैं, अब इस सूची में हवलदार सुनील सिंह का नाम भी शामिल हो गया है। ऑपरेशन सिंदूर के दौरान सर्वोच्च बलिदान देने वाले छह जवानों के नाम पहली बार आधिकारिक तौर पर सार्वजनिक किए गए हैं, जिनमें चौसा निवासी हवलदार सुनील सिंह का नाम भी शामिल है। इन छह शहीदों में पांच थल सेना से और एक भारतीय वायु सेना से थे। इस ऑपरेशन में बिहार से सम्मान पाने वाले वह इकलौते शहीद हैं।

शहीद के परिवार ने संतोष किया व्यक्त: इससे पहले, बिहार के राष्ट्रपति और मुख्यमंत्री ने शहीद की वीरांगना और अन्य परिजनों से मुलाकात कर उन्हें सांत्वना दी थी। हवलदार सुनील सिंह को मरणोपरांत सेना मेडल से भी सम्मानित किया गया था। नेशनल वॉर मेमोरियल के रोल ऑफ ऑनर में नाम शामिल होने के बाद शहीद के परिवार ने संतोष व्यक्त किया है। बक्सर जिले के चौसा गांव से निकलकर देश की रक्षा में सर्वोच्च बलिदान देने वाले हवलदार सुनील सिंह का नाम अब हमेशा के लिए देश के वीर शहीदों की सूची में दर्ज हो गया है। लंबे इंतजार के बाद मिले इस आधिकारिक सम्मान ने न केवल परिवार, बल्कि पूरे बिहार और बक्सर को गर्व से भर दिया है।

मातम, नौहा व अकीदत के साथ निकला ताजिया जुलूस

सोन वर्षा वाणी | संवाददाता

आरा। मुहर्रम की 10वीं तारीख यौमे आशूरा पर आरा शहर में शिया समुदाय की ओर से पारंपरिक मातमी ताजिया जुलूस निकाला गया। लगभग 200 वर्ष पुरानी इस परंपरा के तहत महादेवा, महाजन टोली नंबर-1 के डिप्टी शेर अली के इमामबाड़ा से स्व. अहमद हुसैन की ओर से जुलूस शुरू हुआ। यह महादेवा रोड, धर्मन चौक, टाउन थाना, नाला मोड़ और पुरानी पुलिस लाइन होते हुए छोटी कर्बला, मौला बाग में जाकर संपन्न हुआ। जुलूस में कर्बला के शहीद हजरत इमाम हुसैन और उनके 72 साथियों की शहादत को याद करते हुए नौहा पढ़ा गया और मातम किया गया। शिया समुदाय के लोग काले वस्त्र पहनकर शोक व्यक्त करते हुए शामिल हुए। जुलूस में विभिन्न समुदायों के लोगों ने भी भाग लेकर आपसी भाईचारे और सांप्रदायिक सौहार्द का परिचय दिया। जुलूस के दौरान सैयद रेयाज हुसैन, सैयद अली हुसैन, सैयद हसनैन, नासिर हसन और इंतसाब हसन ने नौहा पेश किया। जुल्म जो मुसाफिर पर हो गया, ना भूलेंगे एवं शाहे करबोबला का मातम है जैसे नौहों से माहौल गमगीन हो गया। जुलूस में मौलाना रजा अब्बास, सैयद आबिद बिलग्रामी, सैयद काजिम हुसैन, प्रो. सैयद एजाज हुसैन, मौलाना हसन अब्बास, सैयद अकील हैदर, शब्बीर हसन, सरफराज हैदर, शादाब हुसैन, डॉ. कौनैन रजा समेत बड़ी संख्या में लोग शामिल रहे। सर्वधर्म हुसैनी एकता समाज की ओर से ओम प्रकाश ''मुन्ना'', अधिवक्ता अजीत रंजन, महफूज आलम, एकराम आलम, अखिलेश कुमार, अंजनी सिन्हा, बिरेन्द्र श्रीवास्तव और वीर बहादुर ने जुलूस के संचालन में सहयोग दिया। दूसरी ओर, सुन्नी समुदाय की ओर से परंपरा के अनुसार शहर के विभिन्न इमामबाड़ों पर फातिहा किया गया। चिकटोली, नवादा, बरहबतरा, भलुहीपुर, वलीगंज, जगजीवन मार्केट, बेगमपुर, दुधकटोरा, काजी टोला, पकड़ी और तरी मोहल्ला सहित दर्जनों इमामबाड़े श्रद्धालुओं से गुलजार रहे। हालांकि इस वर्ष सुन्नी समुदाय की किसी बड़ी कमेटी द्वारा ताजिया जुलूस नहीं निकाला गया, लेकिन शहर के शीश महल चौक पर देर रात तक ताजिया के इंतजार में लोगों की भीड़ लगी रही। मुहर्रम के मद्देनजर प्रशासन ने सुरक्षा के व्यापक इंतजाम किए थे। प्रमुख चौक-चौराहों पर दंडाधिकारी के साथ पुलिस बल की तैनाती रही और पूरे आयोजन के दौरान विधि-व्यवस्था शांतिपूर्ण बनी रहीं।मोहर्रम केवल इस्लामी कैलेंडर का महीना नहीं, बल्कि करबला में इमाम हुसैन और उनके 72 साथियों की शहादत की याद है। यह सत्य, न्याय, त्याग, मानवता और अत्याचार के विरुद्ध अडिग संघर्ष का अमर प्रतीक माना जाता है।

बाढ़ की आशंका से खोला जा रहा पीपापुल

ब्रह्मपुर। गंगा नदी में संभावित जलस्तर वृद्धि और बाढ़ को देखते हुए नैनीजोर बिहार घाट स्थित गंगा नदी पर बने अस्थायी पीपापुल को खोलने की प्रक्रिया शुक्रवार से शुरू हो गई। पुल निर्माण विभाग के कर्मियों ने बताया कि जैसे-जैसे गंगा का जलस्तर बढ़ेगा, उसी अनुरूप पुल को पूरी तरह खोल दिया जाएगा। ताकि, तेज बहाव में किसी प्रकार की दुर्घटना न हो। यह प्रक्रिया प्रत्येक वर्ष मानसून और बाढ़ के समय अपनाई जाती है। पीपा पुल के कर्मचारी लखिन्द्र कुमार ने बताया कि जलस्तर में वृद्धि के साथ चरणबद्ध तरीके से पीपों को हटाया जाएगा। पुल पूरी तरह खुलने के बाद लगभग चार महीने तक इस मार्ग से वाहनों का आवागमन बंद रहेगा। नैनीजोर बिहार घाट का यह पीपा पुल बिहार और उत्तर प्रदेश के सीमावर्ती क्षेत्रों के लिए जीवनरेखा माना जाता है। इस पुल के माध्यम7 से प्रतिदिन हजारों लोग आवागमन करते हैं। किसान अपनी खेती-बाड़ी के कार्यों के लिए इस पुल का उपयोग करते हैं। व्यापारी और आम नागरिक भी दोनों राज्यों के बीच आसानी से आवाजाही करते हैं। पुल बंद होने के बाद लोगों को गंगा पार करने के लिए नाव का सहारा लेना पड़ेगा। इससे समय और खर्च दोनों बढ़ जाएंगे। गौरतलब है कि इसी वर्ष मई में तेज आंधी और बारिश के दौरान पीपा पुल क्षतिग्रस्त हो गया था। इसके बाद इसकी मरम्मत कर पुनः आवागमन बहाल किया गया था। अब मानसून के आगमन और बाढ़ की आशंका को देखते हुए नियमानुसार इसे फिर से खोला जा रहा है।

निगम बोर्ड की बैठक में 7 एजेंडों पर चर्चा

आरा। नगर निगम बोर्ड की सामान्य बैठक आज शनिवार को नगर निगम सभागार में होगी। इस संबंध में नगर आयुक्त कार्यालय की ओर से मेयर, सांसद, मंत्री, डिप्टी मेयर तथा सभी वार्ड पार्षदों को पत्र जारी कर बैठक में उपस्थित होने का अनुरोध किया गया है। नगर आयुक्त द्वारा जारी पत्र के अनुसार, बैठक की अध्यक्षता मेयर की सहमति से होगी। बैठक में नगर निगम के विकास कार्यों, सफाई व्यवस्था और विभिन्न जनहित के मुद्दों पर विचार-विमर्श किया जाएगा। बैठक के एजेंडे में सबसे पहले पिछली बैठक की कार्यवाही की पुष्टि की जाएगी। इसके बाद सफाई कर्मचारियों की दैनिक मजदूरी में वृद्धि के प्रस्ताव पर चर्चा होगी। वहीं, नगर जनसंवाद के माध्यम से वार्डों से प्राप्त महत्वपूर्ण योजनाओं को प्रशासनिक स्वीकृति देने पर भी विचार किया जाएगा। बैठक में अर्बन चैलेंज फंड के तहत जगजीवन मार्केट, अम्रपाली मार्केट, महावीर टोला पार्किंग तथा सरदार पटेल बस स्टैंड के पुनर्निर्माण एवं सौंदर्यीकरण की योजनाओं पर भी चर्चा होगी। इसके अलावा नगर निगम द्वारा संचालित शौचालयों के रखरखाव एवं पुनर्निर्माण के प्रस्ताव पर विचार-विमर्श किया जाएगा। बैठक के दौरान रमना मैदान के रखरखाव को बेहतर बनाने के उद्देश्य से प्रवेश शुल्क लगाए जाने के प्रस्ताव पर भी चर्चा होगी। रमना मैदान में शुल्क लगाए जाने का विरोध पहले भी कई वार्ड पार्षद कर चुके हैं। नगर निगम की साधारण बैठक में रमना मैदान के शुल्क पर बहस होने की संभावना है और इस मुद्दे पर पक्ष-विपक्ष के बीच तीखी चर्चा हो सकती है। साथ ही विभिन्न वार्डों में सड़क, नाला, स्ट्रीट लाइट, पेयजल, जलनिकासी तथा लंबित विकास योजनाओं की प्रगति की भी समीक्षा किए जाने की संभावना है। कई प्रस्तावों पर सर्वसम्मति बनाने का प्रयास किया जाएगा। इसके अलावा अध्यक्ष की अनुमति से अन्य विषयों पर भी विचार किया जाएगा। नगर निगम प्रशासन ने सभी पार्षदों एवं संबंधित जनप्रतिनिधियों से बैठक में समय पर उपस्थित होकर महत्वपूर्ण निर्णयों में अपनी सहभागिता सुनिश्चित करने की अपील की है।नगर निगम बोर्ड की बैठक में इस बार विकास योजनाओं के साथ वित्तीय प्रबंधन और जनसुविधाओं से जुड़े प्रस्तावों पर भी नजर रहेगी। खासकर सफाई कर्मियों की मजदूरी, रमना मैदान में प्रवेश शुल्क और अर्बन चैलेंज फंड की परियोजनाओं पर होने वाली चर्चा आगामी दिनों में नगर निगम की प्राथमिकताओं और राजनीतिक समीकरणों की दिशा तय कर सकती है।

अकीदत और अमन के माहौल में निकला मोहर्रम का मातमी जुलूस

सोन वर्षा वाणी | संवाददाता

कोईलवर। मोहर्रम की दसवीं तारीख पर नगर पंचायत कोईलवर समेत प्रखंड के विभिन्न गांवों में हजरत इमाम हुसैन और कर्बला के शहीदों की याद में मातमी जुलूस निकाला गया। अकीदतमंदों ने गमगीन माहौल में कर्बला की शहादत को याद करते हुए इमाम हुसैन को खिराज-ए-अकीदत पेश की। पूरे दिन "या हुसैन" और "या अली" की सदाएं वातावरण में गूंजती रहीं। नगर एवं ग्रामीण क्षेत्रों से पारंपरिक ताजियों के साथ जुलूस निकले, जो निर्धारित मार्गों से गुजरते हुए अपने-अपने गंतव्य तक पहुंचे। जुलूस में शामिल युवाओं ने पारंपरिक अखाड़ों के माध्यम से लाठी, तलवार व अन्य युद्धक कलाओं का प्रदर्शन किया। करतब देखने के लिए मार्ग के दोनों ओर बड़ी संख्या में लोग मौजूद रहे और पूरे आयोजन के दौरान उत्साह का माहौल बना रहा। मोहर्रम के अवसर पर कोईलवर में एक बार फिर सामाजिक सौहार्द की मिसाल देखने को मिली। विभिन्न समुदायों के लोगों ने एक-दूसरे के प्रति सम्मान और सहयोग का परिचय देते हुए आयोजन को शांतिपूर्ण एवं सफल बनाने में अपनी सहभागिता निभाई। स्थानीय लोगों ने इसे क्षेत्र की साझा संस्कृति और आपसी भाईचारे की पहचान बताया।

एसबी कॉलेज में स्वामी सहजानंद सरस्वती की मनाई गई पुण्यतिथि

सोन वर्षा वाणी | संवाददाता

आरा। स्थानीय एसबी कॉलेज परिसर में किसान आंदोलन के प्रणेता और महान स्वतंत्रता सेनानी स्वामी सहजानंद सरस्वती की पुण्यतिथि मनाई गई। कॉलेज परिसर में लगी उनकी प्रतिमा पर माल्यार्पण हुआ। श्रद्धांजलि दी गई। कार्यक्रम की अध्यक्षता गणित विभागाध्यक्ष डॉ. एमके. गिरी ने की। मुख्य अतिथि भोजपुर जिला हिंदी साहित्य सम्मेलन के अध्यक्ष और वीर कुंवर सिंह विश्वविद्यालय के सीनेटर प्रोफेसर बलिराज ठाकुर रहे। संचालन डॉ. उमेश कुमार राय ने किया। धन्यवाद ज्ञापन अर्थशास्त्र विभागाध्यक्ष डॉ. कुमारी प्रियंका भारती ने किया। मुख्य अतिथि प्रो. बलिराज ठाकुर ने स्वामी सहजानंद सरस्वती को किसान आंदोलन का अग्रदूत और जनक बताया। उन्होंने कहा कि स्वामी सहजानंद सरस्वती 20वीं सदी के क्रांतिकारी राजनेता थे। नियति ने उन्हें संन्यास की ओर अग्रसर किया। वे संत थे। भारतीय समाज, संस्कृति, परंपरा के गहरे अध्येता थे। प्रो. ठाकुर ने कहा कि स्वामी जी आजादी की लड़ाई में सक्रिय रहे। शोषित किसानों के हक के लिए भी लड़ते रहे। जमींदारों के अत्याचार का विरोध किया। उनके भाषणों में क्रांति की चिंगारी रहती थी। शोषितों में चेतना जगती थी। कार्यक्रम में कॉलेज के वरिष्ठ प्राध्यापकों और बुद्धिजीवियों ने स्वामी जी के जीवन दर्शन पर बात रखी। उनकी प्रासंगिकता पर प्रकाश डाला।

संक्षिप्त समाचार

वैशाली में महिला की मौत, फॉरेंसिक टीम ने जुटाए सबूत, 3 साल पहले हुई थी शादी

हाजीपुर। वैशाली जिले के करतहा थाना क्षेत्र के घटारो गांव में एक 23 वर्षीय महिला की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई है। सूचना मिलने पर पुलिस ने मौके पर पहुंचकर शव को पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल हाजीपुर भेज दिया और मामले की जांच शुरू कर दी है। मृतका की पहचान सिया सुंदर देवी के रूप में हुई है। वह काजीपुर थाना क्षेत्र के कुतुबपुर कोठी गांव निवासी शंभू पासवान की पुत्री थीं। उनकी शादी तीन साल पहले महेश पासवान के पुत्र आकाश कुमार से हुई थी। मृतका की एक छह महीने की बेटी भी है। वह अपने सात बहनों और एक भाई में सबसे छोटी थीं। सदर एसडीपीओ 02 गोपाल मंडल ने बताया कि महेश पासवान की पुत्रवधू की संदिग्ध हालत में मौत हुई है। सूचना मिलते ही पुलिस घटनास्थल पर पहुंची और शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा। मौके पर फॉरेंसिक टीम भी पहुंची और घटना स्थल से नमूने एकत्र किए। एसडीपीओ मंडल ने आगे बताया कि परिवार के सदस्यों द्वारा अभी तक कोई बयान या आवेदन प्राप्त नहीं हुआ है। आवेदन प्राप्त होते ही प्राथमिकी दर्ज कर आवश्यक कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने यह भी बताया कि महिला के शव के बाहरी हिस्सों पर किसी प्रकार के जख्म के निशान नहीं मिले हैं।

लूटपाट का विरोध करने पर मजदूर को गोली मारी, टोटो यात्रियों से मोबाइल छीने

हाजीपुर। वैशाली के पातेपुर थाना क्षेत्र में शनिवार सुबह करीब साढ़े नौ बजे अपराधियों ने लूटपाट और फायरिंग की घटना को अंजाम दिया। बहुआरा हरप्रसाद मुख्य मार्ग पर बकाढ गांव के पास दो बाइक पर सवार चार अज्ञात अपराधियों ने एक टोटो को रोका और यात्रियों से मोबाइल फोन छीन लिए। विरोध करने पर अपराधियों ने गोली चला दी, जिससे एक मजदूर घायल हो गया। जानकारी के अनुसार, टोटो चालक सुबोध सहनी यात्रियों को लेकर मालपुर गांव की ओर जा रहा था। तभी पीछे से आए अपराधियों ने हथियार के बल पर वाहन को रोक लिया। अपराधियों ने यात्रियों और चालक से तीन से चार मोबाइल फोन लूटे। इसी दौरान, पीछे से मिक्सर मशीन पर सवार होकर आ रहे करीब 10 से 12 मजदूरों को देखकर अपराधियों को लगा कि वे विरोध कर सकते हैं। इसी आशंका में उन्होंने फायरिंग कर दी। इस घटना में पटना जिले के गोसाईं टोला निवासी प्रमोद पासवान (25) नामक एक मजदूर को जांघ में गोली लगी। बताया गया कि घायल प्रमोद तीन दिन पहले ही अपने बहनोई के घर आया था। घायल को पहले पातेपुर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र ले जाया गया, जहां से डॉक्टरों ने गंभीर स्थिति को देखते हुए हाजीपुर रेफर कर दिया। हाजीपुर सदर अस्पताल से भी उसे गंभीर हालत में पटना पीएमसीएच रेफर कर दिया गया है। घटना के बाद सभी अपराधी मौके से फरार हो गए। सूचना मिलते ही पातेपुर थाना पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू कर दी। पुलिस आसपास के सीसीटीवी कैमरों को भी खंगाल रही है। पुलिस ने बताया है कि घायल को इलाज के लिए अस्पताल भेजा गया है और पूरे मामले की जांच-पड़ताल की जा रही है। इस वारदात को लेकर स्थानीय लोगों में चिंता है।

मकई के खेत से मिला राजमिस्त्री का शव, बेटा बोला- पिता की हत्या हुई,लोगों के साथ पूजा देखने गए थे

हाजीपुर। वैशाली के पटेढ़ी बेलसर प्रखंड अंतर्गत शंकर बिंदवारा गांव के समीप एक मकई के खेत से युवक का शव बरामद हुआ है। मृतक की पहचान वीरेंद्र पासवान के रूप में हुई है। घटना की जानकारी मिलते ही ग्रामीणों की भीड़ मौके पर जुट गई और पुलिस को सूचित किया गया। सूचना मिलने पर बेलसर थाना अध्यक्ष प्रवीण कुमार पुलिस बल के साथ घटनास्थल पर पहुंचे। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर उसकी पहचान की पुष्टि की। इसके बाद घटनास्थल का बारीकी से निरीक्षण किया गया और आसपास के लोगों से

पूछताछ शुरू की गई। पुलिस मामले की गंभीरता को देखते हुए हर पहलू से जांच कर रही है। घटनास्थल से साक्ष्य जुटाए जा रहे हैं ताकि युवक की मौत की परिस्थितियों का पता चल सके। पुलिस ने बताया कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही मौत के कारणों का स्पष्ट खुलासा हो पाएगा। घटना की सूचना पर लालगंज सदर 2 अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी (एसडीपीओ) गोपाल मंडल भी घटनास्थल पर पहुंचे। उन्होंने जांच का जायजा लिया और संबंधित अधिकारियों को गहन जांच के निर्देश दिए। पुलिस का कहना है कि सभी संभावित पहलुओं की जांच की जा रही है और साक्ष्यों के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी। मृतक के पुत्र संजीव कुमार ने बताया कि उनके पिता राजमिस्त्री का काम करते थे। उन्होंने बताया कि उनके पिता कल गांव के लोगों के साथ पूजा देखने घर से निकले थे, लेकिन वापस नहीं लौटे। संजीव कुमार के अनुसार, उन्हें आज सूचना मिली कि एक व्यक्ति की हत्या कर मकई के खेत में शव फेंक दिया गया है। मौके पर पहुंचने पर उन्होंने अपने पिता के शव की पहचान की। संजीव ने आरोप लगाया कि किसी ने उनके पिता की हत्या कर शव को मकई के खेत में फेंका है। फिलहाल, शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा जा रहा है। इस घटना के बाद क्षेत्र में तनाव का माहौल बना हुआ है।

मोबाइल चोरी के आरोप में युवक की पीट-पीटकर हत्या, मुहर्रम जुलूस देखने निकला था

हाजीपुर। हाजीपुर के औद्योगिक क्षेत्र थाना अंतर्गत चाणक्य कॉलोनी पच्चीसकुरवा में मोबाइल चोरी के आरोप में एक युवक की पीट-पीटकर हत्या कर दी गई। मृतक की पहचान बिदुपुर थाना क्षेत्र के रहीमापुर निवासी बिशनदेव पासवान के 31 वर्षीय पुत्र संतोष पासवान के रूप में हुई है। संतोष पासवान शुक्रवार रात करीब 8:00 बजे परिवार के साथ मोहर्रम का जुलूस और मेला देखने निकले थे। उन्होंने परिवार को घर भेज दिया और खुद जढुआ करबला मेला देखने की बात कहकर गए थे। शनिवार सुबह संतोष का शव मिलने की सूचना पर परिवार में कोहराम मच गया। संतोष पासवान ताड़ के पेड़ से ताड़ी उतारकर परिवार का भरण-पोषण करते थे। उनके दो पुत्र और दो पुत्रियां हैं। वह तीन भाइयों में से एक थे; उनके एक भाई की एक साल पहले हैदराबाद में सड़क दुर्घटना में मौत हो चुकी है। संतोष की मौत के बाद परिवार के सामने भरण-पोषण का गंभीर संकट खड़ा हो गया है। घटना की जानकारी मिलते ही एसपी शुभांक मिश्रा और औद्योगिक क्षेत्र थाना की पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल भेज दिया। एसपी शुभांक मिश्रा ने बताया कि 25 जून की रात को औद्योगिक थाना क्षेत्र के पच्चीसकुरवा गांव में हत्या की यह घटना सामने आई है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, संतोष पासवान की मोबाइल चोरी के आरोप में हत्या की गई है। उन्होंने बताया कि घटनास्थल का निरीक्षण कर संबंधित पुलिस पदाधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए हैं। मामले में संलिप्त अभियुक्तों की पहचान कर ली गई है और उनकी गिरफ्तारी के लिए लगातार छापेमारी की जा रही है।

भतीजे ने की चाचा की हत्या, केला काटने को लेकर हुआ विवाद

हाजीपुर। हाजीपुर में भूमि विवाद को लेकर भतीजे ने अपने परिवार के साथ मिलकर चाचा, चाची और चचेरे भाई पर धारदार हथियार से हमला कर दिया। इस हमले में चाचा की इलाज के दौरान मौत हो गई, जबकि चाची और चचेरे भाई का इलाज चल रहा है। घटना सदर थाना क्षेत्र के इस्माइलपुर की है। मृतक की पहचान स्थानीय स्वर्गीय लगन राम के बेटे आमोद राम(50) के रूप में हुई है। उनकी पत्नी 50 वर्षीय इंदु देवी और 28 वर्षीय बेटे विकास कुमार घायल हुए हैं। यह घटना शुक्रवार रात की है। चंदन राम और आमोद राम के बीच पुराने भूमि विवाद को लेकर कहासुनी हुई। विवाद बढ़ने पर चंदन राम ने अपने पूरे परिवार के साथ मिलकर आमोद राम, उनकी पत्नी इंदु देवी और बेटे विकास कुमार पर धारदार हथियार से हमला कर दिया। तीनों गंभीर रूप से घायल हो गए। स्थानीय लोगों की मदद से घायलों को आनन-फानन में सदर अस्पताल पहुंचाया गया। डॉक्टरों ने जांच के बाद आमोद राम को मृत घोषित कर दिया। उनकी पत्नी इंदु देवी को बेहतर इलाज के लिए पटना रेफर किया गया है। घटना के बाद मृतक के परिजनों ने बिना पोस्टमॉर्टम कराए शव को गांव ले जाकर सड़क जाम कर दिया।

बेली रोड पर डायवर्जन नहीं होगा, मानसून के चलते लिया गया फैसला

मेट्रो निर्माण के कारण एक लेन बंद करने का फैसला टला

सोन वर्षा वाणी | संवाददाता

पटना। बेली रोड पर मेट्रो के कारण आज से गाड़ियों की आवाजाही पर लगने वाली रोक अनिश्चितकाल के लिए टाल दी गई है। आज से बेली रोड के एक लेन को बंद किया जाना था। मगर बरसात के कारण ये फैसला स्थगित कर दिया गया है। मेट्रो के पुराने जितने भी प्रोजेक्ट हैं, जहां निर्माण कार्य को अंतिम रूप दिया जाना है सबसे पहले उसे पूरा किया जाएगा। इसके बाद बेली रोड पर अंडरग्राउंड निर्माण कार्य होगा और उसी अनुसार यातायात में बदलाव किया जाएगा।

जिन इलाकों में मेट्रो निर्माण कार्य चल रहा है, वह जारी रहेगाः ट्रैफिक प्रशासन के मुताबिक बेली रोड पर अभी जिन इलाकों में मेट्रो निर्माण कार्य चल रहा है, वह जारी रहेगा। मगर वाहनों का परिचालन बाधित नहीं रहेगा। अभी बेली रोड पर इनकम टैक्स गोलंबर से चिड़ियाखाना 5 जगहों पर भूमिगत काम चल रहा है। इसके लिए घेराबंदी भी कर दी गई है, लेकिन दोनों लेन में वाहनों का परिचालन जारी है। एक लेन बंद होने के बाद शहर की पांच सड़कों पर वाहनों का दबाव अधिक हो जाता। ऐसे में मानसून में लोगों को दिक्कत हो सकती थी।

बेली रोड पर करीब 3 साल तक गाड़ियां नहीं चलतीः चिड़ियाघर के गेट नंबर 1 से इनकम टैक्स गोलंबर तक तीन साल तक ऑटो, ई-रिक्शा और बसों के परिचालन पर रोक लगने वाली थी। पहले फेज में चिड़ियाघर के गेट नंबर एक से विकास भवन तक रोक रहती। फिर दो-तीन महीने बाद दूसरे फेज में विकास भवन से इनकम टैक्स गोलंबर तक रोक बढ़ाई जाती। इससे पहले 21 और 22 जून को ही ट्रायल होना था, लेकिन नीट परीक्षा की वजह से इसे टाल दिया गया था। इस मार्ग पर बड़ी संख्या में परीक्षा केंद्र स्थित थे।

इस दौरान निजी गाड़ियों के लिए पटेल भवन से विकास भवन तक 'वन वे' रहता। पैसेंजर वाहनों के लिए वैकल्पिक मार्ग तय किए जाते। इस मार्ग से रोजाना करीब 1.50 लाख से 2 लाख गाड़ियां गुजरती हैं, जिनमें करीब 5 हजार से अधिक ऑटो, 1 हजार ई-रिक्शा और 60 से अधिक बसें शामिल हैं। यहां सुबह 9 से 11:30 बजे और शाम 5:30 से रात 8:30 बजे के बीच सबसे ज्यादा ट्रैफिक रहता है।

मकान में काम कर रहे मजदूर की संदिग्ध मौत, मकान मालिक फरार; पुलिस जांच में जुटी

सोन वर्षा वाणी | संवाददाता

पटना। दुल्हिन बाजार थाना क्षेत्र के बंधन बैंक गली में शनिवार को एक मकान में काम कर रहे मजदूर की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। घटना के बाद मकान मालिक पप्पू कुमार के मौके से फरार हो जाने से मामला और भी संदेहास्पद हो गया है। सूचना मिलते ही इलाके में लोगों की भीड़ जुट गई, जबकि मृतक के परिजनों में कोहराम मच गया। मृतक के पुत्र ने मकान मालिक पप्पू कुमार पर गंभीर आरोप लगाते हुए कहा कि उनके पिता की मौत सामान्य नहीं है। उन्होंने पूरे मामले की निष्पक्ष जांच कर दोषियों के खिलाफ कड़ी कानूनी कार्रवाई की मांग की है।

परिजनों का कहना है कि घटना के पीछे की सच्चाई सामने आनी चाहिए। घटना की सूचना मिलते ही दुल्हिन बाजार थाना पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। पुलिस ने घटनास्थल से आवश्यक साक्ष्य जुटाने की प्रक्रिया शुरू कर दी है तथा फरार मकान मालिक की तलाश में छापेमारी कर रही है। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि मजदूर की मौत के वास्तविक कारणों का खुलासा पोस्टमार्टम रिपोर्ट और विस्तृत जांच के बाद ही हो सकेगा। फिलहाल मामले के हर पहलू की गंभीरता से जांच की जा रही है।

राबड़ी देवी ने सरकार से मांगी समानों की लिस्ट

सोन वर्षा वाणी | संवाददाता

पटना। पूर्व मुख्यमंत्री राबड़ी देवी के सहायक ने भवन निर्माण विभाग को लेटर लिखा है। लेटर के जरिए उन्होंने 10 सर्कुलर रोड स्थित सरकारी आवास का चार्ज रजिस्टर और विभाग की ओर से उपलब्ध कराए गए सभी सामानों की लिस्ट मांगी है। पत्र में कहा गया है कि आवास खाली करते समय सरकारी सामानों का सही मिलान हो सके और किसी तरह का विवाद या भ्रम की स्थिति न बने। इसलिए विभाग सामानों की पूरी लिस्ट दें। जानकारी के अनुसार, राबड़ी देवी की ओर से यह सूची इसलिए मांगी गई है ताकि भविष्य में उन पर यह आरोप न लगे कि आवास खाली करते समय सरकारी सामान भी अपने साथ ले जाया गया। 10 सर्कुलर रोड स्थित सरकारी आवास को खाली करने के लिए राबड़ी देवी को चौथा नोटिस भेजा गया है। इस नोटिस के जरिए राबड़ी परिवार को 29 जून तक का अल्टीमेटम दिया गया है। लेटर में यह भी कहा गया है कि 39, हार्डिंग रोड स्थित नए सरकारी आवास में निर्माण कार्य पूरा होने की आधिकारिक सूचना अब तक प्राप्त नहीं हुई है। इसके बावजूद विभाग को सूचित किया गया है कि 10 सर्कुलर रोड स्थित सरकारी आवास जल्द खाली कर दिया जाएगा। 10 सर्कुलर रोड स्थित सरकारी आवास 29 जून तक खाली किया जाना है। इसी कारण शिफ्टिंग की प्रक्रिया तेज कर दी गई है। शुक्रवार को आवास के अंदर और बाहर लगे CCTV कैमरे हटा दिए गए। वहीं, सामान पैक करने का काम भी लगातार जारी है।

मुहर्रम पर मानवता और सेवा की मिसाल, निःशुल्क चिकित्सा शिविर व शीतल शर्बत वितरण

सोन वर्षा वाणी | संवाददाता

बरौनी (बेगूसराय)। नगर परिषद बरौनी क्षेत्र में मुहर्रम पर्व के अवसर पर मानवता, सेवा और सामाजिक सौहार्द की अनूठी मिसाल देखने को मिली। हेल्थ केयर क्लीनिक के बैनर तले एक विशाल निःशुल्क चिकित्सा शिविर का आयोजन किया गया, जहां स्थानीय नागरिकों के साथ ताजिया जुलूस में शामिल अकीदतमंदों एवं राहगीरों को स्वास्थ्य संबंधी सेवाएं उपलब्ध कराई गईं। इसके साथ ही भीषण गर्मी से राहत पहुंचाने के उद्देश्य से शीतल शर्बत का भी निःशुल्क वितरण किया गया। चिकित्सा शिविर में बड़ी संख्या में लोगों ने स्वास्थ्य जांच कराई और चिकित्सकों से आवश्यक परामर्श प्राप्त किया। आयोजन के दौरान डॉक्टरों की टीम ने लोगों को सामान्य बीमारियों से बचाव, गर्मी में स्वास्थ्य संबंधी सावधानियों तथा प्राथमिक उपचार के बारे में भी जानकारी दी। भीषण गर्मी को देखते हुए ताजिया जुलूस में शामिल प्रतिभागियों, स्वयंसेवकों एवं आम लोगों के बीच ठंडे शर्बत का वितरण किया गया। सेवा भाव से की गई इस व्यवस्था की लोगों ने मुक्तकंठ से सराहना करते हुए आयोजकों के प्रति आभार व्यक्त किया। इस जनकल्याणकारी कार्यक्रम का नेतृत्व मो. ग्यासउद्दीन एवं डॉ. गणेश कुमार ने संयुक्त रूप से किया। उनके मार्गदर्शन में पूरी टीम ने समर्पण और सेवा भावना के साथ कार्यक्रम का सफल संचालन किया। शिविर में डॉ. गणेश कुमार, डॉ. आकाश, डॉ. रौशनी प्रवीण, डॉ. सदाफ़ नियाज़, मो. तनवीर, सिस्टर अमिता, सिस्टर खुशबू सहित अन्य सहयोगियों ने सक्रिय भूमिका निभाते हुए लोगों को स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान कीं।

इस अवसर पर डॉ. गणेश कुमार ने कहा कि "मुहर्रम केवल आस्था का पर्व नहीं, बल्कि त्याग, सेवा और मानवता का भी प्रतीक है। ऐसे अवसर पर जरूरतमंदों की सहायता करना हम सभी का सामाजिक दायित्व है। भीषण गर्मी में लोगों को राहत पहुंचाना और उनके स्वास्थ्य का ध्यान रखना ही इस चिकित्सा शिविर का मुख्य उद्देश्य था।" वहीं डॉ. आकाश ने कहा कि समाजसेवा की ऐसी पहल भविष्य में भी लगातार जारी रहेगी। उन्होंने कहा कि चिकित्सा सेवा और जनकल्याण के माध्यम से समाज के प्रत्येक वर्ग तक सहायता पहुंचाना उनकी प्राथमिकता है।

जम्मू-कश्मीर के उपराज्यपाल से मिले बिहार विधानसभा अध्यक्ष डॉ. प्रेम कुमार

अमरनाथ यात्रा की तैयारियों पर हुई चर्चा

सोन वर्षा वाणी | संवाददाता

पटना। बिहार विधानसभा के अध्यक्ष डॉ. प्रेम कुमार ने अपने जम्मू-कश्मीर प्रवास के दौरान उपराज्यपाल मनोज सिन्हा से लोक भवन में शिष्टाचार भेंट की। दोनों नेताओं के बीच आत्मीय एवं सौहार्दपूर्ण वातावरण में विभिन्न समसामयिक विषयों पर विस्तृत चर्चा हुई।

बैठक के दौरान जम्मू-कश्मीर में चल रहे विकास कार्यों, आधारभूत संरचना के विस्तार, पर्यटन को बढ़ावा देने तथा जनकल्याण से जुड़े विभिन्न मुद्दों पर विचार-विमर्श किया गया। दोनों के बीच क्षेत्र के समग्र विकास और नागरिक सुविधाओं को और बेहतर बनाने को लेकर भी सकारात्मक चर्चा हुई।

इस अवसर पर आगामी 3 जुलाई से प्रारंभ होने वाली श्री अमरनाथ यात्रा की तैयारियों पर भी विस्तार से चर्चा की गई। उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने यात्रा के सफल एवं सुरक्षित संचालन के लिए प्रशासन द्वारा किए जा रहे व्यापक प्रबंधों की जानकारी दी। उन्होंने श्रद्धालुओं की सुरक्षा, आवास, स्वास्थ्य सुविधाओं, यातायात व्यवस्था तथा अन्य आवश्यक इंतजामों का उल्लेख करते हुए विश्वास जताया कि इस वर्ष भी श्री अमरनाथ यात्रा शांतिपूर्ण एवं सफलतापूर्वक संपन्न होगी।

बिहार विधानसभा अध्यक्ष डॉ. प्रेम कुमार ने जम्मू-कश्मीर में विकास की तेज गति तथा तीर्थयात्रियों की सुविधा एवं सुरक्षा के लिए किए जा रहे प्रयासों की सराहना की। उन्होंने कहा कि श्री अमरनाथ यात्रा देश की सांस्कृतिक, आध्यात्मिक और राष्ट्रीय एकता का सशक्त प्रतीक है। यह यात्रा देश के विभिन्न हिस्सों के लोगों को एक सूत्र में जोड़ने का कार्य करती है।

डॉ. प्रेम कुमार ने विश्वास व्यक्त किया कि केंद्र शासित प्रदेश प्रशासन, सुरक्षा एजेंसियों और विभिन्न विभागों के समन्वित प्रयासों से इस वर्ष भी श्री अमरनाथ यात्रा सफल, सुरक्षित और सुव्यवस्थित ढंग से संपन्न होगी।

फुलवारी शरीफ में मोहर्रम अखाड़ा के दौरान दारोगा घायल

सोन वर्षा वाणी | संवाददाता

पटना। पटना के फुलवारी शरीफ में मोहर्रम के जुलूस और पारंपरिक अखाड़ा प्रदर्शन के दौरान शनिवार को एक पुलिसकर्मी घायल हो गए। लाठी प्रदर्शन के दौरान लगी चोट से फुलवारी शरीफ थाना में पदस्थापित सब-इंस्पेक्टर गोपाल मिश्रा जख्मी हो गए। पुलिस ने मामले में एक युवक को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार युवक की पहचान शाहनवाज के रूप में हुई है। जानकारी के अनुसार, घटना चुनौती कुआं इलाके के पास हुई, जहां मोहर्रम के अवसर पर पारंपरिक लाठी प्रदर्शन चल रहा था। इसी दौरान प्रदर्शन के बीच अचानक एक लाठी सब-इंस्पेक्टर गोपाल मिश्रा के गाल पर लग गई। घटना के बाद कुछ देर के लिए मौके पर अफरा-तफरी का माहौल बन गया। घटना के तुरंत बाद घायल सब-इंस्पेक्टर को फुलवारी शरीफ स्थित सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र ले जाया गया, जहां उनका प्राथमिक उपचार किया गया। पुलिस के अनुसार उनकी स्थिति फिलहाल खतरे से बाहर है। फुलवारी शरीफ थाना के अधिकारी और अतिरिक्त पुलिस बल मौके पर पहुंच गए। पुलिस ने लाठी चला रहे युवक को हिरासत में ले लिया। फुलवारी शरीफ पुलिस अनुमंडल पदाधिकारी-1 सुशील कुमार ने घटना की पुष्टि की। उन्होंने बताया, 'चुनौती कुआं के पास लाठी प्रदर्शन के दौरान सब-इंस्पेक्टर गोपाल मिश्रा घायल हुए थे। मामले में आरोपी युवक को गिरफ्तार कर लिया गया है और आगे की कानूनी प्रक्रिया जारी है।'

13 वर्षीय किशोरी की संदिग्ध मौत घर में फंदे से लटका मिला शव

सोन वर्षा वाणी | संवाददाता

पटना। पटना के बाढ़ अनुमंडल अंतर्गत बेलछी थाना क्षेत्र के कबीरचक गांव में शुक्रवार शाम एक 13 वर्षीय किशोरी की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। घटना के बाद इलाके में चर्चा और चिंता का माहौल है। मृतका की पहचान कबीरचक निवासी सोनी पासवान की पुत्री हांसो कुमारी के रूप में हुई है। परिजनों के अनुसार, शुक्रवार शाम परिवार के सदस्य घर के भीतर पहुंचे तो किशोरी को फंदे से लटका हुआ देखा। इसके बाद आनन-फानन में उसे नीचे उतारा गया, लेकिन तब तक उसकी मौत हो चुकी थी। घटना को लेकर रंजन कुमार ने बताया कि हांसो कुमारी पिछले कुछ समय से मानसिक रूप से अस्वस्थ बताई जा रही थी। परिजनों ने आशंका जताई है कि तनाव और अस्वस्थता की स्थिति में उसने यह कदम उठाया हो सकता है। हालांकि मौत के वास्तविक कारणों की आधिकारिक पुष्टि अभी नहीं हुई है। घटना की सूचना मिलते ही बेलछी थाना की टीम मौके पर पहुंची और घटनास्थल का निरीक्षण किया। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर कानूनी प्रक्रिया पूरी की और पोस्टमार्टम के लिए बाढ़ अनुमंडलीय अस्पताल भेज दिया। स्थानीय लोगों का कहना है कि मामला संदिग्ध प्रतीत हो रहा है और पूरी घटना की सभी पहलुओं से जांच होनी चाहिए। ग्रामीणों का मानना है कि मौत किन परिस्थितियों में हुई, इसका स्पष्ट खुलासा पोस्टमार्टम रिपोर्ट और पुलिस जांच के बाद ही हो सकेगा। फिलहाल पुलिस सभी बिंदुओं पर जांच कर रही है और रिपोर्ट आने का इंतजार किया जा रहा है।

नीतीश के आवास पर आरसीपी के कार्यकर्ताओं का हंगामा, बोले- पूर्व केंद्रीय मंत्री को नीतीश से मिलने से एमएलसी ने रोका

सोन वर्षा वाणी | संवाददाता

पटना। पूर्व केंद्रीय मंत्री RCP सिंह शनिवार सुबह पूर्व मुख्यमंत्री नीतीश कुमार से मुलाकात करने पहुंचे। उनके साथ 20-25 समर्थक भी थे। उन्हें 20 मिनट तक बिठाकर रखा गया। कार्यकर्ताओं का कहना है कि नीतीश कुमार से उनकी मुलाकात नहीं हुई। नीतीश अपने कमरे से निकले तो अचानक उनकी नजर RCP पर पड़ी। RCP ने प्रणाम किया। नीतीश ने आम कार्यकर्ता की तरह इशारों में जवाब दिया और अंदर चले गए।

RCP सिंह के समर्थक ने कहा कि MLC संजय गांधी और ललन सराफ ने हमें नीतीश कुमार जी से मिलने से रोका। इसके बाद RCP सिंह वापस लौट गए। इस दौरान उनके कार्यकर्ताओं ने दोनों MLC के खिलाफ नारेबाजी भी की। JDU से निकाले गए RCP सिंह, एक समय नीतीश कुमार के बेहद करीबी नेताओं में से एक माने जाते थे। वे JDU के राष्ट्रीय अक्ष्यक्ष भी रहे हैं। बीते दिनों RCP के जदयू में वापसी की चर्चा भी रही।

JDU में वापसी के सवाल पर RCP बोले- इंतजार कीजिएः नीतीश से मुलाकात के बाद भास्कर ने RCP सिंह से बात की। उन्होंने कहा, आज सुबह नीतीश जी से मेरी बातचीत हुई। कार्यकर्ताओं की इच्छा रहती है कि हमारे नेता 4 साल बाद मिले हैं तो 1-2 घंटे बैठकर बात करते। इसे लेकर कार्यकर्ता गुस्से में आ गए थे। मेरे नीतीश जी के साथ लंबे समय तक काम किया है। आज वो मुख्यमंत्री नहीं भी हैं तो भी वो हमारे नेता हैं। हमारे संबंध वैसे ही हैं। JDU में वापसी के सवाल पर RCP ने कहा, इंतजार कीजिए। समय-काल पर छोड़ दीजिए। निशांत की राजनीति एंट्री पर उन्होंने कहा, परिवार हमारी सबसे पहली प्राथमिकता है। नीतीश जी के पिता स्वतंत्रता सैनानी रहे। नीतीश

♦ 20 मिनट इंतजार भी करवाया

राजनीति में आए अगर निशांत आ गए तो क्या नई बात हो गई। जब आपको एंट्री मिल गई तो आपको ही साबित करना होगा।

RCP सिंह की नजरें झुकी होंगीः नीरज कुमारः नीतीश कुमार और RCP सिंह की मुलाकात पर JDU MLC नीरज कुमार ने कहा, 'हुजूर आ गए दरबार में कुछ तो कृपा करिए। साथ तो हम आपके आए थे, आपने सम्मान दिया था। लेकिन आपके साथ मैने व्यवहार सही नहीं किया, मैं भटकता रहा। आत्मा भटकती रही। कभी जनसुराज, कभी बीजेपी, कभी अपनी पार्टी। RCP सिंह, नीतीश कुमार से मिल तो लिए, लेकिन नजरे झुकी हुई होंगी, नजरे उठी होगी नीतीश कुमारी जी की।'

संक्षिप्त समाचार

एसआईएस विस्तार को लेकर एसएलसी की बैठक एक को

रांची। केंद्र प्रायोजित स्पेशल इंफ्रास्ट्रक्चर स्कीम (एसआईएस) 2022-26 को एक वर्ष तक बढ़ाने के प्रस्ताव पर एक जुलाई को राज्य स्तरीय समिति (एसएलसी) की बैठक होगी। आधिकारिक सूत्रों ने शनिवार को बताया कि यह बैठक गृह, कारा एवं आपदा प्रबंधन विभाग के अपर मुख्य सचिव की अध्यक्षता में दोपहर 3.30 बजे से उनके कार्यालय कक्ष में आयोजित होगी। गृह विभाग की ओर से जारी पत्र के अनुसार, बैठक में पुलिस मुख्यालय से अपर पुलिस महानिदेशक (एडीजीपी), पुलिस महानिरीक्षक (अभियान) सह नोडल पदाधिकारी (एलडब्ल्यूई) और पुलिस महानिरीक्षक (प्रोविजन) शामिल होंगे. इसके अलावा वित्त विभाग के सचिव और झारखंड पुलिस हाउसिंग कॉरपोरेशन लिमिटेड के मुख्य अभियंता भी बैठक में मौजूद रहेंगे। बैठक में केंद्र प्रायोजित एसआईएस योजना (2022-26) को एक वर्ष तक बढ़ाने के प्रस्ताव पर चर्चा की जाएगी। सभी संबंधित अधिकारियों को निर्धारित समय पर बैठक में शामिल होने का निर्देश दिया गया है।

टाटा स्टील फाउंडेशन ने की श्रवण बाधित बच्चों के नामांकन को लेकर प्री-एडमिशन बैठक

पश्चिमी सिंहभूम। जिले के नोआमुंडी स्थित कैंप स्कूल परिसर में शनिवार को टाटा स्टील फाउंडेशन की ओर से श्रवण बाधित बच्चों को मुख्यधारा की शिक्षा से जोड़ने के उद्देश्य से प्री-एडमिशन बैठक आयोजित की गई। बैठक में नोआमुंडी और जगन्नाथपुर प्रखंड के विभिन्न गांवों से चयनित श्रवण बाधित बच्चों के साथ उनके अभिभावकों ने भाग लिया। कार्यक्रम का उद्देश्य चयनित बच्चों के नामांकन की प्रक्रिया को सरल बनाना, उन्हें गुणवत्तापूर्ण शिक्षा से जोड़ना तथा अभिभावकों को प्रवेश प्रक्रिया से संबंधित सभी आवश्यक जानकारियां उपलब्ध कराना था। बैठक में नोआमुंडी प्रखंड के कुटिंता, कुमिरता, पेटेता, लखनसाई, सरबिल, लेम्पाहेसा और बड़ाजामदा तथा जगन्नाथपुर प्रखंड के पोखरिया और सियालजोड़ा गांवों से आए बच्चों को शामिल किया गया। इस दौरान अभिभावकों को बताया गया कि चयनित 10 बच्चों का नामांकन जमशेदपुर स्थित कार्मेल बाल विहार (सीबीवी) में प्रस्तावित है। कार्मेल बाल विहार की टीम ने विद्यालय में प्रवेश की पूरी प्रक्रिया, आवश्यक दस्तावेज, छात्रावास, शैक्षणिक सुविधाओं तथा बच्चों को उपलब्ध कराई जाने वाली अन्य सहायता के बारे में विस्तार से जानकारी दी। सिस्टर अमिका और छाया दास ने प्रस्तुति के माध्यम से अभिभावकों की जिज्ञासाओं का समाधान किया और उन्हें बच्चों के उज्ज्वल भविष्य के लिए इस अवसर का लाभ उठाने की अपील की। बैठक में अभिभावकों ने भी कार्यक्रम की सराहना करते हुए इसे श्रवण बाधित बच्चों को बेहतर शिक्षा और आत्मनिर्भर भविष्य की दिशा में महत्वपूर्ण पहल बताया।

पेड़ से लटका मिला युवक का शव, जांच में जुटी पुलिस

पूर्वी सिंहभूम। बहरागोड़ा थाना क्षेत्र स्थित पीडब्ल्यूडी चौक के समीप शनिवार सुबह एक युवक का शव पेड़ से फंदे के सहारे लटका हुआ पुलिस ने बरामद किया है। सुबह टहलने निकले लोगों ने जब शव को पेड़ से झूलते देखा तो तत्काल इसकी सूचना पुलिस को दी। घटना की जानकारी मिलते ही बहरागोड़ा थाना पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू कर दी। मृतक की पहचान पाटपुर गांव निवासी रवि बेहरा के रूप में हुई है। परिजनों के अनुसार रवि शुक्रवार रात परिवार के साथ भोजन करने के बाद अपने कमरे में सोने चला गया था। रात के दौरान वह कब घर से बाहर निकला, इसकी जानकारी किसी को नहीं हो सकी। सुबह उसके शव के मिलने की सूचना मिलते ही परिवार के लोग घटनास्थल पहुंचे, जहां का दृश्य देखकर उनका रो-रोकर बुरा हाल हो गया। घटना की सूचना मिलते ही बहरागोड़ा थाना प्रभारी शंकर प्रसाद कुशवाहा पुलिस टीम के साथ मौके पर पहुंचे। पुलिस ने शव को पेड़ से नीचे उतरवाकर आवश्यक कानूनी प्रक्रिया पूरी की और पोस्टमार्टम के लिए अनुमंडलीय अस्पताल, घाटशिला भेज दिया। पुलिस ने घटनास्थल का भी बारीकी से निरीक्षण किया और आसपास के लोगों से पूछताछ की। थाना प्रभारी शंकर प्रसाद कुशवाहा ने बताया कि युवक की मौत किन परिस्थितियों में हुई है, इसका पता लगाने के लिए सभी पहलुओं से जांच की जा रही है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट और जांच के अन्य तथ्यों के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी। फिलहाल पुलिस मामले की गहन जांच में जुटी हुई है।

सेना में चयनित युवाओं का हुआ भव्य सम्मान

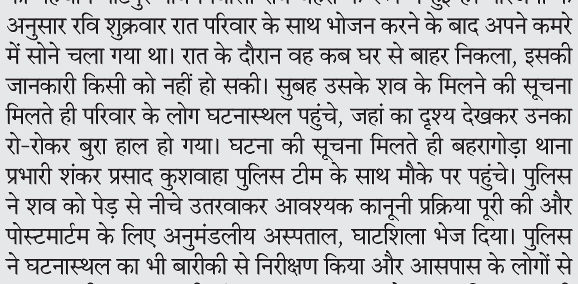

खूंटी। खूंटी के नेताजी चौक के समीप शनिवार को "वर्दी मेरा जुनून के तत्वावधान में भारतीय सेना में चयनित दो युवाओं लच्छू मुंडा (18) और दुर्गा भेंगरा (19) के सम्मान में भव्य अभिनंदन समारोह आयोजित किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य चयनित युवाओं का सम्मान करने के साथ-साथ क्षेत्र के बच्चों और युवाओं में राष्ट्रभक्ति, अनुशासन और भारतीय सेना के प्रति आकर्षण पैदा करना था। समारोह में बड़ी संख्या में ग्रामीण, अभिभावक, छात्र-छात्राएं और युवा शामिल हुए। सेना में चयनित दोनों युवाओं का पुष्पमालाओं से स्वागत कर सम्मानित किया गया। उपस्थित लोगों ने उनके चयन पर खुशी जताते हुए उन्हें क्षेत्र के युवाओं के लिए प्रेरणास्रोत बताया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में नगर पंचायत अध्यक्ष रानी टूटी, उपाध्यक्ष शशांक शेखर तथा खूंटी थाना प्रभारी अशोक कुमार सिंह मौजूद रहे। अतिथियों ने अपने संबोधन में कहा कि भारतीय सेना की वर्दी केवल एक नौकरी नहीं, बल्कि राष्ट्रसेवा, साहस, अनुशासन और बलिदान का प्रतीक है। उन्होंने युवाओं से शारीरिक और मानसिक रूप से स्वयं को मजबूत बनाते हुए कठिन परिश्रम और नियमित तैयारी के जरिए सेना सहित अन्य सुरक्षा बलों में भर्ती होकर देश की सेवा करने का आह्वान किया। कार्यक्रम के आयोजक एवं ट्रेनर आनंद राम ने कहा कि "वर्दी मेरा जुनून, खूंटी" अभियान का उद्देश्य अधिक से अधिक युवाओं को सेना में भर्ती के लिए प्रेरित करना तथा उन्हें उचित मार्गदर्शन उपलब्ध कराना है। उन्होंने विश्वास जताया कि सही दिशा और मेहनत से खूंटी जिले के अधिक से अधिक युवा भारतीय सेना में अपनी पहचान बना सकते हैं। कार्यक्रम का समापन "जय हिंद, जय भारत" के उद्घोष के साथ हुआ। पूरे आयोजन में देशभक्ति का माहौल देखने को मिला और उपस्थित बच्चों और युवाओं में सेना की वर्दी पहनकर देश की सेवा करने का उत्साह साफ नजर आया।

इन्युमरेशन फॉर्म गैर भारतीय भरेंगे तो मिलेगा दण्ड, एसआईआर की प्रक्रिया सिर्फ भारतीय नागरिकों के लिए : के. रवि कुमार

एजेंसी। रांची

झारखंड में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन-एसआईआर) के तहत 30 जून से 29 जुलाई तक इन्यूमरेशन चरण संचालित किया जाएगा। इस दौरान बूथ लेवल अधिकारी (बीएलओ) घर-घर जाकर मतदाताओं को आंशिक रूप से भरे हुए इन्यूमरेशन फॉर्म उपलब्ध कराएंगे तथा वर्तमान रंगीन फोटो और हस्ताक्षर सहित फॉर्म एकत्र करेंगे। यह जानकारी मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी के. रवि कुमार ने शनिवार को निर्वाचन सदन में आयोजित प्रशिक्षण कार्यक्रम के दौरान दी। मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी ने स्पष्ट किया कि एसआईआर की प्रक्रिया केवल पात्र भारतीय नागरिकों के लिए है। उन्होंने कहा कि जो व्यक्ति भारतीय नागरिक नहीं हैं अथवा भारतीय नागरिकता त्याग चुके हैं, वे इन्यूमरेशन फॉर्म न भरें और बिना हस्ताक्षर किए उसे तत्काल बीएलओ को वापस कर दें। उन्होंने चेतावनी दी कि गलत जानकारी देकर गणना-घोषणा पत्र जमा करना लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1950 की धारा 31 के तहत दंडनीय अपराध है। के. रवि कुमार ने सभी प्रमंडलीय आयुक्तों को भारत निर्वाचन आयोग के दिशा-निर्देशों के अनुरूप विशेष गहन पुनरीक्षण के विभिन्न चरणों की कार्यप्रणाली पर विस्तृत प्रशिक्षण दिया। उन्होंने भारतीय नागरिकता अधिनियम, 1955 और उसके संशोधनों के तहत नागरिकता निर्धारण के नियमों की जानकारी देते हुए बताया कि 26 जनवरी 1950 से 1 जुलाई 1987 के बीच भारत में जन्म लेने वाले प्रत्येक व्यक्ति पर 'बर्थ राइट रूल' लागू होता है और वह भारतीय नागरिक माना जाता है। उन्होंने बताया कि 1 जुलाई 1987 से 2 दिसंबर 2004 के बीच जन्म लेने वाले व्यक्ति के लिए माता या पिता में से किसी एक का भारतीय नागरिक होना आवश्यक है। वहीं 2 दिसंबर 2004 के बाद जन्म लेने वालों के लिए दोनों माता-पिता का भारतीय नागरिक होना अनिवार्य है। यदि माता-पिता में से एक भारतीय नागरिक है, तो दूसरे अभिभावक के पास बच्चे के जन्म के समय भारत का वैध पासपोर्ट और वीजा होना चाहिए तथा वह अवैध प्रवासी नहीं होना चाहिए। मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी ने बताया कि जिन मतदाताओं के इन्यूमरेशन फॉर्म निर्धारित अवधि में प्राप्त होंगे, उनके नाम 5 अगस्त को प्रकाशित होने वाली प्रारूप मतदाता सूची (ड्राफ्ट पब्लिकेशन) में शामिल किए जाएंगे। यदि प्रारूप सूची में मतदाता की मैपिंग सही पाई जाती है, तो उसे किसी अतिरिक्त दस्तावेज की आवश्यकता नहीं होगी। उन्होंने यह भी बताया कि मतदाता फॉर्म जमा करते समय पूर्व के एसआईआर रिकॉर्ड के आधार पर अपनी मैपिंग भी करवा सकते हैं। उन्होंने कहा कि इन्यूमरेशन फॉर्म वापस लेने के दौरान अनुपस्थित (एब्सेंट), स्थानांतरित (शिफ्टेड), मृत (डेथ), डुप्लीकेट तथा हस्ताक्षर से इनकार (रिफ्यूज टू साइन) करने वाले मतदाताओं की अलग सूची तैयार की जाएगी। इस सूची का मान्यता प्राप्त राजनीतिक दलों के बीएलए-2 के माध्यम से सत्यापन कराया जाएगा और इसे प्रारूप मतदाता सूची के साथ प्रकाशित किया जाएगा। के. रवि कुमार ने बताया कि नए मतदाताओं को बीएलओ द्वारा फॉर्म-6 और घोषणा-पत्र उपलब्ध कराया जाएगा। फॉर्म-6 में प्राप्त आवेदनों का ऑनलाइन अद्यतन नोटिस और सत्यापन अवधि के दौरान किया जाएगा। उन्होंने कहा कि घोषणा-पत्र के साथ निर्वाचन आयोग द्वारा निर्धारित 11 मान्य दस्तावेजों में से किसी एक की प्रति जमा करना अनिवार्य होगा। प्रशिक्षण कार्यक्रम के दौरान प्रमंडलीय आयुक्तों को बीएलए-2 की भूमिका, बीएलओ ऐप, नागरिकता सत्यापन, मतदाता मैपिंग, इन्यूमरेशन फॉर्म तथा पुनरीक्षण प्रक्रिया से जुड़े सभी महत्वपूर्ण बिंदुओं की विस्तार से जानकारी दी गई। मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी ने निर्देश दिया कि सभी प्रमंडलीय आयुक्त अपने-अपने प्रमंडल में मतदाता सूची पुनरीक्षण कार्यक्रम का कम से कम तीन बार निरीक्षण करें और निर्वाचन आयोग के दिशा-निर्देशों का समयबद्ध अनुपालन सुनिश्चित करें। इस अवसर पर अपर मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी सुबोध कुमार, राज्य प्रशिक्षण नोडल पदाधिकारी देवदास दत्ता, उप निर्वाचन पदाधिकारी धीरज कुमार ठाकुर, अवर निर्वाचन पदाधिकारी सुनील कुमार सिंह सहित सभी प्रमंडलीय आयुक्त ऑनलाइन माध्यम से प्रशिक्षण कार्यक्रम में शामिल हुए।

सामूहिक दुष्कर्म के दोषी को आजीवन कारावास, पाक्सो अदालत ने सुनाया फैसला

एजेंसी। रांची

रांची की विशेष पाक्सो अदालत ने दो नाबालिग मौसेरी बहनों से सामूहिक दुष्कर्म के मामले में दोषी सुशील उरांव को आजीवन कारावास की सजा सुनाई है। अदालत ने दोषी पर 50 हजार रुपये का जुर्माना भी लगाया है। यह फैसला वर्ष 2024 में मांडर थाना क्षेत्र में हुई जघन्य वारदात के मामले में सुनाया गया। अभियोजन के अनुसार, यह घटना 17 अप्रैल 2024 को उस समय हुई थी, जब दोनों नाबालिग मौसेरी बहनें चान्हो थाना क्षेत्र के हूंटार गांव में लगे मेले को देखने गई थीं। उनके साथ दो नाबालिग लड़के भी मौजूद थे। मेला समाप्त होने के बाद चारों एक ही मोटरसाइकिल से घर लौट रहे थे। रास्ते में दोनों नाबालिग, आरोपित लड़कियां को अपने घर ले गए। जब पीड़िताओं ने उन्हें घर छोड़ने की बात कही तो आरोपितों ने कुछ देर बाद छोड़ने का भरोसा दिया। इसके बाद दोनों नाबालिग आरोपितों ने कथित तौर पर दोनों पीड़िताओं के साथ जबरन दुष्कर्म किया। अभियोजन के अनुसार, वारदात के दौरान आरोपितों ने अपने मित्र सुशील उरांव को भी मौके पर बुलाया। इसके बाद सुशील उरांव ने भी एक नाबालिग पीड़िता के साथ दुष्कर्म किया। घटना के बाद एक पीड़िता किसी तरह आरोपितों के चंगुल से निकलकर अपने घर पहुंची और परिजनों को पूरी घटना की जानकारी दी। दूसरी पीड़िता को अगले दिन बीजुपाड़ा-खलारी रोड स्थित जंगल से बरामद किया गया, जहां आरोपित उसे मोटरसाइकिल से छोड़कर फरार हो गए थे। घटना की सूचना मिलने पर मांडर थाना में प्राथमिकी दर्ज की गई और पुलिस ने मामले की जांच शुरू की। जांच के दौरान जुटाए गए साक्ष्यों, पीड़िताओं के बयान और अन्य प्रमाणों के आधार पर अदालत ने सुशील उरांव को दोषी करार देते हुए आजीवन कारावास तथा 50 हजार रुपये के अर्थदंड की सजा सुनाई। मामले में शामिल नाबालिग आरोपितों से संबंधित कार्रवाई किशोर न्याय अधिनियम के प्रावधानों के तहत अलग से की गई।

रांची में 28 से 30 जून तक चलेगा राष्ट्रीय पल्स पोलियो अभियान, पांच लाख से अधिक बच्चों को पिलाई जाएगी दवा

एजेंसी। रांची

रांची जिले में राष्ट्रीय पल्स पोलियो अभियान 2026 का आयोजन 28 से 30 जून तक किया जाएगा। अभियान के तहत जिले में शून्य से पांच वर्ष तक के 5,05,524 बच्चों को पोलियो की जीवनरक्षक खुराक पिलाने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। अभियान की तैयारियों और क्रियान्वयन की जानकारी शनिवार को सदर अस्पताल स्थित सिविल सर्जन कार्यालय में आयोजित प्रेस कॉन्फ्रेंस में दी गई। सिविल सर्जन डॉ. प्रभात कुमार की अध्यक्षता में आयोजित प्रेस वार्ता में बताया गया कि अभियान के सफल संचालन के लिए जिलेभर में 3,893 पोलियो बूथ स्थापित किए गए हैं। इन बूथों पर बच्चों को पोलियो की खुराक पिलाने के लिए 7,786 बूथ टीम सदस्यों की प्रतिनियुक्ति की गई है, जबकि पूरे अभियान की निगरानी के लिए 571 सुपरवाइजर तैनात किए गए हैं। डॉ. प्रभात कुमार ने जिले के सभी अभिभावकों से अपील करते हुए कहा कि वे अपने शून्य से पांच वर्ष तक के प्रत्येक बच्चे को नजदीकी पोलियो बूथ पर अवश्य ले जाकर पोलियो की दो बूंद जीवनरक्षक दवा पिलाएं। उन्होंने कहा कि "हर बच्चा, हर बार" की भावना के साथ प्रत्येक बच्चे तक पोलियो की खुराक पहुंचाना हम सभी की सामूहिक जिम्मेदारी है। किसी भी बच्चे को इस अभियान से वंचित नहीं रहने देना चाहिए। उन्होंने कहा कि पोलियो जैसी गंभीर बीमारी के पूर्ण उन्मूलन के लिए समाज के सभी वर्गों का सहयोग आवश्यक है। अभियान की सफलता तभी संभव है, जब प्रत्येक पात्र बच्चे को निर्धारित अवधि के दौरान पोलियो की खुराक अवश्य मिले। प्रेस कॉन्फ्रेंस के बाद सिविल सर्जन डॉ. प्रभात कुमार ने हरी झंडी दिखाकर पल्स पोलियो प्रचार रथ को रवाना किया। यह प्रचार रथ रांची के सभी शहरी क्षेत्रों में भ्रमण कर लोगों को राष्ट्रीय पल्स पोलियो अभियान के प्रति जागरूक करेगा और अधिक से अधिक अभिभावकों को अपने बच्चों को पोलियो की खुराक दिलाने के लिए प्रेरित करेगा। इस अवसर पर डीआरसीएचओ डॉ. असीम कुमार मांझी, जिला कार्यक्रम समन्वयक प्रीति चौधरी, क्षेत्रीय समन्वयक श्वेता वर्मा सहित स्वास्थ्य विभाग के अन्य अधिकारी एवं स्वास्थ्यकर्मी उपस्थित रहे।

हजारीबाग कोषागार से अवैध निकासी मामले में तीन आरोपितों की जमानत याचिका खारिज

एजेंसी। रांची

हजारीबाग कोषागार से वेतन मद में करीब 15 करोड़ रुपये की अवैध निकासी मामले में गिरफ्तार तीन आरोपितों को फिलहाल राहत नहीं मिली है। अपराध अनुसंधान विभाग (सीआईडी) की विशेष अदालत ने शनिवार को आरोपित खुशबू सिंह, काजल कुमारी और धीरेंद्र सिंह की जमानत याचिकाएं खारिज कर दीं। इससे पहले अदालत ने दोनों पक्षों की दलीलें सुनने के बाद अपना फैसला सुरक्षित रख लिया था। मामले की जांच कर रही सीआईडी ने हजारीबाग के लोहसिंघना थाना कांड संख्या 32/2026, जो आठ अप्रैल 2026 को दर्ज किया गया था, को टेकओवर किया था। इसके बाद 24 अप्रैल को सीआईडी थाना कांड संख्या 05/2026 के रूप में मामले को पुनः पंजीकृत (री-रजिस्टर्ड) कर जांच शुरू की गई। सीआईडी की जांच में अब तक कई लोगों की गिरफ्तारी हो चुकी है। गिरफ्तार आरोपितों में हजारीबाग एसपी कार्यालय का मुख्य लेखापाल एवं मामले का मास्टरमाइंड शंभू कुमार, उसकी पत्नी काजल कुमारी, शंभू कुमार का सहयोगी रजनीश कुमार सिंह उर्फ पंकज सिंह तथा उसकी पत्नी खुशबू सिंह शामिल हैं। इसके अलावा बिहार के गयाजी जिले के कोंच थाना क्षेत्र के शंकरबीघा निवासी धीरेंद्र सिंह को भी इस मामले में गिरफ्तार किया गया है। सीआईडी मामले की विस्तृत जांच कर रही है। जांच एजेंसी वित्तीय लेन-देन, दस्तावेजों और अन्य संबंधित पहलुओं की पड़ताल कर पूरे नेटवर्क तथा गड़बड़ी में शामिल अन्य लोगों की भूमिका की भी जांच कर रही है।

झारखंड में 30 जून और 1 जुलाई को भारी बारिश के आसार, कई जिलों के लिए मौसम विभाग का अलर्ट जारी

एजेंसी। रांची

झारखंड में मानसून एक बार फिर सक्रिय होने जा रहा है। मौसम विभाग ने राज्य के कई जिलों में 30 जून और 1 जुलाई को भारी बारिश की संभावना जताते हुए लोगों को सतर्क रहने की सलाह दी है। विभाग के अनुसार, इस दौरान उत्तर-पूर्वी, मध्यवर्ती और दक्षिणी जिलों में व्यापक वर्षा होने के साथ कुछ स्थानों पर भारी बारिश दर्ज की जा सकती है। मौसम विभाग के अनुसार, 30 जून को राज्य के उत्तर-पूर्वी और मध्यवर्ती हिस्सों, विशेष रूप से बोकारो और धनबाद जिलों में भारी वर्षा होने की संभावना है। वहीं 1 जुलाई को उत्तर-पूर्वी क्षेत्र के देवघर, दुमका, पाकुड़, जामताड़ा, साहिबगंज और गोड्डा जिलों के अलावा दक्षिणी क्षेत्र के पूर्वी सिंहभूम, पश्चिमी सिंहभूम और सरायकेला-खरसावां तथा मध्यवर्ती क्षेत्र के रांची, खूंटी, रामगढ़ और धनबाद में भी भारी बारिश का पूर्वानुमान जारी किया गया है। विभाग ने बताया कि पिछले 24 घंटों के दौरान राज्य में सबसे अधिक 38.6 मिलीमीटर वर्षा सिमडेगा जिले के कोलेबिरा में दर्ज की गई। वहीं सबसे अधिक तापमान डाल्टनगंज में 40.2 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया, जबकि सबसे कम तापमान रांची स्थित बीएयू परिसर के पास 21.6 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। शनिवार को राजधानी रांची और आसपास के इलाकों में सुबह से मौसम साफ रहने के कारण लोगों को भीषण गर्मी और उमस का सामना करना पड़ा। हालांकि मौसम विभाग ने उत्तर-पश्चिमी जिलों को छोड़कर राज्य के अधिकांश हिस्सों में बारिश, गरज-चमक और आकाशीय बिजली गिरने की संभावना व्यक्त की है। इसे देखते हुए विभाग ने ऑरेंज अलर्ट जारी किया है और लोगों से खराब मौसम के दौरान सुरक्षित स्थानों पर रहने की अपील की है। राज्य के प्रमुख शहरों के तापमान की बात करें, तो रांची में अधिकतम तापमान 32.5 डिग्री और न्यूनतम 24 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। जमशेदपुर में अधिकतम 37 डिग्री और न्यूनतम 27.4 डिग्री, डाल्टनगंज में अधिकतम 40.2 डिग्री और न्यूनतम 29 डिग्री, बोकारो में अधिकतम 39.1 डिग्री और न्यूनतम 26.5 डिग्री, जबकि चाईबासा में अधिकतम तापमान 35.8 डिग्री और न्यूनतम 25.6 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया। मौसम विभाग ने अगले कुछ दिनों तक मौसम में तेजी से बदलाव की संभावना जताते हुए लोगों, विशेषकर किसानों, यात्रियों और खुले स्थानों पर कार्य करने वालों को मौसम संबंधी ताजा अपडेट पर नजर रखने तथा खराब मौसम के दौरान आवश्यक सावधानी बरतने की सलाह दी है।

रांची के तमाड़ में जमीन विवाद में किसान की हत्या का खुलासा, आरोपित गिरफ्तार

एजेंसी। रांची

रांची जिले के तमाड़ थाना पुलिस ने जमीन विवाद में हुई किसान की हत्या के मामले का खुलासा करते हुए एक आरोपित को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपित की निशानदेही पर हत्या में प्रयुक्त लोहे की दाउली (कृषि और बागवानी का हाथ से चलने वाला औजार) भी बरामद कर ली है। तमाड़ थाना प्रभारी दुलाल कुमार महतो ने शनिवार को बताया कि गिरफ्तार आरोपित की पहचान कुईला महतो के रूप में हुई है। उन्होंने बताया कि 24 जून को सूचना मिली थी कि तमाड़ थाना क्षेत्र के बारेडीह गांव में एक व्यक्ति की हत्या कर दी गई है। सूचना मिलने पर पुलिस टीम तत्काल घटनास्थल पहुंची और मामले की जांच शुरू की। प्रारंभिक जांच और परिजनों से पूछताछ में सामने आया कि मृतक गोविंद महतो और आरोपित कुईला महतो के बीच लंबे समय से जमीन को लेकर विवाद चल रहा था। इसी विवाद को लेकर दोनों पक्षों के बीच अक्सर कहासुनी और झगड़ा होता रहता था।

पुलिस के अनुसार, घटना वाले दिन 24 जून को गोविंद महतो अपने खेत में बीज बोने गया था। बीज डालने के बाद वह खेत में एक पेड़ की छांव में बैठा हुआ था। इसी दौरान आरोपित कुईला महतो पीछे से वहां पहुंचा और लोहे की दाउली से उसकी गर्दन पर वार कर दिया। गंभीर चोट लगने से गोविंद महतो की मौके पर ही मौत हो गई। थाना प्रभारी ने बताया कि मृतक के पिता रामायण महतो ने 26 जून को तमाड़ थाना में लिखित शिकायत दर्ज कराई। शिकायत के आधार पर तमाड़ थाना कांड संख्या 38/2026 दर्ज कर अनुसंधान शुरू किया गया। जांच के दौरान पुलिस ने तकनीकी एवं मानवीय साक्ष्यों के आधार पर आरोपित कुईला महतो को गिरफ्तार कर लिया। उसकी निशानदेही पर हत्या में प्रयुक्त लोहे की दाउली भी बरामद कर ली गई। मामले के अनुसंधान में तमाड़ थाना के गणेश चौड़े, निमाई सोरेन तथा सशस्त्र बल के जवान शामिल थे।

नशा मुक्त झारखंड के संकल्प के साथ निकली जागरूकता रैली

एजेंसी। पूर्वी सिंहभूम

मादक पदार्थों के बढ़ते दुष्प्रभाव के खिलाफ जनजागरूकता फैलाने और नशा मुक्त समाज के निर्माण का संदेश देने के उद्देश्य से पूर्वी सिंहभूम जिला प्रशासन की ओर से शनिवार को भव्य जागरूकता रैली एवं मानव श्रृंखला का आयोजन किया गया। इसके साथ ही 10 जून से 26 जून तक पूरे झारखंड में संचालित राज्यव्यापी नशा मुक्ति जनजागरूकता अभियान का जिले में औपचारिक समापन हुआ। उपायुक्त कार्यालय परिसर से शुरू हुई यह रैली शहर के विभिन्न मार्गों से होते हुए साकची गोलचक्कर तक पहुंची। कार्यक्रम में प्रशासनिक अधिकारियों, विभिन्न विभागों के पदाधिकारियों और कर्मियों, स्कूली छात्र-छात्राओं, स्वयंसेवी संस्थाओं के प्रतिनिधियों तथा बड़ी संख्या में आम नागरिकों ने भाग लेकर नशा मुक्त समाज के निर्माण का सामूहिक संकल्प लिया। रैली के दौरान स्कूली बच्चों का उत्साह देखते ही बन रहा था। बच्चों के हाथों में नशा मुक्ति और स्वस्थ जीवन का संदेश देने वाली तख्तियां थीं, जिन पर लिखे जागरूकता स्लोगन लोगों का ध्यान अपनी ओर आकर्षित कर रहे थे। प्रतिभागियों ने नशे के खिलाफ जोरदार नारे लगाए और लोगों से मादक पदार्थों से दूर रहने की अपील की। रैली के बाद मानव श्रृंखला बनाकर सभी ने यह संकल्प लिया कि वे स्वयं नशे से दूर रहेंगे और अपने परिवार, मित्रों तथा समाज के अन्य लोगों को भी इसके प्रति जागरूक करेंगे।

कार्यालय मेदिनीनगर नगर निगम
Tel :- 06562-231148 Email :- municipalcouncil.medininagar@gmail.com
ज्ञापांक 1873 दिनांक 27.06.2026
PR 379557
आम – सूचना
कार्यालय ज्ञापांक 1380 दिनांक 11.05.2026 से अतिअल्पकालीन निविदा आमंत्रण सूचना संख्या 01/वर्ष 2026–27 की निविदा आमंत्रित की गयी थी, उक्त निविदा को अपरिहार्य कारणों से रद्द की जाती है।
ह0/–
नगर आयुक्त
मेदिनीनगर नगर निगम
PR 383423 District(26-27)D

संक्षिप्त समाचार

एसडीएम के आदेश हवा में! 10 मतदान केंद्रों में से 9 के बीएलओ नदारद, जनता परेशान

फरीदाबाद, एजेंसी। बल्लभगढ़ विधानसभा क्षेत्र के मतदान केंद्र 191 से लेकर 201 तक 10 मतदान केंद्रो पर सिर्फ 198 मतदान केंद्र के बीएलओ बैठकर मतदाताओं के फार्म जमा कर रहे हैं। अन्य नौ बूथ के बीएलओ कहां पर हैं यह किसी को पता नहीं है। बीएलओ सुपरवाइजर सुमित कुमार का कहना है कि अभी थोड़ी देर में ही अन्य बीएलओ आ जाएंगे। जबकि विधानसभा क्षेत्र के निर्वाचन एवं पंजीयन अधिकारी एसडीएम मयंक भारद्वाज ने शुक्रवार को मीटिंग में सभी बीएलओ को अपने-अपने बूथ पर नौ बजे से शाम के छह बजे तक बैठने के लिए कहा था। निर्वाचन एवं पंजीयन अधिकारी के नियमों का बीएलओ कितनी गंभीरता से पालन कर रहे हैं इसका अंदाजा आसानी से लगाया जा सकता है। केंद्र पर अपना फार्म जमा करने आए लोगों का कहना है कि वह कामकाज छोड़कर सुबह नौ बजे फार्म जमा करने के लिए यहां पर आ चुके हैं। सवा दस बजे तक भी बीएलओ का कोई पता ठिकाना नहीं है। बीएलओ विनोद कुमार का कहना है कि यहां पर न कुर्सी हैं ना मेज है। ऐसी गर्मी में जमीन पर बैठकर काम करना पड़ रहा है।

मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी से मिले अनुपम खेर, राज्य में एक्टिंग स्कूल खोलने का प्रस्ताव

कोलकाता, एजेंसी। बॉलीवुड के दिग्गज अभिनेता-निर्माता अनुपम खेर ने कोलकाता पहुंचकर बंगाल के मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी से शिष्टाचार मुलाकात की। राज्य में हुए ऐतिहासिक राजनीतिक सत्ता परिवर्तन के बाद अनुपम खेर का यह पहला कोलकाता दौरा है। मुख्यमंत्री से मुलाकात के बाद पत्रकारों से मुखातिब होते हुए अनुपम खेर ने बंगाल के नए राजनीतिक नेतृत्व की जमकर सराहना की और कहा कि शुभेंदु बाबू के हाथों में राज्य का भविष्य सुरक्षित है और वे एक 'प्रगतिशील बंगाल' की तस्वीर देख रहे हैं। अपनी नई फिल्म 'शुरू से शुरू' का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा कि बंगाल में अब सकारात्मक बदलाव की एक नई शुरुआत होनी चाहिए। अनुपम खेर ने बंगाली कला और संस्कृति की समृद्ध विरासत को नमन करते हुए कहा कि पूरी दुनिया ने सिनेमा और संगीत बंगाल से ही सीखा है। उन्होंने मणिक दा (सत्यजित राय), मृणाल सेन और बंकिमचंद्र चट्टोपाध्याय जैसे महान दिग्गजों को याद किया। इस मुलाकात के दौरान उन्होंने मुख्यमंत्री के सामने बंगाल में एक विश्वस्तरीय एक्टिंग स्कूल (अभिनय प्रशिक्षण संस्थान) खोलने की इच्छा जाहिर की, जिस पर मुख्यमंत्री ने उन्हें पूर्ण सहयोग और शुभकामनाएं दीं। गौरतलब है कि अनुपम खेर पूरे 26 साल बाद बंगाली सिनेमा में बतौर निर्माता वापसी कर रहे हैं। इससे पहले साल 2002 में उन्होंने ऋतुपर्णो घोष की राष्ट्रीय पुरस्कार विजेता फिल्म 'बाड़ीवाली' का निर्माण किया था, जिसमें उनकी पत्नी किरण खेर मुख्य भूमिका में थीं। अब वे फिरदौसुल हसन के 'फ्रेंड्स कम्युनिकेशन' के साथ मिलकर 'अनुपम खेर स्टूडियो' के बैनर तले एक नई बंगाली फिल्म का निर्माण कर रहे हैं, जिसकी आधिकारिक जानकारी उन्होंने मुख्यमंत्री को दी।

छत्तीसगढ़ का मतांतरण विरोधी कानून, आठ अप्रैल को राज्यपाल ने किए थे विधेयक पर हस्ताक्षर

रायपुर, एजेंसी। छत्तीसगढ़ में नए धर्म-स्वातंत्र्य विधेयक 2026 पर राज्यपाल रमेन डेका की मुहर लगने के बाद भी यह कानून लागू नहीं हो सका है। प्रदेश के उपमुख्यमंत्री विजय शर्मा ने कहा कि इस संबंध में आवश्यक विनिमय की प्रक्रिया अंतिम चरण में है। यथाशीघ्र इसे लागू कर दिया जाएगा। दूसरी ओर, प्रदेश कांग्रेस के मुख्य प्रवक्ता सुशील आनंद शुक्ला ने कहा कि दो माह बाद भी कानून लागू न हो पाना सरकार की विफलता है। बता दें कि यह विधेयक 19 मार्च 2026 को विधानसभा में पारित हुआ था और इसके बाद आठ अप्रैल को राज्यपाल ने इस पर हस्ताक्षर किए थे। छत्तीसगढ़ धर्म स्वातंत्र्य विधेयक, 2026 के अनुसार, दो या दो से अधिक व्यक्तियों द्वारा अवैध सामूहिक मतांतरण कराने पर आजीवन कारावास तक की सजा हो सकेगी। दिव्यांग व्यक्ति या अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति या अन्य पिछड़ा वर्ग के सदस्यों के मामलों में 20 साल तक की कैद का प्रविधान है।

सुस्ती के बाद अगले महीने से रफ्तार पकड़ेगा मानसून, अगले तीन दिनों में यूपी-उत्तराखंड से गुजरात तक होगी बारिश

लखनऊ, उत्तराखंड, अहमदाबाद, एजेंसी। भारत मौसम विज्ञान विभाग के हालिया एक्सटेंडेड रेंज फोरकास्ट (लंबी अवधि के पूर्वानुमान) से संकेत मिलता है कि 1 जुलाई के बाद बारिश में फिर से तेजी आएगी। दक्षिण-पश्चिम मानसून के अगले महीने की शुरुआत से अपना असर दिखाना शुरू कर देगा।

अनुमान के मुताबिक, पहले हफ्ते (25 जून - 1 जुलाई) में देश के ज्यादातर हिस्सों में बारिश सामान्य से कम रहने की संभावना थी, सिवाय दक्षिणी प्रायद्वीपीय और पूर्वोत्तर भारत के कुछ हिस्सों के जहां बारिश के सामान्य या सामान्य से ज्यादा रहने की उम्मीद है।

सामान्य से काफी कम हुई बारिश

हालांकि, दूसरे हफ्ते (2-8 जुलाई) में पूरे देश में बारिश के सामान्य या सामान्य से ज्यादा रहने की संभावना है। यह अनुमान ऐसे समय में आया है जब देश में बारिश की कमी बनी हुई है। 24 जून को खत्म हुए हफ्ते में भारत में सामान्य से 47% कम बारिश हुई, जबकि 1 जून से अब तक कुल मानसून बारिश सामान्य से 42% कम रही है। मध्य भारत में मौसमी बारिश में सबसे ज्यादा 59% की कमी दर्ज की गई।

मौसम वैज्ञानिक सुषमा नायर ने मौसम में होने वाले संभावित बदलाव के बारे में बताया और कहा कि मानसून के मजबूत होने से पहले अगले कुछ दिनों तक इसका बहाव कमजोर रहने की संभावना है। उन्होंने कहा, '26 जून से 28-29 जून के बीच मानसून का बहाव कमजोर है और मानसून की गति को बढ़ाने के लिए कोई अनुकूल

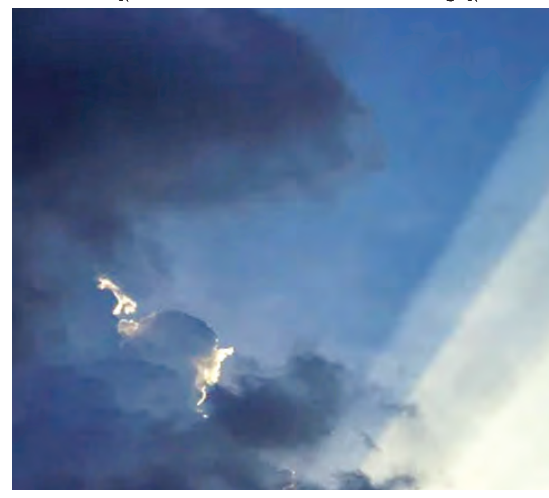

स्थिति नहीं है। इसके बाद बहाव के मजबूत होने की उम्मीद है और हमें लगता है कि उसी के अनुसार बारिश की गतिविधियां भी बढ़ेंगी। '

मानसून के आगे बढ़ने के लिए हालात अनकूल: मौसम विभाग ने शुक्रवार को यह भी कहा कि अगले तीन दिनों में दक्षिण-पश्चिम मानसून के उत्तर अरब सागर, गुजरात, मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़, झारखंड, बिहार, उत्तर प्रदेश और उत्तराखंड के कुछ और हिस्सों में आगे बढ़ने के लिए हालात अनुकूल हैं।

पांच गांवों में सुधरेगी पेयजल सप्लाई, अब वहां मिलेगा नहरी पानी; प्रोजेक्ट को दी गई मंजूरी

गुरुग्राम, एजेंसी। नगर निगम गुरुग्राम ने वार्ड-17 के अंतर्गत आने वाले मोहम्मदपुर, नरसिंहपुर, खेड़कीदौला, दरबारीपुर और पलड़ा गांवों के निवासियों को बेहतर एवं निर्बाध पेयजल उपलब्ध कराने की तैयारी शुरू हो गई है। इन क्षेत्रों के वाटर बूस्टिंग स्टेशनों के आधुनिकीकरण एवं क्षमता विस्तार के लिए 135.34 लाख रुपये की परियोजना को

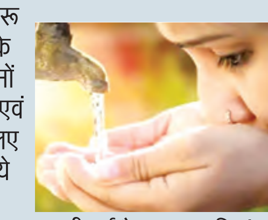

प्रशासनिक स्वीकृति प्रदान की गई है। मुख्य अभियंता एवं सक्षम प्राधिकारी स्तर से अनुमोदन मिलने के बाद अब इस परियोजना की निविदा प्रक्रिया जल्द शुरू की जाएगी। इस परियोजना के तहत खेड़कीदौला वॉटर बूस्टिंग स्टेशन को जीएमडीए की 900 मिमी मुख्य कैनाल आधारित जलापूर्ति लाइन से जोड़ा जाएगा, जिससे क्षेत्रवासियों को भूजल के साथ-साथ नहर आधारित स्वच्छ पेयजल की भी उपलब्धता सुनिश्चित होगी। इससे जल स्रोतों में विविधता आएगी और भविष्य की बढ़ती मांग को पूरा करने में भी सहायता मिलेगी। परियोजना के अंतर्गत पांचों वाटर बूस्टिंग स्टेशनों पर नए ट्यूबवेल, सबमर्सिबल पंप तथा अत्याधुनिक ऑटोमैटिक कंट्रोल पैनल स्थापित किए जाएंगे। इससे जल दबाव में सुधार होगा।

यीड़ा की 1000 करोड़ की 'हेरिटेज सिटी' परियोजना ने पकड़ी रफ्तार, हरी झंडी मिलते ही लिया जाएगा किसानों की जमीन

ग्रेटर नोएडा, एजेंसी। मथुरा जिले में यीडा की हेरिटेज सिटी परियोजना को शासन की पीपीपी निविदा मूल्यांकन समिति से जल्द स्वीकृति मिल सकती है। यीडा बोर्ड निविदा प्रपत्र व शर्तों को पहले ही स्वीकृति दे चुका है। एक हजार करोड़ से अधिक की परियोजना होने के कारण इसे शासन की सचिव समिति व कैबिनेट से मंजूरी भी अनिवार्य है। फेज दो मास्टर प्लान में शामिल मथुरा जिले में यमुना प्राधिकरण की हेरिटेज सिटी परियोजना प्रस्तावित है।

इसके तहत भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग की 15.3 किमी लंबी सड़क के किनारे हेरिटेज सिटी को करीब 750 एकड़ में विकसित किया जाएगा। यह सड़क एनएच 44 को यमुना एक्सप्रेसवे से जोड़ने के लिए बनाई जाएगी। हेरिटेज सिटी परियोजना में ध्यान केंद्र, कथा वाचनालय से लेकर होटल, हाट व पर्यटन के लिए अन्य सुविधाएं विकसित होंगी। परियोजना की निविदा को यीडा बोर्ड की पिछली बैठक में स्वीकृति दी गई थी। अब इसे औद्योगिक विकास आयुक्त की अध्यक्षता में गठित पीपीपी निविदा मूल्यांकन समिति के सम्मुख स्वीकृति के लिए रखा जाएगा। यीडा एसीईओ शैलेंद्र कुमार भाटिया ने बताया कि शासन को पत्र भेजकर समिति की बैठक बुलाने का अनुरोध किया गया है। मथुरा जिला प्रशासन परियोजना के लिए जमीन की मुआवजा दर निर्धारित करने की प्रक्रिया में जुटा है। औद्योगिक गलियारे का मास्टर प्लान तैयार करने को चयनित होगी कंपनी एविएशन हब और फेज दो के बीच करीब आठ हजार हे. क्षेत्र के यीडा औद्योगिक गलियारे को तौर पर विकसित करेगा।

जयपुर में जैश की संदिग्ध महिला स्लीपर सेल गिरफ्तार

जयपुर, एजेंसी। जयपुर में पिछले दिनों गिरफ्तार पाकिस्तानी आतंकी संगठन जैश-ए-मोहम्मद की महिला स्लीपर सेल बबीता उर्फ खदिजा (38) ने पाकिस्तानी आतंकी हैंडलर अबू उबेदाह से इंटरनेट मीडिया पर निकाह किया था।

अबू प्रतिबंधित आतंकी संगठन जैश-ए-मोहम्मद के सरगना मसूद अजहर का करीबी माना जाता है। सूत्रों के अनुसार, बबीता ने पूछताछ में स्वीकार किया कि पहलगाम आतंकी हमले के बाद उसने इंटरनेट मीडिया पर पाकिस्तानी आतंकियों के बारे में पढ़ना शुरू किया था।

इसी दौरान वह जैश के हैंडलर्स के संपर्क में आई थी। वह भारत में महिला स्लीपर सेल तैयार करने की कोशिश में जुटी थी। बबीता को 20 जून को राजस्थान एटीएस और सेना की गुप्तचर शाखा ने संयुक्त कार्रवाई करते हुए उसके घर से गिरफ्तार किया था। मूलरूप से सवाई माधोपुर जिले की निवासी बबीता जयपुर में माता-पिता और भाई के साथ रहती थी। करीब दो साल पहले उसका पति से तलाक हो गया था। जैश के

हैंडलर्स के संपर्क में आने पर उन्होंने बबीता का ब्रेन वाश किया, जिसके बाद उसने पाकिस्तानी मौलवी से आनलाइन कलमा पढ़ना सीखा। बबीता ने धर्म परिवर्तन भी किया और अपना नाम बदलकर खदिजा रख लिया। उसने आतंकी हैंडलर अबू उबेदाह से आनलाइन निकाह भी कर लिया। बबीता पाकिस्तान जाकर अबू उबेदाह के साथ रहना चाहती थी।

एटीएस के पुलिस अधीक्षक मनीष त्रिपाठी का कहना है कि आरोपित मोबाइल पर वाट्सएप सहित अन्य इंटरनेट मीडिया प्लेटफार्म के जरिए आतंकी संगठनों से जुड़ी थी। पूछताछ और जांच में सामने आया कि वह जैश-ए-मोहम्मद के संपर्क में थी।

इस मामले में दर्ज रिपोर्ट में कहा गया है कि पाक हैंडलर्स ने बबीता को सऊदी अरब अथवा संयुक्त अरब अमीरात के रास्ते पाकिस्तान पहुंचने की सलाह दी थी। इसके लिए वह पासपोर्ट बनवाने का प्रयास कर रही थी। सूत्रों के अनुसार, पूछताछ के दौरान बबीता को देशविरोधी गतिविधियों में शामिल होने पर कोई पछतावा नहीं है। बबीता 27 जून तक पुलिस रिमांड पर है। बबीता का मोबाइल जांच के लिए भेजा गया है। शुरुआती जांच में एटीएस को कई संदिग्ध पाकिस्तानी मोबाइल नंबर सेव मिले हैं।

अब सरकारी छुट्टियों और सप्ताहांत पर भी खुले रहेंगे दफ्तर, रोटेशन प्रणाली लागू

कोलकाता, एजेंसी। बंगाल सरकार के प्रशासनिक मुख्यालय 'नवान्न' से एक महत्वपूर्ण दिशा-निर्देश जारी किया गया है, जिसके तहत अब शनिवार, रविवार और अन्य सरकारी छुट्टियों के दिनों में भी कर्मचारियों को कार्यालय आना होगा। राज्य के कार्मिक और प्रशासनिक सुधार विभाग द्वारा जारी आधिकारिक अधिसूचना के अनुसार, विभिन्न विभागों के उच्च पदस्थ अधिकारी जनहित और प्रशासनिक कार्यों के सुचारू संचालन के लिए सप्ताहांत तथा छुट्टियों के दिनों में भी काम करते हैं। इन अधिकारियों को तकनीकी और लिपिकीय सहायता प्रदान करने के लिए अब विभाग के विभिन्न सेल (शाखाओं) के कर्मचारियों की ड्यूटी रोटेशन (बारी-बारी से) के आधार पर लगाई जाएगी। अधिसूचना में स्पष्ट किया गया है कि इन छुट्टियों के दिनों में कार्यालयों में न्यूनतम आवश्यक कर्मचारियों (स्केलेटन स्टाफ) की उपस्थिति अनिवार्य होगी ताकि सरकारी काम में कोई बाधा न आए। यह आदेश अतिरिक्त मुख्य सचिव की मंजूरी के बाद विशेष सचिव द्वारा जारी किया गया है। सचिवालय के सूत्रों का मानना है कि चूंकि यह विभाग सीधे तौर पर जिलाधिकारियों, महकमा शासकों और बीडीओ कार्यालयों को नियंत्रित करता है, इसलिए आने वाले दिनों में निचले स्तर के प्रशासनिक दफ्तरों के लिए भी ऐसा ही रोटेशन रोस्टर लागू किया जा सकता है।

ब्राह्मण होने की वजह से पहली पंक्ति में बैठने से रोका गया', बीजेपी सांसद ने अपनी ही पार्टी के विधायक पर लगाया आरोप

पुणे, एजेंसी। महाराष्ट्र के पुणे में कॉम्पिटिटिव एग्जाम में सफल हुए मराठा उम्मीदवारों के सम्मान समारोह के दौरान बीजेपी की राज्यसभा सांसद मेधा कुलकर्णी ने अपनी ही पार्टी के विधायक पर उन्हें अगली पंक्ति में बैठने से रोकने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि ऐसा इसलिए किया गया क्योंकि वह ब्राह्मण हैं। हालांकि, जिन विधायक अभिमन्यु पवार पर उन्होंने यह आरोप लगाया उन्होंने कहा कि यह एक गलतफहमी थी और इस बात से इनकार किया कि इस मामले में जाति कोई मुद्दा था।

महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस की मौजूदगी में हुए इस कार्यक्रम का आयोजन मराठा समुदाय के उन उम्मीदवारों के सम्मान के लिए किया गया था, जिन्होंने यूनियन पब्लिक सर्विस कमीशन (यूपीएससी), महाराष्ट्र पब्लिक सर्विस कमीशन (एमपीएससी) और अन्य संस्थाओं द्वारा आयोजित कॉम्पिटिटिव एग्जाम पास किए थे।

कुलकर्णी ने आरोप लगाया कि पवार ने उन्हें पहली पंक्ति में बैठने से रोका और कहा कि यह कार्यक्रम मराठा समुदाय के लिए था। उन्होंने कहा कि इस आदेश के तुरंत बाद वह कार्यक्रम से चली गईं।

उन्होंने कहा, 'चूंकि कोई अन्य सांसद मौजूद नहीं था इसलिए अधिकारियों का मानना था कि प्रोटोकॉल के अनुसार मैं पहली पंक्ति में बैठ सकती हूं। अन्नासाहेब पाटिल आर्थिक पिछड़ा विकास महामंडल के अध्यक्ष नरेंद्र पाटिल भी वहां बैठने के हकदार थे। '

कुलकर्णी ने दावा किया, 'हालांकि, अभिमन्यु पवार पहली पंक्ति में बैठना चाहते थे। जब

अधिकारियों ने बताया कि प्रोटोकॉल के अनुसार मैं वहां बैठ सकती हूं तो पवार ने जाति का मुद्दा उठाया और कहा कि चूंकि कार्यक्रम मराठा समुदाय के लिए था, इसलिए मेरे पहली पंक्ति में बैठने से विवाद हो सकता है। ' इन आरोपों का जवाब देते हुए लातूर जिले के औसा विधानसभा क्षेत्र का प्रतिनिधित्व करने वाले पवार ने जाति का मुद्दा होने से इनकार किया और कहा कि गलतफहमी हुई थी। उन्होंने कहा, 'मैंने बस इतना कहा था कि चूंकि नरेंद्र पाटिल महामंडल के अध्यक्ष हैं इसलिए वह पहली पंक्ति में बैठ सकते हैं, जबकि विधायक और सांसद दूसरी पंक्ति में बैठ सकते हैं। यहां जाति का कोई मुद्दा नहीं है। वहां कई लोग मौजूद थे।

दूसरों को आशियाना देने वाले आवास विकास परिषद के कार्यालय में सुविधाओं का टोटा, एक हफ्ते से लिफ्ट खराब

साहिबाबाद, एजेंसी। लोगों को आशियाना बनाकर और सुविधाएं विकसित कर देने वाले आवास विकास परिषद के अपने कार्यालय में ही सुविधाओं का टोटा है। यहां करीब एक सप्ताह से लिफ्ट खराब होने के कारण विभिन्न कार्य कराने के लिए पहुंचने वाले बुजुर्गों और मरीजों को परेशानी हो रही है। साथ ही कर्मचारियों को भी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। बावजूद इसके आवास विकास परिषद के उच्चाधिकारी सुध नहीं ले रहे हैं।

आविप के कर्मी रमेश राम करीब 16 वर्ष से लकवाग्रस्त हैं। वह छड़ी के सहारे चलते हैं, लेकिन जब भी कार्यालय पहुंचते हैं तो उन्हें सीढ़ियों का सहारा लेना पड़ता है। लिफ्ट खराब होने से उन्हें सबसे अधिक परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। बृहस्पतिवार को भी वह सीढ़ियों से बच्चों के सहारे ही कार्यालय से बाहर आते देखे गए।

बच्चों ने बताया कि पिता आवास विकास परिषद में कर्मचारी हैं। चलने में बहुत दिक्कत होती है। अगर लिफ्ट ठीक होती तो परेशानी नहीं होती। इसके अलावा यहां रोजाना बड़ी संख्या में लोग विभिन्न कार्यों के लिए पहुंचते हैं। इनमें बुजुर्ग के अलावा कुछ बीमार लोग भी होते है, जिन्हें लिफ्ट की काफी जरूरत होती है। कई बार सीढ़ियों से तीसरी मंजिल चढ़ने के डर से बुजुर्ग वापस लौट जाते हैं।

लोग बोले-शिकायत पर भी लिफ्ट की नहीं हो रही मरम्मत आवास विकास परिषद कार्यालय में पहुंचे अमित कुमार ने बताया कि आए दिन कार्य के चलते आवास विकास में आना होता है। लिफ्ट खराब होने से परेशानी का सामना करना पड़ता है। इसकी शिकायत की गई, लेकिन अधिकारियों ने कोई समाधान नहीं कराया। सबसे ज्यादा परेशानी 70 वर्षीय बुजुर्ग पिता को होती है।

एक-दूसरे पर टाल रहे अधिकारी: लिफ्ट खराब होने की जानकारी लेने के लिए दैनिक जागरण की टीम ने अधीक्षण अभियंता सीपी सिंह को काल की तो उन्होंने जानकारी होने से मना कर दिया। उनका कहना था कि इसकी जानकारी अधिशासी अभियंता वीपी सिंह देंगे। अधिशासी अभियंता को काल की तो बताया कि लिफ्ट को ठीक करने के लिए टेक्नीशियन आए थे। उस दौरान कुछ सामान नहीं था। जिसे लाकर लगाया गया है। अभी लिफ्ट की टेस्टिंग चल रही है।

नौ साल बाद पूरा होगा 'टावर ऑफ जस्टिस' का सपना, सीजेआई सूर्यकांत करेंगे शुभारंभ

बादशाहपुर (गुरुग्राम), एजेंसी। जिला अदालत परिसर में बन रहे बहुचर्चित टावर ऑफ जस्टिस का इंतजार अब खत्म होने जा रहा है। पंजाब एवं हरियाणा हाई कोर्ट के आदेश के बाद तैयार हुए इस नए न्यायिक परिसर का शुभारंभ 12 जुलाई को भारत के मुख्य न्यायाधीश (सीजेआइ) सुर्यकांत द्वारा किया जाएगा। जिला एवं सत्र न्यायाधीश नरेंद्र सूरा ने जिला अदालत में तैनात सभी न्यायिक अधिकारियों और कर्मचारियों को इस ऐतिहासिक अवसर पर उपस्थित रहने के निर्देश जारी किए हैं।

जिला एवं सत्र न्यायाधीश कार्यालय की ओर से जारी आदेश में कहा गया है कि सभी न्यायिक अधिकारी और स्टाफ सदस्य 11 और 12 जुलाई को अपने स्टेशन पर मौजूद रहेंगे। किसी भी अधिकारी या कर्मचारी को इन तिथियों में स्टेशन छोड़ने की अनुमति नहीं होगी। विशेष परिस्थितियों

में ही पूर्व अनुमति के बाद अवकाश दिया जाएगा। टावर आफ जस्टिस परियोजना की शुरुआत 2014 में की गई थी। इसे गुरुग्राम में न्यायिक व्यवस्था को आधुनिक बनाने वाली महत्वाकांक्षी परियोजना के रूप में देखा गया था। शुरुआत में निर्माण कार्य वर्ष 2017 तक पूरा करने का लक्ष्य रखा गया था, लेकिन तय समय पर काम पूरा नहीं हो सका। इसके बाद समय सीमा बढ़ाकर 2020, फिर 2024 और बाद में 2025 तक की गई। अब यह परियोजना वर्ष 2026 में जाकर पूरी होने जा रही है। परियोजना में देरी का असर इसकी लागत पर भी पड़ा। शुरुआती अनुमान के अनुसार निर्माण पर करीब 113 करोड़ रुपये खर्च होने थे, लेकिन तकनीकी बदलाव, निर्माण में देरी और अन्य प्रशासनिक कारणों से इसकी लागत बढ़कर लगभग 295 करोड़ रुपये तक पहुंच गई। टावर आफ जस्टिस का उद्देश्य जिला एवं सत्र न्यायालय की विभिन्न अदालतों, प्रशासनिक कार्यालयों और न्यायिक सुविधाओं को एक ही परिसर में लाना है। इससे न्यायिक कार्यों में तेजी आएगी और आम लोगों को भी बेहतर सुविधाएं मिल सकेंगी।परियोजना में देरी के पीछे तकनीकी अड़चनें, डिजाइन में बदलाव, प्रशासनिक समन्वय की कमी और निर्माण की धीमी गति जैसे कारण बताए जाते रहे हैं।

खौफनाक दास्तानः पत्नी के दुष्कर्म का बदला लेने के लिए दोस्त को उतारा था मौत के घाट, 21 साल बाद दबोचा गया

पालघर, एजेंसी। महाराष्ट्र पुलिस ने 41 साल के एक ऐसे आरोपित को गिरफ्तार किया है, जो पालघर जिले में अपने दोस्त की हत्या के बाद फरार चल रहा था। वह उत्तर प्रदेश में अपनी पहचान छिपाकर रह रहा था। मीरा भायंदर-वसई विरार पुलिस ने गुरुवार को आरोपित राजेश सुरेश सोनकर को प्रयागराज जिले के एक गांव से गिरफ्तार किया। शुक्रवार को एक प्रेस कान्फ्रेंस में एसीपी क्राइम मदन बल्लाल ने बताया कि आरोपित ने अपनी असली पहचान छिपाई हुई थी और उत्तर प्रदेश में ई-रिक्शा चला रहा था। यह मामला 27 दिसंबर, 2005 का है। पालघर के भाटीबंदर गांव में 30 साल के दिलीप तुकाराम चव्हाण का शव मिला था। सिर पर गंभीर चोट लगने से चव्हाण की मौत हो गई थी। विरार पुलिस स्टेशन में मामला दर्ज किया गया था। लेकिन कोई सुराग न

मिलने के कारण मामला आगे नहीं बढ़ पाया। इस मामले में तब सफलता मिली जब मीरा भायंदर-वसई विरार पुलिस कमिश्नर ने कमिश्नरेट के अधिकार क्षेत्र में लंबे समय से अनसुलझे हत्या के मामलों की समानांतर जांच के आदेश दिए। वसई में क्राइम ब्रांच यूनिट दो ने इस मामले की फाइलें खंगाली, अपराध स्थल के मूल डेटा की दोबारा जांच की और 2005 के गवाहों से फिर से पूछताछ की। इस मामले में तब अहम मोड़ आया, जब जांचकर्ताओं को एक मुखबिर से जानकारी मिली कि आरोपित उत्तर प्रदेश में अपने पैतृक गांव में छिपा हुआ है। फोरेंसिक और तकनीकी विश्लेषण का इस्तेमाल कर पुलिस की एक टीम ने उसकी सही लोकेशन का पता लगाया और उसे पकड़ लिया। पूछताछ के दौरान सोनकर ने अपना जुर्म कुबूल कर लिया। उसने पुलिस को बताया कि चव्हाण उसका दोस्त था। वे दोनों एक होटल में सफाई कर्मचारी के तौर पर साथ काम करते थे।

संपादकीय

अर्थव्यवस्था को गति देने के लिए प्रभावी और कारगर कदम उठाने होंगे

उत्पादन और परिवहन लागत बढ़ने से महंगाई भी बढ़ रही है। बारिश कम होने और उर्वरकों की कीमतें बढ़ने से कृषि उत्पादन पर भी असर पड़ेगा, नतीजा यह कि खाने–पीने चीजें और महंगी हो सकती है। सरकार के तमाम दावों के बावजूद देश में आर्थिक विकास की रफ्तार धीमी पड़ती जा रही है। भारतीय रिजर्व बैंक के बाद अब वैश्विक रेटिंग एजेंसी एसएंडपी ने भी वर्ष 2026–27 में देश की आर्थिक वृद्धि दर घटकर 6.6 फीसद रहने का अनुमान जताया है। जबकि वर्ष 2025–26 में यह 7.7 फीसद और उससे पहले 7.1 फीसद थी। इसी की बदौलत भारत की गिनती दुनिया में सबसे तेज बढ़ती अर्थव्यवस्थाओं में की जा रही थी।इन अनुमानों के पीछे कई कारण हैं। सबसे बड़ी वजह पश्चिम एशिया में संघर्ष से उपजी वैश्विक अस्थिरता है। इससे पूरी दुनिया में पैदा हुए ऊर्जा संकट का देश की अर्थव्यवस्था पर सीधा असर पड़ा है। वैश्विक आर्थिक सुस्ती का जोखिम भी सामने है। इसके अलावा अल–नीनो के प्रभाव से देश में मानसून कमजोर रहने की संभावना भी आर्थिक विकास की राह में बाधा उत्पन्न कर सकती है। स्पष्ट है कि चुनौतियां कम नहीं हैं और ऐसे में सरकार को देश की अर्थव्यवस्था को गति देने के लिए प्रभावी एवं कारगर कदम उठाने होंगे। गौरतलब है कि पिछले दिनों भारतीय रिजर्व बैंक ने पश्चिम एशिया में संघर्ष से पैदा हुए संकट का हवाला देकर अपनी रिपोर्ट में चालू वित्त वर्ष में देश की आर्थिक वृद्धि दर घटकर 6.6 फीसद रहने का अनुमान जताया था। अब वैश्विक रेटिंग एजेंसी एसएंडपी ने भी इसकी पुष्टि कर दी है। इससे साफ है कि देश की आर्थिक वृद्धि दर सुस्त न पड़े, इसके लिए केंद्र और राज्यों सरकारों को हर मोर्चे पर तैयारी करनी होगी। ऊर्जा संकट से बाहर निकलने के लिए तेल और गैस आयात के नए विकल्पों पर विचार करने के साथ इसके नए स्रोत तलाशने होंगे। भारत इस समय कच्चे तेल की जरूरत का करीब अट्ठासी फीसद हिस्सा आयात करता है। कच्चे तेल की लागत बढ़ने से पेट्रोल–डीजल के दामों में बढ़ोतरी का बोझ आम लोगों पर बढ़ रहा है। उत्पादन और परिवहन लागत बढ़ने से महंगाई भी बढ़ रही है। बारिश कम होने और उर्वरकों की कीमतें बढ़ने से कृषि उत्पादन पर भी असर पड़ेगा, नतीजा यह कि खाने–पीने चीजें और महंगी हो सकती है। इन सब परिस्थितियों के बीच अगर अर्थव्यवस्था पर दबाव बढ़ा, तो आर्थिक वृद्धि दर में सुस्ती को रोका पाना आसान नहीं होगा।

दोषियों को न्याय के कठघरे में लाया जाए

हिंदू समाज में मंदिर आस्था के केंद्र होते हैं, वहां लोग मानिसक शांति और सुख–समृद्धि की कामना करते हैं। साथ ही वहां स्वेच्छा से धन या अन्य सामग्री दान करते हैं, ताकि उसका इस्तेमाल धार्मिक कार्यों में किया जा सके।श्रद्धालु इस विश्वास के साथ मंदिर में दान करते हैं कि इस राशि को खर्च करते वक्त पूरी पारदर्शिता बरती जाएगी। मगर इस दान राशि में ही अगर हेरफेर होने लगे, तो इसे लोगों की आस्था के साथ खिलवाड़ नहीं, तो और क्या कहा जाएगा। दोषियों को न्याय के कटघरे में खड़ा जरूर किया जाए।मसला जब अयोध्या में राम मंदिर से जुड़ा हो, तो मामला और भी संवेदनशील एवं गंभीर हो जाता है। राज्य सरकार ने इस मामले की जांच के लिए विशेष दल (एसआइटी) गठित किया है, जिसने अपनी प्रारंभिक रिपोर्ट मुख्य सचिव (गृह) को सौंप दी है।खबरों के मुताबिक, रिपोर्ट में दान राशि और कीमती सामान के प्रबंधन में कमियों का जिक्र करते हुए प्राथमिकी दर्ज करने की सिफारिश की गई है। इससे स्पष्ट है कि मंदिर के वित्तीय मामले में कुछ तो हेरफेर हुआ है, जिसकी गहन जांच की जरूरत है।गौरतलब है कि प्रदेश सरकार ने राम मंदिर ट्रस्ट के वित्तीय प्रबंधन और दान राशि से संबंधित आरोपों की जांच के लिए 13 जून को तीन सदस्यीय विशेष जांच दल का गठन किया था। सरकार का दावा था कि एसआइटी की जांच में 'दूध का दूध और पानी का पानी' हो जाएगा।अब एसआइटी ने अपनी प्रारंभिक जांच रिपोर्ट सरकार को सौंप दी है, मगर उसे सार्वजनिक नहीं किया गया है। जांच दल के अधिकारियों का कहना है कि यह गोपनीय रिपोर्ट है और इसे मीडिया से साझा नहीं किया जा सकता है। ऐसे में अब सरकार के दावों और उसकी मंशा पर भी सवाल उठने लगे हैं।अगर जांच के दौरान मंदिर की दान राशि में किसी तरह की गड़बड़ी पाई गई है, तो उसे सार्वजनिक क्यों नहीं किया जा रहा है? जिन श्रदालुओं ने राम मंदिर में राशि या कीमती सामान दान किया है।

दो-चार परिवारों की सुख समृद्धि के लिए अनेक घर-परिवार उजाड़ देता है। तंत्र की काहिली और आपराधिक लापरवाही के चलत ऐसे हादसे होते हैं जिनमें भ्रष्टाचार पसरा होता है, जब अफसरशाह लापरवाही करते हैं, जब स्वार्थ एवं धनलोलुपता में मूल्य बौने हो जाते हैं और नियमों और कायदे-कानूनों का उल्लंघन होता है। आखिर क्या वजह है कि जहां दुर्घटनाओं की ज्यादा संभावनाएं होती हैं।

लापरवाही की लपटों में जलती जिंदगी, कब जागेगा तंत्र?

(ललित गर्ग)

लखनऊ की जिस इमारत में आग लगी, वहां कोचिंग सेंटर और अन्य व्यावसायिक गतिविधियां संचालित हो रही थीं। यह अत्यंत गंभीर प्रश्न है कि क्या उस भवन को अग्निशमन विभाग से अनापत्ति प्रमाण पत्र (एनओसी) प्राप्त था? क्या भवन निर्माण मानकों का पालन किया गया था? क्या वहां आपातकालीन निकास मार्ग उपलब्ध थे? उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ के अलीगंज क्षेत्र में एक व्यावसायिक भवन में लगी भीषण आग ने केवल एक इमारत को नहीं जलाया, बल्कि शासन-प्रशासन की संवेदनहीनता, नियामक संस्थाओं की निष्क्रियता और व्यवस्था की खोखली पड़ चुकी जवाबदेही को भी उजागर कर दिया है। इस दुर्घटना में कोचिंग सेंटर के अनेक विद्यार्थियों की असामयिक मृत्यु ने पूरे देश को झकझोर दिया है। यह केवल एक हादसा नहीं, बल्कि उस सड़ी-गली व्यवस्था का परिणाम है, जो हर त्रासदी के बाद कुछ दिनों तक सक्रिय दिखती है और फिर गहरी नींद में सो जाती है। राजकोट के गेमिंग जोन में आग, दिल्ली के शिशु अस्पताल में नवजातों की मौत, दिल्ली के होटल अग्निकांड, मुजफ्फरपुर अस्पताल की दुर्घटना और अब लखनऊ का अग्निकांड-इन घटनाओं की श्रृंखला बताती है कि भारत में मानव जीवन का मूल्य लगातार घटता जा रहा है। हर बार वही बयान सुनाई देता है-'दोषियों को बख्शा नहीं जाएगा', 'जांच के आदेश दे दिए गए हैं', 'कड़ी कार्रवाई होगी'। लेकिन प्रश्न यह है कि क्या जांच और मुआवजा ही शासन का अंतिम दायित्व है? क्या सरकारें केवल दुर्घटना के बाद शोक व्यक्त करने और मुआवजा बांटने के लिए हैं? इन जहरीली काली आग ने कितने ही परिवारों के घर के चिराग बुझा दिए। कितनी ही आंखों की रोशनी छीन ली और एक कालिख पोत दी कानून और व्यवस्था के कर्णधारों के मुँह पर। लखनऊ की जिस इमारत में आग लगी, वहां कोचिंग सेंटर और अन्य व्यावसायिक गतिविधियां संचालित हो रही थीं। यह अत्यंत गंभीर प्रश्न है कि क्या उस भवन को अग्निशमन विभाग से अनापत्ति प्रमाण पत्र (एनओसी) प्राप्त था? क्या भवन निर्माण मानकों का पालन किया गया था? क्या वहां आपातकालीन निकास मार्ग उपलब्ध थे? यदि थे, तो वे उपयोग में क्यों नहीं आए? और यदि नहीं थे, तो इतने लंबे समय तक प्रशासन की नजर इस पर क्यों नहीं पड़ी? यह केवल भवन स्वामी की लापरवाही नहीं है। यदि कोई व्यावसायिक संस्थान नियमों की अनदेखी करते हुए वर्षों तक संचालित होता रहता है, तो स्पष्ट है कि कहीं न कहीं प्रशासनिक तंत्र की मौन सहमति या भ्रष्ट गठजोड़ सक्रिय है। आखिर नगर निगम, विकास प्राधिकरण, अग्निशमन विभाग और स्थानीय प्रशासन की जिम्मेदारी क्या है? क्या उनका कार्य केवल लाइसेंस जारी करना और औपचारिक निरीक्षण करना भर रह गया है? या कमियों को ढंकते हुए अपनी जैबें गर्म करते रहना है?

वास्तविकता यह है कि देश के अधिकांश शहरों में सार्वजनिक सुरक्षा भगवान भरोसे है। ऊंची-ऊंची इमारतें खड़ी हो रही हैं, लेकिन उनमें सुरक्षा मानकों की स्थिति अत्यंत चिंताजनक है। बहुमंजिला भवनों में अक्सर एक ही प्रवेश एवं निकास मार्ग होता है। अग्निशमन उपकरण या तो अनुपस्थित होते हैं या वर्षों से निष्क्रिय पड़े रहते हैं। आपदा प्रबंधन की कोई नियमित मॉक ड्रिल नहीं होती। भवनों में क्षमता से अधिक लोगों को प्रवेश दिया जाता है। नियम पुस्तकों में सुरक्षा व्यवस्था भले मौजूद हो, लेकिन जमीन पर उसकी स्थिति नगण्य है। इस विडम्बना का सबसे दुखद पक्ष यह है कि हर बड़ी दुर्घटना के बाद जांच समितियां गठित होती हैं, रिपोर्टें तैयार होती हैं, लेकिन उन रिपोर्टों पर अमल नहीं होता। उपहार सिनेमा अग्निकांड से लेकर राजकोट और लखनऊ तक, देश ने अनेक त्रासदियों से सबक लेने की बात कही, परंतु व्यवस्था ने कुछ नहीं सीखा। प्रशासन की स्मृति अत्यंत अल्पकालिक हो चुकी है। कुछ दिनों तक छापेमारी, निरीक्षण और नोटिस जारी करने का नाटक चलता है और फिर सब कुछ पहले जैसा हो जाता है। यह स्थिति केवल प्रशासनिक अक्षमता की नहीं, बल्कि नैतिक पतन की भी है। भ्रष्टाचार ने सुरक्षा व्यवस्था की आत्मा को खोखला कर दिया है। निरीक्षण करने वाले अधिकारी सुविधा शुल्क लेकर आंखें मूंद लेते हैं। भवन स्वामी अधिक लाभ कमाने के लिए सुरक्षा उपायों की उपेक्षा करते हैं। परिणामस्वरूप निर्दोष नागरिक अपनी जान गंवाते हैं। प्रश्न यह भी है कि क्या हमारे शहरों का विकास मानव-केंद्रित है? हम स्मार्ट सिटी, मेट्रो सिटी और विश्वस्तरीय शहरों के निर्माण की बात करते हैं, लेकिन यदि नागरिक सुरक्षित नहीं हैं, तो ऐसे विकास का क्या अर्थ है? किसी भी सभ्य समाज की पहली पहचान उसके नागरिकों की सुरक्षा होती है। यदि एक कोचिंग संस्थान, अस्पताल, होटल या मॉल भी सुरक्षित नहीं है, तो हमें अपने विकास मॉडल पर पुनर्विचार करना होगा। आज आवश्यकता केवल दोष निर्धारण की नहीं, बल्कि व्यापक संरचनात्मक सुधारों की है। सबसे पहले देशभर में सभी व्यावसायिक भवनों, कोचिंग संस्थानों, अस्पतालों, मॉल, होटल और सार्वजनिक स्थलों का स्वतंत्र सुरक्षा ऑडिट कराया जाना चाहिए। जिन संस्थानों के पास अग्नि सुरक्षा प्रमाणपत्र नहीं हैं या जो मानकों का पालन नहीं करते, उन्हें तत्काल बंद किया जाना चाहिए। दूसरे, अग्निशमन विभाग को आधुनिक संसाधनों और पर्याप्त मानवबल से सुसज्जित करना होगा। अनेक रिपोर्टों के अनुसार देश में फायर स्टेशनों और प्रशिक्षित फायर कर्मियों की भारी कमी है। तेजी से बढ़ते शहरीकरण के अनुरूप अग्निशमन सेवाओं का विस्तार अत्यंत आवश्यक है। तीसरे, प्रत्येक सार्वजनिक भवन में हर छह माह में अनिवार्य मॉक ड्रिल आयोजित की जानी चाहिए। विद्यालयों, महाविद्यालयों और कोचिंग संस्थानों में आपदा प्रबंधन का प्रशिक्षण पाठ्यक्रम का हिस्सा बनाया जाना चाहिए, ताकि आपात स्थिति में लोग घबराने के बजाय संयमपूर्वक अपनी सुरक्षा कर सकें। चौथे, जवाबदेही की स्पष्ट व्यवस्था होनी चाहिए। केवल भवन स्वामी ही नहीं, बल्कि संबंधित विभागों के उन अधिकारियों पर भी कठोर दंडात्मक कार्रवाई होनी चाहिए, जिन्होंने लापरवाही बरती या नियमों की अनदेखी की। जब तक अधिकारी व्यक्तिगत रूप से उत्तरदायी नहीं बनाए जाएंगे, तब तक सुधार की उम्मीद करना व्यर्थ है। सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि शासन की प्राथमिकता 'दुर्घटना के बाद की प्रतिक्रिया' से बदलकर 'दुर्घटना से पूर्व की रोकथाम' पर केंद्रित होनी चाहिए। सुशासन का अर्थ केवल योजनाएं बनाना नहीं, बल्कि नागरिकों के जीवन की रक्षा सुनिश्चित करना भी है। प्रशासन की सफलता मुआवजा राशि में नहीं, बल्कि दुर्घटनाओं को रोकने की क्षमता में निहित होती है। कोचिंग सेंटर, हॉस्पिटल, कारखाने, होटल आदि के मिस मैनेजमेंट और लापरवाही का स्थानीय प्रशासन को अंदाजा होना चाहिए कि उसके कार्यक्षेत्र में किस तरह के व्यवसाय कानूनी प्रक्रियाओं की अनदेखी करते हुए चलाए जा रहे हैं? प्रश्न है कि इन बढ़ती दुर्घटनाओं की नृशंस चुनौतियों का क्या अंत है? बहुत कठिन है दुर्घटनाओं की उफनती नदी में जीवनरूपी नौका को सही दिशा में ले चलना और मुकाम तक पहुंचाना, यह चुनौती सरकार के सम्मुख तो है ही, आम जनता भी इससे बच नहीं सकती।

दुनिया की सबसे बड़ी खेल प्रतियोगिता है ओलम्पिक

(योगेश कुमार गोयल)

अंतर्राष्ट्रीय ओलम्पिक दिवस मनाए जाने की शुरूआत 23 जून 1948 को हुई थी। दरअसल आधुनिक ओलम्पिक खेलों का पहला आयोजन तो वर्ष 1896 में हुआ था लेकिन अंतर्राष्ट्रीय ओलम्पिक समिति (आईओसी) की स्थापना पियरे द कुबर्तिन द्वारा 23 जून 1894 को की गई थी, जिसके प्रथम अध्यक्ष बने थे यूनानी व्यापारी डेमट्रियोस विकेलास। भारत आधुनिक ओलम्पिक खेलों में 106 वर्ष का सफर पूरा कर रहा है। भारत ने पहली बार वर्ष 1900 में ओलम्पिक में हिस्सा लिया था। तब भारत की ओर से केवल एक एथलीट नॉर्मन प्रिचर्ड को भेजा गया था, जिसने एथलेटिक्स में दो रजत पदक जीते थे। हालांकि भारत ने अधिकारिक तौर पर पहली बार 1920 में ओलम्पिक खेलों में हिस्सा लिया था। 2024 में पेरिस ओलम्पिक में भारतीय खिलाड़ियों ने शानदार प्रदर्शन करते हुए 6 पदक भारत की झोली में डाले थे जबकि उससे पहले 2021 में टोक्यो ओलम्पिक में भारत 7 पदक जीतने में सफल हुआ था। ओलम्पिक खेलों की शुरूआत करीब 2798 वर्ष पूर्व ग्रीस में जीयस के पुत्र हेराकल्स द्वारा की गई मानी जाती है किन्तु ऐसी धारणा है कि यह खेल उससे भी काफी पहले से ही खेले जाते रहे थे। 776 ईसा पूर्व विधिवत रूप से शुरू हुए ओलम्पिक खेलों का सिलसिला उसके बाद निर्बाध रूप से 393 ई. तक अर्थात् 1169 वर्षों तक चलता रहा। इन खेलों के माध्यम से ऐसा प्रदर्शन किया जाता था, जो मानव की शक्ति, गति एवं ऊर्जा का परिचायक माना जाता था। प्राचीन ओलम्पिक खेलों का आयोजन ईश्वर को श्रद्धांजलि देने के लिए किया जाता था। अंतर्राष्ट्रीय ओलम्पिक दिवस मनाए जाने की शुरूआत 23 जून 1948 को हुई थी। दरअसल आधुनिक ओलम्पिक खेलों का पहला आयोजन तो वर्ष 1896 में हुआ था लेकिन अंतर्राष्ट्रीय ओलम्पिक समिति (आईओसी) की स्थापना पियरे द कुबर्तिन द्वारा 23 जून 1894 को की गई थी, जिसके प्रथम अध्यक्ष बने थे यूनानी व्यापारी डेमट्रियोस विकेलास। आईओसी का मुख्यालय स्विट्जरलैण्ड के लॉजेन में स्थित है और वर्तमान में दुनियाभर में 205 राष्ट्रीय ओलम्पिक समितियां इसकी सदस्य हैं। आईओसी के स्थापना दिवस 23 जून को ही बाद में अंतर्राष्ट्रीय ओलम्पिक समिति द्वारा प्रतिवर्ष ओलम्पिक दिवस के रूप में मनाया जाना शुरू किया गया। आईओसी द्वारा प्रत्येक चार वर्ष के अंतराल पर ग्रीष्मकालीन ओलम्पिक खेल, शीतकालीन ओलम्पिक खेल और युवा ओलम्पिक खेल का आयोजन किया जाता है। पहला ग्रीष्मकालीन ओलम्पिक वर्ष 1896 में यूनान के एथेंस में तथा पहला शीतकालीन ओलम्पिक 1924 में फ्रांस के चेमोनिक्स में आयोजित किया गया था। ओलम्पिक दुनिया की सबसे बड़ी खेल प्रतियोगिता है, जिसमें दो सौ से ज्यादा देश हिस्सा लेते हैं। फ्रांस के युवा शिक्षाशास्त्री पियरे द कुबर्तिन ने आधुनिक ओलम्पिक खेलों की आधारशिला रखी थी और उनके द्वारा 23 जून 1894 को अंतर्राष्ट्रीय ओलम्पिक समिति की स्थापना किए जाने के बाद नए रूप में 1896 से आधुनिक ओलम्पिक खेलों का आयोजन शुरू हुआ। उसके बाद ओलम्पिक खेल प्राचीन ओलम्पिक खेलों की ही भांति हर चार वर्ष के अंतराल पर आयोजित किए जाने लगे। एक जनवरी 1863 को जन्मे पियरे द कुबर्तिन की उम्र उस वक्त सिर्फ सात साल थी, जब 1870 में फ्रैंच-परसियन लड़ाई में जर्मनी ने फ्रांस पर कब्जा कर लिया था।

सुडोकू पहेली — क्रमांक- 6135

5		3						
2			3					
	4		7	1		2		3
		5	4				7	1
		4	2		1	8		
6	8				7	5		
1		7		6	9		3	
					4			6
						9		5

नियम : प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक अंक भरे जाने आवश्यक हैं, इनका क्रमवार होना आवश्यक नहीं है। आड़ी व खड़ी पंक्ति में एवं 3x3 के वर्ग में अंक की पुनरावृत्ति न हो, पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते।

सुडोकू पहेली क्र. 6134

2	9	3	1	7	4	8	6	5
5	1	8	6	2	3	4	7	9
6	7	4	9	8	5	2	3	1
3	8	5	2	9	6	1	4	7
1	6	9	8	4	7	5	2	3
7	4	2	5	3	1	9	8	6
4	5	1	7	6	8	3	9	2
8	2	6	3	5	9	7	1	4
9	3	7	4	1	2	6	5	8

वर्ग पहेली 6135

संकेतः बाएं से दाएं
1. 2006 को इराके के इस राष्ट्रपति को फांसी की सजा सुनाई गई (6)
6. घायल किया हुआ (2)
7. लकड़ी या डंडे के सिरे पर कपड़ा बांधकर जलाने से उत्पन्न की गई रोशनी (3)
9. लवण (3)
11. कुटिलता, छल, पाखंड (3)
12. ठंडा, शीतल, जाड़ा, ठंड (2)
13. अपराध, कसूर (3)
14. तीव्र उत्कंठित होना, प्रबल अभिलाषित होना (4)
15. महीप, सम्राट, किंग, बादशाह (2)
17. हिंदू धर्म मानने वालों का यह तीसरा वेद है जिसमें कुल 1810 ऋचाऐं है, भारतीय संगीतशास्त्र का आरंभ भी इसी वेद से होता है (4)
18. दिन का दूसरा पहर (2)
20. हाथ, कर (2)
21. किसी रूठे हुए को प्रसन्न करना, फुसलाना, मन्नत मानना (3)
22. ग्रीष्म ऋतु में चलने वाली तप्त हवा (1)

(ऊपर से नीचे
1. बर्दाश्त करने वाला, सहिष्णु (5)
2. खुशबू, सुगंध गमक (3)
3. आहुति के रूप में दिया हुआ (2)
4. वापस आना, एकदम बदल जाना, लौटना, अदल-बदल करना (4)
8. अहित कामना सूचक शब्द (2)
10. सस्वार्थ मित्र, दिखावटी मित्र, स्वार्थी दोस्त (6)
13. मध्यप्रदेश का यह शहर मालवा का प्रवेश द्वार कहलाता है, यहां से 35 किमी राजस्थान की सीमा है (2)
16. फिल्मों की पटकथा लेखक जोड़ी में से एक जिन्होनें फिल्म शोले की पटकथा लिखी थी (3)
17. निवारण करना, परस्पर निर्वाह करना (3)
19. उत्तम पुरूष बहुवचन सर्वनाम शब्द (2)

वर्ग पहेली 6134 का हल

औ	रं	ग	जे	ब		बां	स
स	ग	र		ह	ज		र
त	त		म	री	ज		प
		म	हा	न		दौ	र
सा	दा		दे		न		स्त
म	न		वी	र	भ	द्र	
वे		स	व	न		व	सा
द		ब	र्मा		न	ज	फ

आज का राशिफल

मेष
आज आर्थिक रूप से आज आपकी स्थिति स्थिर बनी हुई है। साझेदारियों के माध्यम से धन के प्रवाह को सुधारने के कुछ अच्छे अवसर मिल सकते हैं। जल्दबाजी में खरीदारी करने से बचें। आपका सटीक दृष्टिकोण संसाधनों को सही ढंग से संभालने में मदद करेगा। लंबी अवधि की योजनाओं और बचत के लक्ष्यों की समीक्षा करने के लिए भी आज का दिन बहुत अनुकूल है।

वृष
आज आप अपने आर्थिक भविष्य को लेकर अधिक आश्वस्त महसूस कर सकते हैं। पारिवारिक संपर्कों के माध्यम से आय में सुधार के अवसर मिल सकते हैं। किसी भी तरह के अनावश्यक जोखिम से बचें। धीरज के साथ लिए गए आर्थिक निर्णय अच्छे परिणाम लेकर आएंगे। जमीन-जायदाद या संपत्ति से जुड़े मामलों पर आज ध्यान देने की आवश्यकता पड़ सकती है।

मिथुन
आज आप अपनी आर्थिक प्राथमिकताओं को लेकर अधिक जागरूक रहेंगे। आप अपने बजट और योजनाओं की फिर से समीक्षा कर सकते हैं। जल्दबाजी में कोई भी बड़ा कदम न उठाएं। आपकी संतुलित सोच बेहतर परिणाम लेकर आएगी।

तुला
आज आपको अपने खर्चों को लेकर थोड़ा सावधान रहने की जरूरत है। अचानक सामने आने वाले कुछ खर्चे आपका ध्यान खींच सकते हैं। बिना सोचे-समझे बड़े आर्थिक निर्णय लेने से बचें। धन का बहुत अधिक विस्तार करने के बजाय अभी अपने पास मौजूद संसाधनों को सुरक्षित करने पर ध्यान दें।

वृश्चिक
सामूहिक गतिविधियों या नए लोगों से संपर्क बढ़ाने के माध्यम से आज आपको आर्थिक लाभ मिल सकता है कि आपके मित्र या पेशेवर साथी निवेश और आय के अवसरों से जुड़ी कुछ अच्छी सलाह दे सकते हैं। अपने निर्णयों में पूरी तरह सटीक बने रहें। लंबी अवधि के निवेश की योजनाओं पर आज विशेष ध्यान देने की जरूरत है। बिना जांचे-परखे किसी की आर्थिक सलाह पर अमल न करें।

धनु
आज आप अपने बजट और वित्तीय योजना पर ध्यान केंद्रित कर सकते हैं। बिना सोचे-समझे किसी को भी धन उधार देने से आपको बचना चाहिए। बचत से जुड़े निर्णय आपके लिए फायदेमंद साबित हो सकते हैं। आज अपनाया गया वित्तीय अनुशासन आपके भविष्य को और अधिक सुरक्षित बनाएगा। केवल आराम और दिखावे के लिए महंगी चीजें खरीदने से बचें।

कर्क
आज आपके संयुक्त धन, लोन और साझा संसाधनों से जुड़े मामलों पर विशेष ध्यान देने की जरूरत है। किसी भी तरह का अनावश्यक आर्थिक जोखिम लेने से बचें। आपकी अच्छी प्लानिंग आर्थिक स्थिति को मजबूत करने में मदद करेगी। रुके हुए वित्तीय मामले अब आगे बढ़ सकते हैं। अपने सभी जरूरी कागजातों को व्यवस्थित रखें।

सिंह
आज साझेदारों और व्यापारिक सहयोगियों के साथ आज आर्थिक विषयों पर की गई बातचीत बहुत ही फायदेमंद साबित हो सकती है। संयुक्त रूप से किए जा रहे कार्यों में प्रगति के संकेत मिल सकते हैं। ऐसे वादे करने से बचें जिन्हें पूरा करना आपके लिए कठिन हो। आपकी सटीक योजनाएं आने वाले समय में आपको मजबूत आधार देंगी।

कन्या
आज आपकी आर्थिक स्थिति में धीरे-धीरे और निरंतर सुधार होने के योग हैं। रोजमर्रा के धन प्रबंधन पर ध्यान दें और छोटे-मोटे खर्चों को भी नजरअंदाज न करें। आपकी सही योजनाएं आने वाले समय में अच्छे परिणाम लेकर आएंगी।

मकर
धन के मामलों में आज बहुत ही बारीक नजर रखने की आवश्यकता है। नए निवेशों में जल्दबाजी करने से पूरी तरह बचें। कोई भी वादा करने से पहले अच्छे से छानबीन कर लें। सुरक्षित तरीका अपनाना आज आपके लिए सबसे बेहतर रहेगा। कुछ छिपे हुए खर्चे सामने आ सकते हैं, जिन पर तुरंत ध्यान देने की जरूरत होगी। आज आप अपने ज्ञान और हुनर को और बढ़ाने के लिए प्रेरित महसूस कर सकते हैं।

कुंभ
आपके रचनात्मक विचार आज धन लाभ के नए अवसर बना सकते हैं। अपने हुनर को आय के स्रोत में बदलने के तरीकों पर विचार करें। बहुत अधिक लाभ का अंदाजा लगाने से बचें और सतर्क बने रहें। कला या स्वतंत्र रूप से किए जाने वाले कार्यों से आय में सुधार देखने को मिल सकता है। तुरंत लाभ खोजने के बजाय स्थायी विकास पर ध्यान लगाएं। आज आपकी रचनात्मकता और सोचने समझने की क्षमता बहुत मजबूत बनी हुई है।

मीन
आज आर्थिक स्थिति में धीरे-धीरे सुधार देखने को मिल सकता है। आपको अपनी आय या अटके हुए भुगतानों से जुड़ी कोई अच्छी खबर मिल सकती है। जोखिम भरे निवेशों से अभी पूरी तरह दूर रहें। अपनी आर्थिक बुनियाद को मजबूत करने पर ध्यान दें। परिवार की जरूरतों से जुड़े कुछ खर्चे सामने आ सकते हैं। एक अच्छा बजट संतुलन बनाए रखने में मदद करेगा।

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक एवं संपादक श्रीराम अम्बष्ट द्वारा सोमांक प्रिंटर्स, बी-17 और बी-18 (भाग), ग्रोथ सेंटर जसोइया, औरंगाबाद, बिहार - 824101 में मुद्रित एवं सोन वर्षा वाणी बिल्डिंग, क्लब रोड, औरंगाबाद (बिहार) से प्रकाशित।
संपादक- श्रीराम अम्बष्ट, समाचार संपादक- साकेत अम्बष्ट फोन/फैक्स-06186-226116 मो.-9934957121, E-mail : sonevershavani@gmail.com, RNI-BIHHIN/1998/03009

बिहार समेत देश-दुनिया की ताजा-तरीन खबरों को जानने के लिए लॉगऑन करें :
www.sonvarshavani.com

भारत का पाकिस्तान पर दबदबा कायम

हॉकी में 7-1 से रौंदा, 3278 दिन से अजेय है टीम इंडिया

नई दिल्ली। भारतीय पुरुष हॉकी टीम ने पाकिस्तान के खिलाफ अपनी अजेय बढ़त बनाए रखी। 26 जून को लंदन के ली वैली हॉकी और टेनिस सेंटर में खेले गए 2025-26 एफआईएच प्रो लीग के अपने दूसरे आखिरी मैच में टीम ने 7-1 से जीत हासिल की और पिछले एक दशक से चली आ रही जीत की लय को बरकरार रखा। मेन इन ब्लू ने इसी मैदान पर मंगलवार, 23 जून को मिली 4-3 की जीत के बाद चार दिनों के भीतर अपने कट्टर प्रतिद्वंद्वी के खिलाफ दूसरी जीत दर्ज की।

भारत की तरफ से 7 खिलाड़ियों ने किए गोल- इस मुकाबले में पाकिस्तान ने पहला गोल 13वें मिनट में ही कर दिया और भारत 1-0 से पिछड़ गई थी। पाकिस्तान के लिए अबू महमूद ने गोल किया, लेकिन इसके बाद भारतीय खिलाड़ियों ने गजब का खेल दिखाया और फिर पाकिस्तान की टीम मैच समाप्त होने तक एक भी गोल नहीं कर पाई। दूसरे क्वार्टर में सुखजीत सिंह (20वें मिनट) और हरमनप्रीत सिंह (26वें मिनट) के गोल की बदौलत भारत ने जबरदस्त वापसी की और हाफ-टाइम ब्रेक तक 2-1 की बढ़त बना ली। दूसरे क्वार्टर में एक दुर्भाग्यपूर्ण घटना घटी जब पाकिस्तान के खिलाड़ी अहमद नदीम की आंख में गंभीर चोट लग गई और उनका इलाज करने के बाद उन्हें व्हीलचेयर से मैदान से बाहर ले जाया गया। इसके बाद तीसरे क्वार्टर में हार्दिक सिंह (34वें मिनट), जुगराज सिंह (35वें मिनट), अभिषेक (41वें मिनट) और राजकुमार पाल (44वें मिनट) ने गोल किए जबकि आखिरी क्वार्टर में दिलप्रीत सिंह (54वें मिनट) के गोल ने जीत पर सोने पे सुहागा जैसा काम किया और भारत ने मैच को 7-1 से जीत लिया।

एशियाई खेलों में हिस्सा लेंगे भाला फेंक एथलीट नीरज

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत के स्टार भाला फेंक एथलीट नीरज चोपड़ा सितंबर-अक्टूबर में जापान में होने वाले एशियाई खेलों में हिस्सा लेंगे। भारतीय एथलेटिक्स महासंघ (एएफआई) की चयन समिति के अध्यक्ष आदिल सुमारीवाला ने शनिवार को इस बात की पुष्टि की है। 28 वर्षीय और दो बार के ओलंपिक पदक विजेता नीरज चोपड़ा ने हाल ही में चोट से उबरने के बाद वापसी की है।

● भारतीय एथलेटिक्स महासंघ ने की पुष्टि

सितंबर 2025 में टोक्यो विश्व चैंपियनशिप से पहले उन्हें पीठ के निचले हिस्से में चोट लगी थी। इसके बाद उन्होंने इस सीजन की देर से शुरुआत करते हुए दोहा डायमंड लीग में हिस्सा लिया, जहां उन्होंने 85.69 मीटर के अपने सर्वश्रेष्ठ थ्रो के साथ चौथा स्थान हासिल किया। नीरज ने राष्ट्रमंडल खेलों में अपनी भागीदारी की पुष्टि पहले ही कर दी थी, लेकिन उन्होंने 19 सितंबर से चार अक्टूबर तक आईची-नागोया (जापान) में होने वाले एशियाई खेलों में खेलने को लेकर स्पष्ट रूप से कुछ नहीं कहा था।

चयन समिति का क्या कहना है?

आदिल सुमारीवाला ने कहा, हां नीरज राष्ट्रमंडल खेल और एशियाई खेल दोनों में भाग लेंगे। वह पहले ही क्वालिफाई कर चुके हैं और अब चोट से उबर रहे हैं। उन्होंने अपने पहले ही इवेंट में 85.69 मीटर का थ्रो किया, जो कि शानदार है। नीरज ने चीन में हुए पिछले एशियाई खेलों में 88 मीटर (88.88 मीटर) के थ्रो के साथ स्वर्ण पदक जीता था और अब वह पहले ही 86 मीटर के करीब पहुंच चुके हैं। ऐसे में हमें कोई कारण नहीं दिखता कि वह राष्ट्रमंडल और एशियाई खेल दोनों में अच्छा प्रदर्शन क्यों नहीं करेंगे।

एएफआई की चयन समिति द्वारा चल रही राष्ट्रीय अंतर-राज्यीय सीनियर एथलेटिक्स चैंपियनशिप के अंतिम दिन यानी रविवार को एशियाई खेलों के लिए भारतीय टीम की घोषणा किए जाने की उम्मीद है। जापान में नीरज चोपड़ा को कड़ी चुनौती का सामना करना पड़ सकता है। श्रीलंका के रुमेश थारंगा पाथिरगे ने इस साल 90 मीटर का आंकड़ा पार किया है और दो डायमंड लीग खिताब जीते हैं। वहीं, ओलंपिक चैंपियन नदीम भी इस रेस में शामिल हो सकते हैं, जिससे मुकाबला बेहद प्रतिस्पर्धी हो जाएगा। हालांकि, उन्होंने 19 जून को दोहा डायमंड लीग से अपना नाम वापस ले लिया था।

तैयारियों के लिए पूरी छूट

नीरज चोपड़ा को पहले ही राष्ट्रमंडल खेलों के लिए 32 सदस्यीय भारतीय टीम में शामिल किया जा चुका है। 23 जुलाई से दो अगस्त तक ग्लासगो में होने वाले इन खेलों से पहले नीरज किसी और प्रतियोगिता में भाग लेना चाहते हैं या नहीं, इसका फैसला एएफआई ने पूरी तरह उन पर छोड़ दिया है। विश्व एथलेटिक्स के उपाध्यक्ष सुमारीवाला ने कहा, हमने यह फैसला उन पर छोड़ दिया है। उनकी मेडिकल टीम, उनके कोच और सभी लोग एक साथ बैठकर तय करेंगे कि उनके लिए कौन सी प्रतियोगिताएं सबसे सही रहेंगी। मुख्य बात उनका क्वालिफाई करना था, जो उन्होंने कर लिया।

28 वर्षीय और दो बार के ओलंपिक पदक विजेता ने हाल ही में चोट से उबरने के बाद वापसी की

बेन स्टोक्स ने रचा इतिहास

न्यूज़ीलैंड की पारी 438 रन पर सिमटी

नॉटिंघम। इंग्लैंड के कप्तान बेन स्टोक्स ने न्यूजीलैंड के खिलाफ तीसरे और निर्णायक टेस्ट मैच में शानदार गेंदबाजी करते हुए अपने टेस्ट करियर का एक बड़ा मुकाम हासिल कर लिया। स्टोक्स ने चार विकेट झटकते हुए टेस्ट क्रिकेट में 250 विकेट पूरे किए। इसके साथ ही उन्होंने एक खास रिकॉर्ड भी अपने नाम दर्ज कर लिया।

स्टोक्स ने पलटा मैच का रुख

ट्रेंट ब्रिज में खेले जा रहे तीसरे टेस्ट के दूसरे दिन स्टोक्स ने 21 ओवर में 70 रन देकर चार विकेट लिए। शुक्रवार सुबह उन्होंने महज आठ ओवर में 13 रन देकर तीन विकेट चटकाए और न्यूजीलैंड की मजबूत होती पारी को बिखेर दिया।न्यूजीलैंड ने पहले दिन 361/4 के स्कोर से आगे खेलना शुरू किया था, लेकिन इंग्लैंड के गेंदबाजों ने शानदार वापसी करते हुए पूरी टीम को 438 रन पर समेट दिया। एक समय टीम का स्कोर 361/2 था, लेकिन इसके बाद उसने अपने आखिरी आठ विकेट सिर्फ 77 रन जोड़कर गंवा दिए।

250 विकेट पूरे कर रचा इतिहास

स्टोक्स ने मिचेल सेंटनर को आउट कर अपने टेस्ट करियर का 250वां विकेट हासिल किया। इसके साथ ही वह टेस्ट क्रिकेट में 7000 से अधिक रन और 250 विकेट लेने वाले दुनिया के सिर्फ दूसरे खिलाड़ी बन गए। इस उपलब्धि तक उनसे पहले केवल दक्षिण अफ्रीका के महान ऑलराउंडर जैक्स कैलिस ही पहुंचे थे।

डेब्यू में ही केप वर्डे का कमाल, राउंड ऑफ 32 में पहुंची, अब अर्जेंटीना से सामना

हुआस्टन, एजेंसी। फीफा विश्व कप में पहली बार कदम रखने वाली केप वर्डे ने अपना शानदार सफर जारी रखते हुए नॉकआउट दौर में जगह बना ली है। हालांकि, अब उसके लिए आगे की राह बेहद कठिन है क्योंकि राउंड ऑफ 32 में उसका सामना मौजूदा चैंपियन अर्जेंटीना से होगा। शनिवार को खेले गए एक रोमांचक मुकाबले में केप वर्डे ने सऊदी अरब के साथ गोल रहित ड्रॉ खेला। इस ड्रॉ और ग्रुप के एक अन्य मैच में स्पेन द्वारा उरुग्वे को 1-0 से हराने के बाद टूर्नामेंट की शुरुआत में 67वीं रैंकिंग पर मौजूद केप वर्डे ग्रुप एच में स्पेन के बाद दूसरे स्थान हासिल करने में सफल रही।

इतिहास रचने की ओर कदम

करीब पांच लाख से ज्यादा की आबादी वाले इस छोटे से देश ने अपने ग्रुप स्टेज के तीनों मैचों में अजेय रहकर एक नया इतिहास रच दिया है। अब इस खूबसूरत सफर का अगला अध्याय चार जुलाई को मियामी में लिखा जाएगा, जहां केप वर्डे का मुकाबला लियोनल मेसी की कप्तानी वाली अर्जेंटीना से होगा। कागजों में दोनों टीमों के बीच कोई तुलना ही नहीं है, लेकिन केप वर्डे के पास इतिहास में अपना नाम दर्ज कराने का सुनहरा अवसर होगा। स्पेन सात अंकों के साथ शीर्ष पर रहा। टीम ने अपने पहले मैच में केप वर्डे के साथ ड्रॉ खेला था। केप वर्डे तीन अंकों के साथ दूसरे स्थान पर रहकर नॉकआउट में पहुंचा।उरुग्वे और सऊदी अरब की टीमें दो-दो अंकों के साथ टूर्नामेंट से बाहर हो गईं। अब अगले दौर में स्पेन का सामना ग्रुप जे में दूसरे स्थान पर रहने वाली टीम से होगा।

गोलकीपर वोजिन्हा बने नायक

इतिहास रचने के इरादे से मैदान पर उतरे केप वर्डे के कोच बुबिस्टा ने अपनी शुरुआती टीम में आधे से ज्यादा बदलाव किए थे, जिनमें से कुछ बदलाव मजबूरी में करने पड़े थे। हालांकि, उन्होंने अपने स्टार और हीरो गोलकीपर वोजिन्हा पर भरोसा बनाए रखा था। सऊदी अरब के खिलाफ केप वर्डे को गोल करने के कई मौके मिले थे, लेकिन टीम इन मौकों को भुना नहीं सकी।अफ्रीका के पश्चिमी तट पर बसे केप वर्डे के इस सपने को सच करने में उनके 40 वर्षीय गोलकीपर वोजिन्हा की भूमिका सबसे अहम रही। उन्होंने अपने पहले ही विश्व कप मैच में अकेले दम पर टीम की दीवार बनकर यूरोपीय चैंपियन स्पेन को ड्रॉ पर रोककर एक ऐतिहासिक अंक दिलाया था। इसके बाद, केप वर्डे ने दो बार की पूर्व चैंपियन उरुग्वे के खिलाफ भी शानदार खेल दिखाते हुए 2-2 से ड्रॉ खेला था।

महिला पोल वॉल्ट में राष्ट्रीय रिकॉर्ड बनाकर जी सिंधुश्री ने रचा इतिहास

एशियन गेम्स के लिए किया क्वालिफाई

नई दिल्ली। एक हाथ में राष्ट्रीय रिकॉर्ड की उपलब्धि थी और दूसरे हाथ में उस पिता की तस्वीर, जिसका सपना अब बेटी ने पूरा कर दिया था। कर्नाटक की जी सिंधुश्री ने गुरुवार 25 जून 2026 को महिला पोल वॉल्ट में राष्ट्रीय रिकॉर्ड बनाया, लेकिन यह पल उनके लिए सिर्फ जीत का नहीं, बल्कि दिवंगत पिता आर गणेश के अधूरे सपने को पूरा करने का भी था।

आर गणेश बेटी को अंतरराष्ट्रीय मंच पर भारत का प्रतिनिधित्व करते देखना चाहते थे, लेकिन दुर्भाग्यवश तीन साल पहले उनका निधन हो गया। सिंधुश्री के पिता बिजली मिस्त्री थे। खास बात यह है कि सिंधुश्री ने जिस पोल के सहारे इतिहास रचा, वह उनका अपना नहीं था, लेकिन हौसला और पिता का सपना पूरा करने की जिद ने उन्हें नई ऊंचाई तक पहुंचा दिया। भुवनेश्वर में आयोजित राष्ट्रीय अंतर-राज्यीय चैंपियनशिप में जी सिंधुश्री ने महिला पोल वॉल्ट में 4.25 मीटर की रिकॉर्ड छलांग के साथ एशियन गेम्स के लिए भी क्वालिफाई कर लिया। उन्होंने बारानिका इलानगोवन के मार्च 2026 में बनाए गए 4.23 मीटर के रिकॉर्ड को पीछे छोड़ दिया। सिंधुश्री को जब फोटो के लिए पोज देने को कहा गया तो वह भावुक हो गई। वह अपने बैग की ओर बढ़ीं और दिवंगत पिता की पासपोर्ट साइज तस्वीर निकाल ली।

वैभव को खिला लेते तो क्या बिगड़ जाता

● वाशिंगटन सुंदर को खिलाना थी बड़ी गलती

नई दिल्ली। श्रेयस अय्यर की कप्तानी में भारतीय टी20 टीम ने आयरलैंड के खिलाफ अपना पहला टी20 इंटरनेशनल मैच खेला, लेकिन इस मैच में वर्ल्ड चैंपियन टीम को 34 रन से हार मिली और ये काफी शर्मनाक था। भारतीय टीम और आयरलैंड की टीम को अगर देखें तो टीम इंडिया के सामने ये टीम कहीं भी टिकती नजर नहीं आती है, लेकिन अपने घरेलू मैदान पर आयरलैंड ने भारत को हरा दिया और साबित किया कि किसी को भी आप हल्के में नहीं ले सकते।

वैभव को देना चाहिए था मौका- आयरलैंड के खिलाफ भारत की हार की कई वजह रही जिसमें प्रसिद्ध कृष्णा की बेहद खराब गेंदबाजी, भारतीय शीर्ष क्रम के बल्लेबाजों का सरेंडर होना शामिल था, लेकिन वैभव को इस मैच में मौका नहीं देना भी बहुत बड़ी गलती रही। वैभव टी20 में क्या कुछ कर सकते हैं और एक ऐसा बैटर जो पूरी तरह से तैयार है उसे मौका देने के लिए आप किस बात का इंतजार कर रहे हैं ये बड़ा सवाल है। वैभव अगर इस मुकाबले में होते तो शायद बात कुछ अलग हो सकती थी।

● **सुंदर को बतौर बैटर किया जा रहा है प्रमोट-** आयरलैंड के खिलाफ भारत की प्लेइंग 11 में वैभव को शामिल नहीं किया गया और श्रेयस अय्यर ने कहा कि सही वक्त पर उन्हें मौका दिया जाएगा तो सही वक्त क्या होगा ये भी बता देते। आयरलैंड के खिलाफ जब टीम इंडिया 5 गेंदबाजों के साथ मैदान पर उतरी थी तो वाशिंगटन सुंदर को टीम में जगह देना कितना जरूरी था। वैसे भी वाशिंगटन सुंदर पिछले कुछ वक्त से काफी कम गेंदबाजी करते हैं और उन्हें टीम में बल्लेबाज के रूप में ज्यादा प्रमोट किया जा रहा है।

● **सुंदर से ज्यादा अच्छे विकल्प हैं वैभव-** जब आप सुंदर को बतौर बल्लेबाज टीम में रखना चाहते हैं तो वैभव सूर्यवंशी क्या खराब विकल्प हैं। आयरलैंड के खिलाफ पहले मुकाबले में सुंदर ने एक ओवर गेंदबाजी की और 19 रन लुटाए और बल्लेबाजी में उन्हें छठे नंबर पर शिवम दुबे और अक्षर पटेल से ऊपर भेजा गया, लेकिन उन्होंने 12 गेंदों पर 9 रन बनाए। यानी ना तो उनका बल्ला चला और ना ही गेंद से वो कुछ कर पाए। अब अगर इस मैच में वैभव को प्लेइंग इलेवन में सुंदर की जगह रखा जाता और उनका बल्ला चल जाता तो क्या होता इसकी कल्पना की जा सकती है।

● **वैभव-अभिषेक कर सकते हैं पारी की शुरुआत-** वैभव को इस मैच की प्लेइंग 11 में शामिल करके अभिषेक के साथ ओपन का मौका देना चाहिए थे और संजू सैमसन तीसरे नंबर पर खेल सकते थे।

किसी टीम को हल्के में नहीं ले सकते: श्रेयस अय्यर

बेलफास्ट, एजेंसी। आयरलैंड के खिलाफ पहले टी20 अंतरराष्ट्रीय मुकाबले में मिली 34 रन की हार के बाद भारतीय कप्तान श्रेयस अय्यर ने स्वीकार किया कि टीम ने अच्छी शुरुआत के बावजूद बीच के ओवरों में अपनी योजनाओं को सही ढंग से लागू नहीं किया। उन्होंने कहा कि गेंदबाजों ने शुरुआत में शानदार प्रदर्शन किया, लेकिन बाद में मैच पर पकड़ बनाए रखने में टीम से चूक हो गई।

अय्यर ने मैच के बाद कहा कि शुरुआती ओवरों में भारतीय गेंदबाजों ने नई गेंद से बेहतरीन गेंदबाजी की और परिस्थितियों का पूरा फायदा उठाते हुए शुरुआती विकेट भी हासिल किए। हालांकि बीच के ओवरों में गेंदबाज अपनी रणनीति के अनुरूप गेंदबाजी नहीं कर सके। उन्होंने कहा कि भारतीय गेंदबाजों ने बल्लेबाजों को सीधे मैदान की ओर शॉट खेलने का मौका दिया, जबकि वहां की बाउंड्री अपेक्षाकृत छोटी थी। कप्तान का मानना है कि जिस तरह की शुरुआत भारत को मिली थी, उसके हिसाब से आयरलैंड को 140 रन के आसपास रोकना आदर्श रहता। हालांकि उन्होंने गेंदबाजों के प्रयासों की सराहना करते हुए कहा कि डेथ ओवरों में गेंदबाजों ने अच्छी वापसी की। अय्यर ने कहा कि इस मुकाबले से टीम को स्थानीय परिस्थितियों और विकेट को समझने का अच्छा अनुभव मिला, जो आगे के मैचों में काम आएगा।

हार से सीख लेकर आगे बढ़ेगी टीम

लंबे अंतराल के बाद मैदान पर उतरने के सवाल पर अय्यर ने माना कि इसका असर जरूर पड़ा, लेकिन अब टीम इस हार को पीछे छोड़कर अगले मुकाबले पर पूरा ध्यान लगाएगी। उन्होंने कहा कि इस मैच से काफी कुछ सीखने को मिला है और भारतीय टीम अगले मुकाबले में पूरे जोश के साथ उतरेगी।भारतीय कप्तान ने तेज गेंदबाज हर्षित राणा के प्रदर्शन की जमकर तारीफ की। उन्होंने कहा कि चोट से वापसी करने के बाद इस स्तर पर शानदार प्रदर्शन करना आसान नहीं होता और हर्षित ने अपनी प्रतिभा का बेहतरीन परिचय दिया। राणा ने मुकाबले में 24 रन देकर तीन विकेट झटके और भारत के सबसे सफल गेंदबाज रहे।

अय्यर ने शिवम दुबे का भी बचाव करते हुए कहा कि वह पहले भी टीम के लिए महत्वपूर्ण ओवर डाल चुके हैं। उन्होंने बताया कि घरेलू क्रिकेट में लंबे समय तक साथ खेलने की वजह से वह शिवम की ताकत और कमजोरियों को अच्छी तरह जानते हैं और उन्हें उन पर पूरा भरोसा है।

क्रिकेट में कोई भी मुकाबला आसान नहीं होता

हार के बाद ड्रेसिंग रूम में खिलाड़ियों को दिए अपने संदेश का खुलासा करते हुए अय्यर ने कहा कि अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में कोई भी मुकाबला आसान नहीं होता। उन्होंने कहा कि सिर्फ मैदान पर उतरने भर से मैच नहीं जीते जाते, बल्कि हर पल मेहनत करनी पड़ती है। कप्तान ने खिलाड़ियों से कहा कि जब भी विपक्षी टीम पर दबाव बनाने का मौका मिले, उसे दोनों हाथों से भुनाना चाहिए और किसी भी स्थिति को हल्के में नहीं लेना चाहिए। भारत अब सीरीज के दूसरे और अंतिम टी20 मुकाबले में जीत दर्ज कर वापसी करने के इरादे से मैदान पर उतरेगा। अय्यर ने भी भरोसा जताया कि टीम इस हार से सबक लेकर अगले मैच में बेहतर प्रदर्शन करेगी।

भारतीय टीम 18.5 ओवर में 148 रन पर सिमटी

श्रेयस अय्यर की कप्तानी का आगाज उम्मीदों के अनुरूप नहीं रहा। दो मैचों की टी20 अंतरराष्ट्रीय सीरीज के पहले मुकाबले में आयरलैंड ने शानदार प्रदर्शन करते हुए भारत को 34 रन से हराकर इतिहास रच दिया। टी20 विश्व चैंपियन भारत के खिलाफ किसी भी प्रारूप में यह आयरलैंड की पहली जीत है। इस जीत के साथ मेजबान टीम ने सीरीज में 1-0 की बढ़त भी हासिल कर ली। टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने उतरी भारतीय टीम ने शुरुआती ओवरों में मुकाबले पर मजबूत पकड़ बनाई, लेकिन कप्तान लॉर्कन टकर और गैरेथ डेलानी की शानदार पारियों ने आयरलैंड को वापसी कराई। मेजबान टीम ने 20 ओवर में नौ विकेट पर 182 रन का चुनौतीपूर्ण स्कोर खड़ा किया। जवाब में भारतीय टीम 18.5 ओवर में 148 रन पर सिमट गई।

न्यूज बाइट्स

नल-जल योजना की पाइप फटी, सड़क पर बह रहा पानी

रफीगंज (औरंगाबाद) (नि. सं.)। नगर पंचायत क्षेत्र में नल-जल योजना की व्यवस्था में गड़बड़ी के कारण पेयजल संकट गहरा गया है। नगर पंचायत के पूर्व चेयरमैन सह चेयरमैन प्रतिनिधि डॉ. गुलाम शाहिद ने पीएचईडी विभाग पर लापरवाही का आरोप लगाते हुए तत्काल कार्रवाई की मांग की है। डॉ. शाहिद ने शनिवार को बताया कि पीएचईडीऔरंगाबाद द्वारा नगर पंचायत क्षेत्र के वार्ड संख्या 1 से 4 और 13 से 16 में नल-जल योजना के तहत पाइपलाइन बिछाई गई है। पिछले करीब 13-14 दिनों से वार्ड नंबर 13 स्थित चलनी गोदाम के पास एक पाइप फटी हुई है। इस फटी हुई पाइप से लगातार पानी का रिसाव हो रहा है, जिससे जमीन से लगभग 2-3 फीट ऊपर तक पानी का फव्वारा निकल रहा है। इस लीकेज के कारण हजारों लीटर पानी बर्बाद हो रहा है। पाइप में लीकेज के कारण वार्ड संख्या 13, 14, 15 और 16 में पर्याप्त जलापूर्ति बाधित है। इससे स्थानीय निवासियों को काफी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। कई घरों में अभी तक नल कनेक्शन भी नहीं दिए गए हैं। डॉ. गुलाम शाहिद के अनुसार, इस समस्या के संबंध में पीएचईडी के कार्यपालक अभियंता समेत संबंधित अधिकारियों को कई बार पत्र के माध्यम से सूचना दी गई है। हालांकि, अब तक कोई ठोस पहल नहीं की गई है। उन्होंने यह भी बताया कि यह मुद्दा दिशा की बैठक में भी उठाया था, जहां चेयरमैन द्वारा सांसद, जिलाधिकारी और विधायक की मौजूदगी में पत्र सौंपकर समस्या से अवगत कराया गया था। पेयजल संकट को देखते हुए नगर पंचायत को विभिन्न स्थानों पर टैंकरों के माध्यम से पानी उपलब्ध कराना पड़ रहा है। हालांकि, यह एक स्थायी समाधान नहीं है। डॉ. शाहिद ने सरकार और पीएचईडीविभाग से इस मामले को गंभीरता से लेने और जल्द से जल्द पाइप की मरम्मत कराने की मांग की है। उन्होंने सभी प्रभावित वार्डों में नियमित और सुचारू जलापूर्ति सुनिश्चित करने पर जोर दिया है।

मानसून की बेरुखी से औरंगाबाद के किसानों की बढ़ी चिंता

औरंगाबाद (एसवीवी. सं.)। किसान रामचंद्र सिंह, शिवनाथ पांडेय, ओंकारनाथ सिंह और अलखदेव प्रसाद सिंहा ने बताया कि यदि जल्द अच्छी बारिश नहीं हुई तो धान की रोपाई का समय प्रभावित होगा। देर से रोपाई होने पर फसल की पैदावार कम होने की आशंका रहती है, जिससे किसानों की आय पर सीधा असर पड़ेगा। उन्होंने कहा कि डीजल पंप और निजी बोरिंग से सिंचाई करने पर खेती की लागत कई गुना बढ़ जाएगी, जो छोटे और सीमांत किसानों के लिए अतिरिक्त आर्थिक बोझ साबित होगी। कृषि विशेषज्ञों का भी मानना है कि धान की अच्छी पैदावार के लिए समय पर बिचड़ा गिराना और रोपाई करना बेहद जरूरी है। यदि मानसून में और देरी होती है तो इसका असर केवल धान की खेती तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि पूरे कृषि चक्र और ग्रामीण अर्थव्यवस्था पर भी पड़ेगा। किसान अच्छी बारिश की उम्मीद में आसमान की ओर टकटकी लगाए हुए हैं।ृषि वैज्ञानिक डॉ. अनूप कुमार चौबे ने बताया कि दक्षिण बिहार के जिलों में अगले 48 घंटों के दौरान मानसून का प्रभाव बढ़ने की संभावना है।

नाबालिग ने जहर खाकर दी जान

- पुलिस ने प्रेम प्रसंग या शादी से जुड़े कारणों की नहीं की आधिकारिक पुष्टि

एसवीवी संवाददाता | औरंगाबाद

जिले के रिसियप थाना क्षेत्र के हेतमपुर गांव में शनिवार को एक 15 वर्षीय नाबालिग लड़की की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। परिजनों के अनुसार नाबालिग ने किसी जहरीले पदार्थ का सेवन कर लिया था। तबीयत बिगड़ने के बाद परिजन उसे इलाज के लिए औरंगाबाद सदर अस्पताल ले जा रहे थे, लेकिन रास्ते में ही उसकी मौत हो गई। घटना के बाद परिवार में कोहराम मच गया।

मृतका की पहचान हेतमपुर गांव निवासी राजेंद्र प्रजापति की 15 वर्षीय पुत्री रंजू कुमारी के रूप में हुई है। बताया जाता है कि शनिवार को अचानक रंजू की तबीयत बिगड़ने लगी। उसकी हालत गंभीर होने पर परिजनों को आशंका हुई कि उसने किसी विषैले पदार्थ का सेवन कर लिया है। इसके बाद आनन-फानन में परिजन उसे बाइक से इलाज के लिए सदर अस्पताल लेकर निकले, लेकिन अस्पताल पहुंचने से पहले ही उसने रास्ते में दम तोड़ दिया। घटना की सूचना मिलने पर रिसियप थाना पुलिस मौके पर पहुंची और आवश्यक कानूनी प्रक्रिया पूरी करते हुए शव को पोस्टमार्टम के लिए औरंगाबाद सदर अस्पताल भेज दिया। पोस्टमार्टम के बाद शव परिजनों को अंतिम संस्कार के लिए सौंप दिया गया।

पोस्टमार्टम के लिए अस्पताल पहुंचे मृतका के चचेरे भाई मदन प्रजापति ने बताया कि घटना के समय वह घर पर मौजूद नहीं था। बहन की तबीयत बिगड़ने की सूचना मिलने पर वह तुरंत घर पहुंचा और उसे अस्पताल लेकर निकला, लेकिन रास्ते में ही उसकी मौत हो गई। उन्होंने बताया कि रंजू ने क्या खाया था, इसकी स्पष्ट जानकारी परिवार के किसी सदस्य को नहीं है। घटना को लेकर गांव में तरह-तरह की चर्चाएं भी हो रही हैं। कुछ परिजनों का कहना है कि रंजू की शादी की बातचीत चल रही थी, जिससे वह नाराज बताई जा रही थी। परिवार के लोग उसके लिए वर की तलाश कर रहे थे, जबकि वह कथित तौर पर अपने एक रिश्तेदार से शादी करने की जिद कर रही थी। हालांकि प्रेम प्रसंग या शादी को लेकर आत्महत्या करने की बात की पुलिस ने अभी तक आधिकारिक पुष्टि नहीं की है। पुलिस इसे केवल पारिवारिक स्तर पर चल रही चर्चा मानते हुए सभी पहलुओं की जांच कर रही है। रिसियप थानाध्यक्ष संजीत राम ने बताया कि प्रथम दृष्टया किसी विषैले पदार्थ के सेवन से मौत होने की बात सामने आई है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही मौत के वास्तविक कारणों का स्पष्ट खुलासा हो सकेगा। फिलहाल पुलिस मामले की हर पहलू से जांच-पड़ताल कर रही है।

आज जिले की सभी ग्राम पंचायतों में मनाया जाएगा पंचायत विकास दिवस

- महिला हितैषी ग्राम पंचायत होगी इस माह की थीम, महिलाओं के सशक्तिकरण पर होगा विशेष मंथन

एसवीवी संवाददाता | औरंगाबाद

पंचायती राज विभाग, बिहार सरकार के निर्देशानुसार 28 जून को माह के अंतिम रविवार के अवसर पर जिले की सभी ग्राम पंचायतों में 'पंचायत विकास दिवस' का आयोजन किया जाएगा। इस माह के आयोजन की थीम 'महिला हितैषी ग्राम पंचायत' निर्धारित की गई है। इसका उद्देश्य महिलाओं के सशक्तिकरण, सुरक्षा, सम्मान तथा उनके सर्वांगीण विकास के लिए ग्राम पंचायतों की सक्रिय भूमिका सुनिश्चित करना है। कार्यक्रम का आयोजन पूर्वाह्न 10 बजे से अपराह्न 12 बजे तक पंचायत सरकार भवन, पंचायत भवन, सामुदायिक भवन अथवा अन्य निर्धारित सार्वजनिक स्थलों पर किया जाएगा। इसमें ग्राम सभा के सदस्यों, पंचायत प्रतिनिधियों, जीविका दीदियों, महिला स्वयं सहायता समूहों, आंगनबाड़ी सेविकाओं, आशा कार्यकर्ताओं, पंचायत स्तरीय कर्मियों एवं आम नागरिकों की सक्रिय सहभागिता सुनिश्चित की जाएगी।

कार्यक्रम के दौरान 'महिला हितैषी ग्राम पंचायत' विषय पर विस्तृत चर्चा की जाएगी। महिलाओं की शिक्षा, स्वास्थ्य, पोषण, सुरक्षा, आजीविका, सामाजिक एवं आर्थिक सशक्तिकरण, लैंगिक समानता तथा पंचायत स्तर पर महिलाओं के हित में संचालित विभिन्न योजनाओं एवं उपलब्ध सुविधाओं पर विचार-विमर्श किया जाएगा। इसके साथ ही पंचायतों द्वारा महिलाओं के हित में किए गए कार्यों की समीक्षा तथा भविष्य की कार्ययोजना पर भी चर्चा होगी। आयोजन के दौरान उत्कृष्ट ग्राम पंचायतों द्वारा किए गए विकास कार्यों से संबंधित वीडियो का प्रदर्शन भी किया जाएगा। इसके अलावा प्रधानमंत्री के रेडियो कार्यक्रम 'मन की बात' का सामूहिक श्रवण कराया जाएगा। ग्राम पंचायतों में संचालित योजनाओं एवं आगामी विकास कार्यों पर चर्चा के साथ ग्राम सभा के सदस्यों एवं आम नागरिकों से सुझाव भी प्राप्त किए जाएंगे, ताकि पंचायतों के विकास कार्यों को और अधिक प्रभावी बनाया जा सके। जिला प्रशासन ने सभी प्रखंड विकास पदाधिकारियों, पंचायत प्रतिनिधियों एवं संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिया है कि पंचायत विकास दिवस के साथ सफलतापूर्वक संपन्न कराया जाए। साथ ही महिलाओं के हितों को केंद्र में रखते हुए पंचायतों में समावेशी, सहभागी एवं सतत विकास की दिशा में ठोस पहल सुनिश्चित की जाए, ताकि ग्रामीण क्षेत्रों में महिला सशक्तिकरण को और अधिक मजबूती मिल सके।

सात जुलाई को जिले की 34 पंचायतों में लगेगा सहयोग शिविर, तैयारी पूरी

एसवीवी संवाददाता | औरंगाबाद

डीएम अभिलाषा शर्मा के निर्देशानुसार आगामी सात जुलाई को आयोजित होने वाले पंचायत स्तरीय 'सहयोग शिविर' के सफल संचालन को लेकर जिला प्रशासन ने व्यापक तैयारियां शुरू कर दी हैं। शिविर के प्रति आम नागरिकों को जागरूक करने के लिए जिले की सभी संबंधित पंचायतों में व्यापक स्तर पर प्रचार-प्रसार कराया जा रहा है। लोगों को प्रेरित किया जा रहा है कि वे शिविर आयोजित होने से पहले अपनी समस्याओं एवं विभिन्न योजनाओं से संबंधित आवेदन पंचायत सरकार भवन में जमा कर दें, ताकि शिविर के दिन ही उनके आवेदनों का त्वरित एवं प्रभावी निष्पादन सुनिश्चित किया जा सके। जिला प्रशासन ने सभी जिलेवासियों से अपील की है कि वे समय रहते अपने पंचायत सरकार भवन में आवेदन जमा कर सहयोग शिविर का अधिकतम लाभ उठाएं। प्रशासन का कहना है कि शिविर का मुख्य उद्देश्य आम नागरिकों की शिकायतों की सुलभ प्राप्ति, उनका त्वरित, पारदर्शी एवं प्रभावी समाधान सुनिश्चित करना तथा सरकारी योजनाओं का लाभ पात्र लोगों तक पहुंचाना है।

प्रशासन के अनुसार प्रत्येक माह के प्रथम एवं तृतीय मंगलवार को पंचायत स्तर पर सहयोग शिविर आयोजित किए जाएंगे। इन शिविरों में विभिन्न विभागों के पदाधिकारी एवं कर्मी उपस्थित रहकर लोगों की समस्याओं का मौके पर ही समाधान करेंगे। प्रत्येक शिविर के आयोजन से कम-से-कम 30 दिन पूर्व संबंधित पंचायतों में आवेदन प्राप्त करने की व्यवस्था सुनिश्चित की जा रही है, ताकि प्राप्त आवेदनों का पूर्व परीक्षण कर निष्पादन प्रक्रिया को और अधिक सुगम बनाया जा सके। जिला पदाधिकारी ने प्रत्येक शिविर के लिए वरीय पदाधिकारियों, पुलिस पदाधिकारियों एवं सहयोगी पदाधिकारियों की प्रतिनियुक्ति की है। वहीं संबंधित प्रखंडों के प्रखंड विकास पदाधिकारी, अंचल अधिकारी एवं प्रखंड पंचायत राज पदाधिकारी को शिविर के सफल संचालन तथा सभी आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित करने की जिम्मेदारी सौंपी गई है। 07 जुलाई को मदनपुर प्रखंड की नीमा आँजन, घटराईं, दधपी एवं बनिया पंचायत, औरंगाबाद प्रखंड की पोखराहाँ एवं इब्राहिमपुर पंचायत, बारूण प्रखंड की पौथु एवं भोपतपुर पंचायत, देव प्रखंड की सरगावाँ एवं दुलारे पंचायत, रफीगंज प्रखंड की कोटवारा एवं भदवा पंचायत, कुटुम्बा प्रखंड की अम्बा, दधपा, सुही एवं पिपरा बगाही पंचायत, नबीनगर प्रखंड की मझियावाँ, बेलाई, सिमरी धमनी एवं बरियावाँ पंचायत, ओबरा प्रखंड की गैनी, बभंडीहा, खुदवाँ एवं मलवाँ पंचायत, दाउदनगर प्रखंड की गोरडीहा एवं संसा पंचायत, गोह प्रखंड की मीरपुर एवं भुरकुण्डा पंचायत तथा हसपुरा प्रखंड की डुमरा एवं ईटवाँ पंचायत में सहयोग शिविर आयोजित किए जाएंगे।

बछड़ा चोरी के आरोपित को पुलिस ने भेजा जेल

दाउदनगर (औरंगाबाद) (नि.सं.)। दाउदनगर थाना पुलिस ने बछड़ा चोरी के मामले में गिरफ्तार आरोपित एजाज कुरैशी को शनिवार को न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया। गिरफ्तार आरोपित दाउदनगर के पिराही बाग मोहल्ला का निवासी है। पुलिस के अनुसार, आरोपित ने अपने एक साथी के साथ मिलकर बड़ारी मोहल्ला निवासी राम परीक्षा यादव के बछड़े की चोरी की थी। घटना के दौरान ग्रामीणों और कांड के सूचक ने पीछा कर एजाज कुरैशी को मौके पर ही पकड़ लिया और पुलिस के हवाले कर दिया।

हालांकि, उसका दूसरा साथी साबीर कुरैशी, जो पिराही बाग मोहल्ला का ही निवासी है, घटनास्थल से फरार होने में सफल रहा। पुलिस उसकी गिरफ्तारी के लिए लगातार छापेमारी कर रही है। जानकारी के अनुसार, यह घटना 26 मई की रात की है। राम परीक्षा सिंह ने अपने बछड़े को चरने के लिए सोन तटीय क्षेत्र स्थित इमामबाड़ा से आगे हड्डी फैक्टरी के समीप छोड़ा था। रात करीब नौ बजे दोनों आरोपित बछड़े को चुराकर अपने साथ ले जा रहे थे। इसी दौरान ग्रामीणों की सतर्कता से एक आरोपित पकड़ लिया गया, जबकि दूसरा फरार हो गया। पुलिस ने गिरफ्तार आरोपित के विरुद्ध आवश्यक कानूनी प्रक्रिया पूरी करने के बाद उसे न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया है। वहीं, फरार आरोपित की गिरफ्तारी के लिए कार्रवाई जारी है।

बालिका सशक्तिकरण अभियानका समापन, 61 छात्राओं को मिला शिक्षा, कौशल और आत्मविश्वास का प्रशिक्षण

एनटीपीसी ने बेटियों के सपनों को दी नई उड़ान, छह छात्राओं को मिलेगी कक्षा 12 तक नि:शुल्क शिक्षा

निज संवाददाता | नबीनगर (औरंगाबाद)

एनटीपीसी नबीनगर द्वारा संचालित बालिका सशक्तिकरण अभियान-2026 का शनिवार को परियोजना परिसर में भव्य समापन समारोह आयोजित किया गया। लगभग एक माह तक चले इस आवासीय प्रशिक्षण कार्यक्रम के माध्यम से बारुण एवं नबीनगर प्रखंड की 61 ग्रामीण बालिकाओं को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, व्यक्तित्व विकास, तकनीकी कौशल और आत्मविश्वास से जोड़ने का प्रयास किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य ग्रामीण क्षेत्र की बेटियों को आत्मनिर्भर बनाकर उन्हें बेहतर भविष्य के लिए तैयार करना रहा। दो जून से प्रारंभ हुए इस अभियान के समापन अवसर पर प्रतिभागी छात्राओं ने नृत्य, नाट्य, संगीत, योग एवं कला की आकर्षक प्रस्तुतियां देकर उपस्थित लोगों का मन मोह लिया। छात्राओं की प्रस्तुतियों में उनके आत्मविश्वास, प्रतिभा और प्रशिक्षण के दौरान अर्जित कौशल की स्पष्ट झलक देखने को मिली। समारोह में उपस्थित अधिकारियों एवं अतिथियों ने छात्राओं की प्रतिभा की सराहना करते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

समारोह के मुख्य अतिथि एनटीपीसी के क्षेत्रीय कार्यकारी निदेशक (पूर्वी क्षेत्र-1) एल. के. बेहेरा ने छात्राओं को शुभकामनाएं देते हुए उनके अभिभावकों का आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि बालिका सशक्तिकरण अभियान का उद्देश्य ग्रामीण क्षेत्रों की प्रतिभाशाली बालिकाओं को शिक्षा, कौशल और आत्मविश्वास प्रदान कर उन्हें आत्मनिर्भर बनाना है, ताकि वे अपने परिवार और समाज में सकारात्मक बदलाव की प्रेरणा बन सकें। उन्होंने कहा कि शिक्षित और आत्मविश्वासी बेटियां ही विकसित समाज की मजबूत नींव होती हैं। उन्होंने बताया कि एनटीपीसी नबीनगर वर्ष 2023 से लगातार इस अभियान का संचालन कर रहा है। अब तक 180 ग्रामीण बालिकाएं इस प्रशिक्षण का लाभ प्राप्त कर चुकी हैं। इनमें से चयनित 11 छात्राएं एनटीपीसी के सहयोग से बाल भारती पब्लिक स्कूल में कक्षा 12 तक निःशुल्क शिक्षा प्राप्त कर रही हैं। यह पहल ग्रामीण क्षेत्र की प्रतिभाशाली छात्राओं को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा उपलब्ध कराने की दिशा में महत्वपूर्ण साबित हो रही है।

इस वर्ष आयोजित आवासीय प्रशिक्षण शिविर में चयनित 61 छात्राओं को गणित, हिंदी, अंग्रेजी, कंप्यूटर शिक्षा, कराटे, योग एवं व्यक्तित्व विकास सहित विभिन्न विषयों का प्रशिक्षण दिया गया। प्रशिक्षण अवधि के दौरान परियोजना परिसर में छात्राओं के लिए सुरक्षित छात्रावास, पौष्टिक भोजन तथा अन्य आवश्यक सुविधाओं की समुचित व्यवस्था की गई, जिससे उनके शारीरिक, मानसिक एवं बौद्धिक विकास को बढ़ावा मिल सके। एनटीपीसी ने समारोह के दौरान घोषणा की कि इस वर्ष अभियान से चयनित छह प्रतिभाशाली छात्राओं का शीघ्र ही बाल भारती पब्लिक स्कूल में प्रवेश कराया जाएगा, जहां उन्हें कक्षा 12वीं तक निःशुल्क शिक्षा उपलब्ध कराई जाएगी। इस घोषणा से छात्राओं एवं उनके अभिभावकों में उत्साह का माहौल देखा गया। समापन समारोह में स्वरा महिला संघ की अध्यक्षा आरती बेहेरा, महाप्रबंधक (ओ एंड एम) अनिल कुमार टी.सी., महाप्रबंधक (परियोजना) राकेश शर्मा, उप कमांडेंट सीआईएसएफ रफाकत खान, अपर महाप्रबंधक (मानव संसाधन) ओंकार नाथ सहित अनेक वरिष्ठ अधिकारी, कर्मचारी एवं गणमान्य अतिथि उपस्थित रहे।

डॉ. संजय कुमार सिंह बने दाउदनगर प्रखंड कांग्रेस अध्यक्ष

निज संवाददाता | दाउदनगर(औरंगाबाद)

बिहार प्रदेश कांग्रेस ने जिले के दाउदनगर प्रखंड में संगठन को मजबूत करने की दिशा में बड़ा कदम उठाते हुए पार्टी के वरिष्ठ एवं सक्रिय नेता डॉ. संजय कुमार सिंह को प्रखंड कांग्रेस अध्यक्ष नियुक्त किया है। प्रदेश कांग्रेस ने इस संबंध में आधिकारिक पत्र जारी कर उनकी नियुक्ति पर मुहर लगा दी है। नियुक्ति की सूचना सार्वजनिक होते ही कांग्रेस कार्यकर्ताओं, समर्थकों एवं विभिन्न सामाजिक-राजनीतिक क्षेत्रों से उन्हें बधाइयां मिलने का सिलसिला शुरू हो गया। सोशल मीडिया पर भी शुभकामनाएं देने वालों की लंबी सूची देखने को मिली, जिसमें पक्ष और विपक्ष दोनों के लोग शामिल रहे। डॉ. संजय कुमार सिंह लंबे समय से कांग्रेस संगठन से जुड़े हुए हैं। वह पार्टी के प्रति पूरी निष्ठा और समर्पण के साथ सक्रिय भूमिका निभाते रहे हैं। वर्तमान में वह कांग्रेस के मानवाधिकार प्रकोष्ठ के औरंगाबाद जिला अध्यक्ष भी हैं। इससे पूर्व भी वह दाउदनगर प्रखंड कांग्रेस अध्यक्ष की जिम्मेदारी संभाल चुके हैं। संगठन के प्रति उनकी सक्रियता, जनसंपर्क क्षमता और समर्पण को देखते हुए प्रदेश नेतृत्व ने एक बार फिर उन पर भरोसा जताते हुए यह महत्वपूर्ण जिम्मेदारी सौंपी है।

पार्टी नेता एवं पटना उच्च न्यायालय के अधिवक्ता के. के. तिवारी ने डॉ. संजय कुमार सिंह को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि उनके नेतृत्व में दाउदनगर प्रखंड कांग्रेस नई ऊंचाइयों को प्राप्त करेगी और संगठन पहले से अधिक मजबूत होगा। राजनीतिक जानकारों का भी मानना है कि उनके नेतृत्व में दाउदनगर प्रखंड में कांग्रेस संगठन को नई ऊर्जा, नई दिशा और मजबूती मिलेगी।

अज्ञात वाहन की टक्कर से बाइक सवार की मौत, दूसरा युवक गंभीर घायल

- हरिहरगंज थाना क्षेत्र के कटैया मोड़ के समीप हुआ हादसा, पुलिस जांच में जुटी

एसवीवी संवाददाता | औरंगाबाद

हरिहरगंज थाना क्षेत्र में एनएच-139 पर कटैया मोड़ के समीप शुक्रवार देर शाम अज्ञात वाहन की टक्कर से बाइक सवार एक युवक की घटनास्थल पर ही मौत हो गई, जबकि बाइक पर सवार दूसरा युवक गंभीर रूप से घायल हो गया। मृतक की पहचान बिहार के औरंगाबाद जिले के बालूगंज निमिडीह गांव निवासी सुनील कुमार वर्मा के रूप में हुई है। वह हरिहरगंज स्थित एक निजी क्लीनिक में कार्यरत था। बताया जाता है कि हादसे के समय सुनील कुमार वर्मा अपने साथी के साथ बाइक से छतरपुर की ओर से हरिहरगंज लौट रहा था। इसी दौरान कटैया मोड़ के समीप किसी अज्ञात वाहन ने उनकी बाइक को जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भीषण थी कि सुनील कुमार वर्मा की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि दूसरा युवक गंभीर रूप से घायल हो गया।

घटना के बाद स्थानीय लोगों ने तत्काल घायल युवक को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी) हरिहरगंज पहुंचाया। प्राथमिक उपचार के बाद चिकित्सकों ने उसकी गंभीर स्थिति को देखते हुए बेहतर इलाज के लिए उच्च केंद्र रेफर कर दिया।

सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। ऑन ड्यूटी एएसआई ने बताया कि प्रथम दृष्टया मामला अज्ञात वाहन की टक्कर का प्रतीत होता है। पुलिस फरार वाहन की पहचान करने और दुर्घटना के कारणों का पता लगाने में जुटी है। मामले की जांच जारी है।

बीआरबीसीएल में बालिका सशक्तीकरण अभियान का हुआ समापन

सांस्कृतिक प्रस्तुतियों से बच्चियों ने मोहा मन उज्ज्वल भविष्य के लिए किया गया प्रेरित

निज संवाददाता | नवीनगर (औरंगाबाद)

बीआरबीसीएल में शनिवार को बालिका सशक्तीकरण अभियान-2026 का समापन समारोह गरिमापूर्ण वातावरण में आयोजित किया गया। कार्यक्रम में बीआरबीसीएल के मुख्य कार्यकारी अधिकारी दीपक रंजन देहुरी एवं संगीनी लेडीज क्लब की अध्यक्षा श्रीमती सुचेता रे मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहीं। लगभग एक माह तक चले इस अभियान के समापन अवसर पर प्रतिभागी बच्चियों ने रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत कर अपनी प्रतिभा का शानदार प्रदर्शन किया। नृत्य, गीत एवं अन्य आकर्षक प्रस्तुतियों ने उपस्थित अतिथियों और दर्शकों का मन मोह लिया। कार्यक्रम के अंत में बच्चियों को भावभीनी विदाई दी गई। समारोह को संबोधित करते हुए मुख्य कार्यकारी अधिकारी दीपक रंजन देहुरी ने बच्चियों को उज्ज्वल भविष्य के लिए शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि शिक्षा, आत्मविश्वास और निरंतर सीखने की भावना ही जीवन में सफलता की कुंजी है। उन्होंने बच्चियों को अपने लक्ष्य के प्रति समर्पित रहते हुए आगे बढ़ने और समाज में अपनी अलग पहचान बनाने के लिए प्रेरित किया।

संगीनी लेडीज क्लब की अध्यक्षा श्रीमती सुचेता रे ने भी बच्चियों का उत्साहवर्धन किया। उन्होंने कहा कि प्रत्येक बालिका में असीम प्रतिभा होती है और आत्मविश्वास के साथ अपने सपनों को साकार करने का प्रयास करना चाहिए। उन्होंने बच्चियों से जीवन में आने वाली चुनौतियों का साहसपूर्वक सामना करने और निरंतर आगे बढ़ते रहने का आह्वान किया। समारोह का समापन बच्चियों को शुभकामनाओं और उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना के साथ हुआ। इस अवसर पर बीआरबीसीएल के अधिकारी, कर्मचारी, संगीनी लेडीज क्लब की सदस्याएं एवं अन्य गणमान्य लोग उपस्थित थे।

समकालीन जवाबदेही की बैठक में "अक्षि मंच पर सौ-सौ बिम्ब' उपन्यास पर हुई चर्चा

एसवीवी. संवाददाता | औरंगाबाद

जिला मुख्यालय स्थित ओवरब्रिज बाईपास के समीप कवि एवं लेखक चंदन पाठक के आवास पर समकालीन जवाबदेही परिवार साहित्यिक संस्था की महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता जिला हिंदी साहित्य सम्मेलन के अध्यक्ष डॉ. सिद्धेश्वर प्रसाद सिंह ने की, जबकि संचालन वरिष्ठ कवि हेरम्ब मिश्रा ने किया। दो सत्रों में आयोजित कार्यक्रम के प्रथम सत्र में इलाहाबाद विश्वविद्यालय के हिंदी विभाग के प्रोफेसर डॉ. कुमार वीरेंद्र ने प्रसिद्ध उपन्यासकार अल्पना मिश्रा द्वारा रचित उपन्यास 'अक्षि मंच पर सौ-सौ बिम्ब' पर एकल व्याख्यान प्रस्तुत किया। अपने व्याख्यान में उन्होंने कहा कि उपन्यास की मुख्य पात्र नीली के माध्यम से लेखिका ने कई गंभीर सामाजिक प्रश्नों को उठाया है। उन्होंने बताया कि नीली अपनी बीमार आंखों के बावजूद रंग-बिरंगी दुनिया को देखने का प्रयास करती है। वह स्लीप पैरालिसिस जैसी बीमारी से संघर्ष करते हुए सामाजिक पीड़ा का सामना करती है और समाज में व्याप्त अनेक वर्जनाओं को तोड़ने का साहस भी दिखाती है।

डॉ. कुमार वीरेंद्र ने कहा कि उपन्यास में नीली के चारों ओर बहता जीवन बाहर से अनुशासित और व्यवस्थित दिखाई देता है, लेकिन उसके भीतर सामाजिक विसंगतियों और कुरीतियों पर गहरा प्रहार किया गया है। साथ ही यह रचना नारी सशक्तिकरण का भी सशक्त और प्रेरणादायी उदाहरण प्रस्तुत करती है। कार्यक्रम के दूसरे सत्र में उपस्थित साहित्यकारों और बुद्धिजीवियों ने समकालीन साहित्य, पत्रिका प्रकाशन और अन्य विषयों पर विचार-विमर्श किया। इस दौरान समकालीन जवाबदेही पत्रिका के यात्रा-वृत्तांत विशेषांक को बेहतर ढंग से प्रकाशित करने का संकल्प लिया गया। समकालीन जवाबदेही के प्रधान संपादक डॉ. सुरेंद्र प्रसाद मिश्र ने बताया कि पत्रिका के प्रकाशन की प्रक्रिया अंतिम चरण में है और शीघ्र ही इसका विशेषांक प्रकाशित किया जाएगा।

बैठक में राम सुरेश सिंह, लवकुश

जिलाधिकारी ने की भू-अर्जन परियोजनाओं की समीक्षा

लंबित मामलों के शीघ्र निष्पादन के दिए निर्देश

- मुआवजा भुगतान, संयुक्त मापी और भूमि हस्तांतरण में तेजी लाने पर जोर, एनएच, भारतमाला व बियाडा परियोजनाओं की हुई समीक्षा

एसवीवी संवाददाता | औरंगाबाद

जिला पदाधिकारी अभिलाषा शर्मा की अध्यक्षता में शनिवार को समाहरणालय स्थित कार्यालय कक्ष में जिले में संचालित विभिन्न महत्वपूर्ण परियोजनाओं से संबंधित भू-अर्जन कार्यों की समीक्षात्मक बैठक आयोजित की गई। बैठक में विभिन्न परियोजनाओं की प्रगति, मुआवजा भुगतान, लंबित मामलों, सरकारी एवं रैयती भूमि हस्तांतरण तथा वैधानिक प्रक्रियाओं की अद्यतन स्थिति की विस्तृत समीक्षा की गई। जिला पदाधिकारी ने सभी संबंधित अधिकारियों को लंबित मामलों का शीघ्र निष्पादन सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। समीक्षा के दौरान बताया गया कि एनएच-120 दाउदनगर बाईपास परियोजना के लिए कुल 10.1431 हेक्टेयर भूमि का पूर्ण अधिग्रहण किया जा चुका है। परियोजना से प्रभावित कुल 321 रैयतों में से 120 रैयतों को 21.26 करोड़ रुपये का मुआवजा भुगतान किया जा चुका है। वहीं शेष 201 रैयतों के 25.63 करोड़ रुपये संयुक्त जमाबंदी से संबंधित अभिलेख लंबित रहने के कारण भुगतान की प्रक्रिया में हैं।

बैठक में भारतमाला परियोजना की भी समीक्षा की गई। अधिकारियों ने बताया कि परियोजना के अंतर्गत 270.4283 हेक्टेयर भूमि का अधिग्रहण पूरा हो चुका है। कुल 3702 रैयतों में से 1746 रैयतों को 104.65 करोड़ रुपये का भुगतान किया जा चुका है, जबकि 1956 रैयतों के 94.55 करोड़ रुपये मध्यस्थता (आर्बिट्रेशन) से संबंधित मामलों के कारण लंबित हैं। बियाडा औद्योगिक क्षेत्र के लिए प्रस्तावित 436.50 एकड़ भूमि अधिग्रहण की समीक्षा के दौरान बताया गया कि चार मौजों में संयुक्त मापी (जेएमएस) का कार्य जारी है, जबकि तीन मौजों में रैयतों के अपेक्षित सहयोग नहीं मिलने के कारण प्रक्रिया प्रभावित हो रही है। बैठक में प्रगति पथ के अंतर्गत संचालित विभिन्न सड़क परियोजनाओं की भी विस्तार से समीक्षा की गई। अधिकारियों ने बताया कि देव रिंग रोड निर्माण के लिए 27.5126 एकड़, देव सूर्य मंदिर परिसर से एसएच-101 तक ग्रीनफील्ड संपर्क पथ के लिए 7.36569 एकड़, रफीगंज बाईपास के लिए 18.8145 एकड़, गया-औरंगाबाद पथ चौड़ीकरण के लिए 5.6948 एकड़, नवीनगर रेलवे यार्ड आरओबी के लिए 0.2826 एकड़ तथा एनएच-139 दाउदनगर बाईपास के लिए 29.58213 हेक्टेयर भूमि अधिग्रहण की प्रक्रिया विभिन्न चरणों में चल रही है।

संयुक्त जनता दरबार में भूमि विवाद के मामलों का हुआ निस्तारण

औरंगाबाद (एसवीवी.सं.)। जिला प्रशासन के निर्देशानुसार प्रत्येक शनिवार को जिले के विभिन्न थाना परिसरों में थानाध्यक्ष एवं संबंधित अंचलाधिकारी द्वारा संयुक्त रूप से जनता दरबार का आयोजन किया गया। जनता दरबार में भूमि विवाद से जुड़े मामलों की सुनवाई करते हुए दोनों अधिकारियों ने फरियादियों की समस्याएं सुनीं और कई मामलों का मौके पर ही निस्तारण किया। जनता दरबार में भूमि विवाद से संबंधित प्राप्त आवेदनों की जांच कर दोनों पक्षों को सुनने के बाद आवश्यक निर्देश दिए गए। जिन मामलों का तत्काल समाधान संभव था, उनका मौके पर निस्तारण किया गया, जबकि शेष मामलों में संबंधित अधिकारियों को आवश्यक कार्रवाई कर शीघ्र निष्पादन सुनिश्चित करने का निर्देश दिया गया।